Awarded for Excellence in Editorial Concept, Art & Visual Presentation

हिन्दी Abroad

www.hindiabroad.com | Vol. 22 | Issue -33 | Friday, January 19, 2024 | $1 | Tel :-905-673-9929

Funded by the Government of Canada | Canada

मौसम

Fri	-07°c
Sat	-10°c
Sun	-10°c
Mon	-10°c
Tue	-12°c
Wed	-3°c
Thu	-4°c

500 साल का संघर्ष आयोध्या में राम उत्सव...
पृष्ठ- 13 देखें

अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में खरीदा प्लॉट ...
पृष्ठ- 14 देखें

ऐसे बने राम मंदिर में लगे स्वर्ण द्वार...
पृष्ठ- 18 देखें

अयोध्या में 'प्राण प्रतिष्ठा'

गर्भगृह में आसन पर स्थापित हुए रामलला, लगा 4 घंटे से ज्यादा का समय

-पहुंचने लगे आमंत्रित अतिथि, बिखरने लगा उत्सव का उल्लास
-तीन लाख वर्ग फीट क्षेत्रफल में बनेगा ओपन पंडाल, विराजेंगे अतिथि
-पीएम मोदी ने जारी किए श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर स्मारक डाक टिकट

गर्भ गृह के बारे में

20 फीट लंबा, 20 फीट चौड़ा
एक साथ 1000 श्रद्धालु खड़े हो सकेंगे गर्भगृह में
गर्भगृह के पास का परकोटा तीन तरफ खुलेगा
मंदिर में अंदर जाने के लिए दो गेट और होंगे
मंदिर के आसपास का करीब 3 KM का एरिया रेड जोन कहलाएगा
मंदिर से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की दूरी 1.3 KM
मंदिर से महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट की दूरी 10 KM

मोदी ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को समर्पित छह स्मारक डाक टिकट किये जारी

नई दिल्ली.संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को समर्पित छह विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किए, साथ ही विश्व के अलग-अलग देशों में प्रभु श्रीराम से जुड़े जो डाक टिकट पहले जारी हुए हैं, उनका भी एक एल्बम आज जारी किया गया। इस अवसर पर श्री मोदी ने भारत और विदेशों में प्रभु श्रीराम के भक्तों को बधाई देते हुये कहा,÷हम सभी जानते हैं कि पत्र या महत्वपूर्ण दस्तावेज भेजने के लिए लिफाफे पर ये टिकट चिपकाए जाते हैं। लेकिन वे एक अन्य उद्देश्य भी पूरा करते हैं। डाक टिकट ऐतिहासिक घटनाओं को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के माध्यम के रूप में भी काम करते हैं। इसलिए जब भी आप किसी को डाक टिकट के साथ कोई पत्र या वस्तु भेजते हैं, तो आप उन्हें इतिहास का एक टुकड़ा

भी भेज रहे होते हैं। ये टिकट सिर्फ कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों, कलाकृतियों और ऐतिहासिक स्थलों का सबसे छोटा रूप हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये स्मारक टिकट युवा पीढ़ी को प्रभु श्रीराम और उनके जीवन के बारे में जानने में भी मदद करेंगे।

शेष पृष्ठ 13 व 17

10 डॉलर प्रतिदिन प्रोग्राम से टोरंटो डेकेयर हुआ बाहर

टोरंटो। टोरंटो डे केयर ने यह सुनिश्चित करते हुए कहा कि वे नेशनल 10 डॉलर प्रतिदिन प्रोग्राम से स्वयं को बाहर कर रहे हैं। इस निष्कासन का मूल कारण प्राप्त धन की अनिश्चितता हैं, जिसके कारण वे अन्य परिवारों को क्या विश्वास दिलवा सकेंगे, जबकि उन्हें स्वयं इस बात की सुनिश्चितता नहीं वास्तव में उन्हें इस योजना से कितनी राशि प्राप्त होगी, जानकारों का यह भी कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा आरंभ की गई इस योजना में अभी तक पर्याप्त वित्तीय

- टोरंटो डेकेयर ने बताया कि फंडींग की अनिश्चितता हैं बाहर निकलने का सबसे बड़ा कारण
- पिछले दिनों राज्य सरकार को राष्ट्रीय 10 डॉलर प्रतिदिन प्रोग्राम के अंतर्गत नए अपडेटस की जानकारी को भी प्रसारित करना चाहिए

सहयोग की कोई बात को सार्वजनिक नहीं किया गया हैं। वहीं दूसरी ओर इस घोषणा से चिंतित परिवारों में से एक जैकलीन स्टेन ने बताया कि उसका बेटा अभी तक केवल दो वर्ष का हैं, और वह अभी भी ओला डेकेयर में प्रतिदन जा रहा हैं लेकिन इस प्रकार से डेकेयर संस्थाओं द्वारा इस योजना से बाहर होने पर उन्हें अचानक अधिक फीस का भार झेलना होगा, जिसके लिए उन्हें बेहद चिंता सता रही हैं। ज्ञात हो कि पिछले दिनों राज्य सरकार को राष्ट्रीय 10 डॉलर प्रतिदिन प्रोग्राम के अंतर्गत नए अपडेटस की जानकारी को भी प्रसारित करना चाहिए, जिसके लिए रिवाईज फंडींग भी शामिल हैं। इस दोहराव के दौरान चाईल्ड-केयर स्पेसों में राशि के प्रोत्साहन की व्याख्या की गई हैं। ज्ञात हो कि ओंटेरियो सरकार ने इस योजना के लिए वर्ष 2022 में हस्ताक्षर किए थे, उस समय 86,000 स्पॉटस को चुना गया था, इसमें राज्य ने अपने बजट में यह माना था कि इस प्रकार के स्पेसों की संख्या बढ़कर 220,000 स्पेस हो सकती हैं। इस योजना के लिए अधिकतर गैर-लाभकारी संस्थाएं उत्सुक दिखी, जिनका यह मानना हैं कि 10 डॉलर प्रतिदिन की योजना सबसे कारगर प्रस्ताव हैं और इसके लिए वर्तमान जारी फंड उचित नहीं।

लाल सागर में उत्पन्न विद्रोह के कारण कैनेडियन जल परिवहन हुआ प्रभावित

कई मालवाहक शिपस के आवा-गमन में हुई भारी देरी

टोरंटो.नीलम

कैनेडियन तटीय विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ दिनों में कैनेडियन शीपरस बहुत अधिक देरी के कारण परेशानी का सामना कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण लाल सागर में उत्पन्न हाउती विद्रोहियों का हमला बताया जा रहा हैं, इस संकट के कारण हैलीफैक्स के तट से जारी रिपोर्ट में बताया गया कि अभी भी 87 जहाजों में से लगभग 57 जहाज इस उपद्रव के कारण मध्य मार्ग में ही फंसे पड़े हैं। पिछले चार सप्ताह से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी इनका अपने सुनिश्चित गंतव्यों पर पहुंचना कठिन बताया जा रहा हैं। शोध फर्म ड्रेवरी के अनुसार मध्य दिसम्बर से फंसे इन जहाजों के रख-रखाव का खर्चा भी दोगुना हो चुका हैं। ज्ञात हो कि हाउती विद्रोहियों ने इजरायल सेना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर हमला करके इस लड़ाई को और अधिक बढ़ाया। वहीं गुरुवार को एक बयान में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि लाल सागर दुनिया का एक प्रमुख जल मार्ग है जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक सुगम मार्ग रहा हैं। लेकिन हूती विद्रोहियों के हमले से इस मार्ग पर संकट आ गया हैं। इस संबंध में कैनेडियन अधिकारियों ने अमेरिकी पोत विभाग से बातचीत में कहा कि जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही को सुरक्षित करने को लेकर एक उत्पादक चर्चा हुई हैं, हम इसका स्वागत करते हैं। दरअसल, गाजा युद्ध में इजराइल की कार्यवाही का बदला लेने के लिए हूती विद्रोही लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इस चर्चा का केंद्र बिंदू समुद्री सुरक्षा की चुनौतियां थी, खासतौर से लाल सागर में हाल के हमले को लेकर उन्होंने गाजा समेत पश्चिम एशिया की स्थिति पर ब्लिंकर के विचारों की सराहना की। वहीं दूसरी ओर ईरान समर्थित लेबनानी समूह हिजबुल्ला ने कहा कि लाल सागर में अमेरिकी दखल से सभी जहाजों की सुरक्षा को नुकसान होगा, क्योंकि यह अब एक युद्ध क्षेत्र बन गया है, यमन के हूती विद्रोही अमेरिकी और ब्रिटिश हमलों के बावजूद भी हमले जारी रखेंगे, उन्होंने कहा कि लाल सागर अब लड़ाई, मिसाइलों, ड्रोन और युद्ध जहाजों का रंगमंच बन गया हैं और इसकी सुरक्षा में सेंध लग चुकी हैं।

कैनैडियन शिपींग संघ के सीईओ क्रिश हॉल ने मीडिया को बताया कि यह विलंभ देश में उत्पादों को और अधिक महंगा करेंगा, क्योंकि समय से आपूर्ति नहीं होने के कारण इस प्रकार की समस्याएं आम बात हैं जिसके लिए जल्द ही सरकार को इस मामले में उच्च स्तरीय दखल देना चाहिए जिससे भविष्य में होने वाली समस्याओं को जल्द से जल्द हल किया जा सके। उन्होंने यह भी माना कि विद्रोह के बढ़ने के कारण कई जहाजों को समय से डायवर्ट किया जा रहा हैं, जिसके कारण उनके परिवहन का खर्चा भी बढ़ रहा हें। जानकारों का यह भी मानना है कि यह प्रभाव मॉन्ट्रीयल और वेस्ट कोस्ट आदि क्षेत्रों के तटों पर भी प्रभाव ड़ालने लगा हैं।

मास्टरमाईन्ड ने निकाले अपने 272 कर्मचारी

टोरंटो। मास्टरमाईन्ड टॉयज ने अपनी टॉयज निर्माता यूनिट से 272 कर्मचारियों के निष्कासन की पुष्टि करते हुए बताया कि कंपनी का स्वामित्व बदलने के कारण यह समस्या उत्पन्न हो रही हैं। सूत्रों के अनुसार अभी तक बहुत बड़ी संख्या में कर्मचारियों का निष्कासन कंपनी के बदहाली का प्रमाण हैं। टॉय चैन का यह भी कहना है कि इससे पूर्व 232 कर्मचारियों को नए स्वामी द्वारा निष्कासन की पुष्टि में सहयोग देने की बात को स्वीकारा। इसमें उन 40 कर्मचारियों को नहीं गिना गया जो पहले से ही अस्थाई तौर पर कार्य कर रहे थे, और निष्कासन के बाद भी कंपनी ने निष्कासित कर्मचारियों की कोई भी सूचित जारी नहीं की गई हैं। सोमवार से कंपनी ने अपने उत्पादों को भी बेचना बंद कर दिया हैं। सोमवार को यूनिटी बंद करने की घोषणा के समय रिटेल लीडर डेविड लुई, जो मिमरन और फ्रैन्क रोचहेटी भी मौजूद थे। मिमरान ने अपने संबोधन में कहा कि यूनिटी के चैयरमेन बहुत अच्छी प्रकार से जानते हैं कि कैसे क्लब मोनाको की स्थापना हुई और आज डील के अंतर्गत अब उसे बंद करने की बात को स्वीकारा गया। उन्होंने यह भी माना कि अब समय आ गया हैं कि आधुनिक प्रकार के टॉयज, बुकस और नए यूनिक उत्पादों का निर्माण किया जाएं, इसके लिए वर्तमान में आधुनिक उत्पाद निर्माता यूनिटों की आवश्यकता हैं जिसके लिए पुरानी यूनिटों का बंद करना ही सबसे श्रेष्ठ उपाय हैं। गौरतलब है कि 619 मास्टरमाइंड कर्मचारियों में से उन नए कर्मचारियों को प्रस्ताव दे दिए गए हैं जिन्हें इस पद के लिए अच्छा कार्य करने के लिए योग्य समझा गया। जानकारों के अनुसार इस डील से पूर्व मास्टरमाईन्ड और यूनिटी ने अपनी चर्चा में 800 से अधिक कर्मचारियों को एकत्र कर लिया। मास्टरमाईन्ड ने इस घोषणा के पीछे आधुनिकता और कोविड-19 में अत्यधिक वित्तीय संकट उत्पन्न होने की बात को स्वीकारते हुए इसे बंद होने की संभावना पर मुहर लगाई।

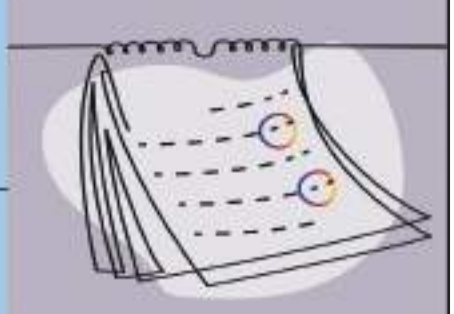

Published by
Hindi Abroad Media Inc.

Chief Editor
Ravi R. Pandey

Sr. News Editor
Firoz Khan

Team
Rahul, Shiv, Jayshree, Sam chopra

New Delhi Bureau
Rangnath Pandey
(Ex Chief Sub Editor-Navbharat Times, New Delhi)
Vijay Kumar Pandey

Designing
Vijay kumar

7071 Airport Road, Suite 204A
Mississauga, ON
Canada, L4T 4J3
Tel : 905-673-9929,
Fax 905-673-9114
E-mail :
editor@hindiabroad.com
Website :
www.hindiabroad.com

Disclaimer : The opinions expressed in Hindi Aborad may not be those of the publisher. Contents of this publication are covered by copyright and offenders will be prosecuted under the law.

911 के अनुचित प्रयोग पर वसूला जाएगा फाईन

गत 11 जनवरी को पील प्रांत काउन्सिल पर पेश किए प्रस्ताव को पारित करते हुए यह सुनिश्चित किया गया कि संबंधी प्रांतीय स्टाफ इस संबंध में प्रत्यक्ष रुप से वसूल सकता हैं फाईन

ब्रैम्पटन.राहुल

पील प्रांतीय काउन्सिल ने नववर्ष पर आयोजित गत 11 जनवरी की सभा में पेश किए प्रस्ताव को पारित करते हुए सुनिश्चित कर दिया हैं कि अब जो भी व्यक्ति 911 की आपातकालीन सेवा का अनुचित प्रयोग करता हैं तो उससे फाईन वसूला जाएंगा। इस संबंध में सबसे पहले ब्रैम्पटन मेयर पैट्रीक ब्राउन ने प्रस्ताव पेश करते हुए माना था कि पिछले कई महीनों से कई प्रकार के अनुचित कॉलस द्वारा 911 की सेवा का महत्व कम किया जा रहा हैं। प्रस्ताव के पारित होने पर मेयर सहित मिसिसॉगा की वार्ड 7 काउन्सिलर दीपिका दमरेला ने भी अपनी सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रस्ताव उत्तम हैं और इससे आपतिक सेवाओं में कोई अन्य व्यवधान नहीं पड़ेगा और इसके लिए सभी काउन्सिलरों ने अपनी रजामंदी दी जिसके लिए उनका धन्यवाद। ज्ञात हो कि ब्रैम्पटन मेयर पैट्रीक ब्राउन 2024 के आरंभ में ही एक्शन मूड में नजर आ रहे हैं, उनका यह मानना है कि गत कुछ माह से 911 पर आने वाले कई फाल्स कॉल को रोकने के लिए वे अनुचित कॉल करने वालों पर फाईन लगा सकते हैं। गत 28 दिसम्बर को आयोजित बैठक में पैट्रीक ब्राउन ने माना कि यह सुविधा लोगों की सुरक्षा के लिए बनाई गई हैं, इस सेवा के लिए कई लोग समय से पिजा डिलीवरी नहीं होने या टीवी पर चैनल नहीं आने की समस्याओं को लेकर भी कॉल कर रहे हैं जिसे देखते हुए इस संबंध में कुछ कड़े नियमों को पालन करना अनिवार्य हो गया हैं, इस सेवा को आग लगने से आपतिक समस्याओं के लिए सुनिश्चित किया गया था, बाद में इसे कई अन्य पुलिस सेवाओं के लिए भी चालू कर दिया गया, लेकिन अब लोग मामूली समस्याओं के कारण भी पुलिस को परेशान कर रहे हैं, जिसे रोकने के लिए इसे नियंत्रित करने की योजना बनाई गई हैं।

गत दिनों प्राप्त आंकड़ों में बताया गया कि प्रतिदिन इस नंबर पर 1800 से 1900 तक कॉलस आ रही हैं, जिसमें से 40 प्रतिशत कालस मिसयूज की श्रेणी में रखी गई हैं और वर्ष 2023 में इसमें और अधिक वृद्धि को देखते हुए इसे नियंत्रित करने के लिए लोगों में इस कॉल नंबर के प्रति जागरुकता फैलाने का कार्य किया जा रहा हैं।

मेयर ब्राउन ने बताया कि हमें लोगों को समझाना होगा कि इसका मिसयूज न करें और इस अनुचित प्रक्रिया में आने वाली श्रेणियों की भी विस्तृत व्याख्या करनी होगी।

पील पुलिस ने '911' के ताजा मिसयूज का उल्लेख किया

कॉलर ने अपने बैंक का फोन नंबर जानने के लिए किया 911 पर कॉल

टोरंटो। सिटी ऑफ पील प्रांत द्वारा गत दिनों '911' के मिसयूज पर फाईन की अधिकारिक घोषणा के बाद भी लोग इस नंबर पर अनुचित प्रकार की मांगों के लिए भी कॉल करने से बाज नहीं आ पा रहे, इसके ताजा उदाहरण के रुप में पुलिस ने मीडिया को बताया कि एक महिला ने इस नंबर पर कॉल करके यह पूछा कि उसके बैंक का नंबर क्या हैं, जिसे वह पिछले कई घंटों से ढूंढ रही हैं। बाद में महिला ने इस बात के लिए माफी भी मांगी, जब उसे समझाया गया कि 911 का यह कार्य नहीं, यह सेवा केवल आपतिक स्थितियों में पुलिस से मदद लेने के लिए बनाई गई हैं। पील प्रांत ने माना कि पिछले वर्ष इस नंबर पर कॉल करने वालों की संख्या में दोगुनी वृद्धि हुई, जिसमें अधिकतर फोन अकारण ही सामान्य परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए लोग पुलिस को परेशान कर रहे थे, जिसे रोकने के लिए पील प्रांत ने इस प्रकार के अनुचित कॉलस पर फाईन लगाने का निर्णय सुनिश्चित किया। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए ब्रैम्पटन के मेयर पैट्रीक ब्राउन ने मीडिया को बताया कि प्रतिदिन इस नंबर पर लगभग 1800 कॉलस आती हैं जिसमें से लगभग 720 कॉलस या इससे भी अधिक कॉलस अकारण ही आपतिक परेशानियां बनाकर प्रस्तुत की जाती हैं, जिसे रोकने के लिए यह

कदम उठाया गया और भविष्य में इसकी सफलता की कामना की जा रही हैं जिससे 911 पर कॉल करने का महत्व बना रहें और लोग इसकी गंभीरता को समझते हुए अन्य प्रयासों से इसे अलग करते हुए केवल वास्तविक आपतिक परिस्थितियों में ही इसका उपयोग करें, न कि टीवी नहीं चलने या फुटपाथ पर बच्चों द्वारा क्रिकेट खेलने जैसी समस्याओं के लिए भी वह 911 पर कॉल न करें।

ओंटेरियो, क्यूबेक के सैकड़ों सिवीलियन वर्कर्रस करेंगे हड़ताल

टोरंटो.विजय कुमार

सोमवार को इस संबंध में पुष्टि करते हुए पब्लिक सर्विस एलाईस ऑफ कैनेडा ने आगामी दिनों में हड़ताल करने की बात को स्वीकारा हैं। यूनियन का कहना है कि जल्द ही हड़ताल के लिए कंपनी तैयार रहें, केंद्रीय लोक सेवा एंजेंसी का कहना

है कि इस हड़ताल में अधिकतर कैनेडियन सैन्य बल के कर्मचारी शामिल होंगे, इनकी प्रमुख मांगों में राष्ट्रीय भुगतान बल के सदस्य और वर्तमान रोजगार की सुरक्षा हैं।

इस योजना के अंतर्गत कैनेडियन बल में विभिन्न प्रदेशों को शामिल किया गया हैं। इस मांग में विशेष रुप से औटवा, पेटावावा, किंगस्टॉन, वैलकार्टियर, मॉन्ट्रीयल सेंट-जीन और बागोटवीले आदि स्थानों के कर्मचारी शामिल हैं, यूनियन का यह भी कहना है कि गैर-लाभकारी संस्था के कर्मचारी को सरकार द्वारा ही कम भुगतान किया जा रहा हैं, जिसकी जांच करवारक इसे नियमित किया जाएं। इस सेवा में ये वर्कर्रस फूड डिलीवरी, रिक्रीएशन, कम्युनिटी और वित्तीय योजनाओं की सेवाओं में शामिल हैं। इस विषय पर अधिक जानकारी देता हुआ कैनेडियन फोर्सेस मॉराल और वेल्फेयर सर्विसस के कर्मचारी जो गैर-लाभकारी फंडस वर्कर्रस के साथ कार्य कर रहे हैं। इस मांग में उनका यह भी कहना है कि कुछ स्थितियों में फैक्लीटि के घंटों को कम किया जाएं या गैर-महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को भी पुनः अनुसूचित किया जाएं, जिससे कर्मचारियों पर बढ़ते भार को कम किया जा सके। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता हैं कि कर्मचारियों के बढ़ते बोझ को योजना बनाकर कम किया जाएं। वहीं मामले की गंभीरता को समझते हुए सीएफएमडब्ल्यूएस ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि इसके लिए दोनों पार्टियों को मिलकर स्पष्ट चर्चा कर लेनी चाहिए और मामलों को जल्द से जल्द सुलझा लेना चाहिए, जिससे कैनेडियन सैन्य बल को अन्य किसी प्रकार की सेवा हेतु परेशानियां नहीं झेलनी पड़ सके।

अलबर्टा एनडीपी नेता राचेल नोटली ने इस्तीफा दिया, विधायक के रूप में काम जारी रखेंगी

अलबर्टा। 2015 में प्रांत की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को सत्ता में लाकर अल्बर्टा में 43 साल के कंजर्वेटिव शासन को उलट देने वाली अलबर्टा एनडीपी नेता राचेल नोटली ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। हालांकि वह विधायक के रूप में काम करना जारी रखेंगी।

उन्होंने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जब तक पार्टी किसी प्रतिस्थापन का चयन नहीं कर लेती तब तक वह पद पर बनी रहेंगी और संघीय स्तर पर निर्वाचित राजनीति को आगे बढ़ाने की उनकी कोई योजना नहीं है। अभी के लिए, उन्होंने कहा, वह एडमोंटन-स्ट्रैथकोना की राइडिंग के लिए विधायक के रूप में काम करना जारी रखेंगी। आपको बता दें कि यह सीट 2008 से उनके पास है, जिससे वह अल्बर्टा की विधायिका की सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली वर्तमान सदस्य बन जाएंगी। उन्होंने अगले चुनाव में फिर से अपनी सीट के लिए चुनाव लड़ने से इंकार नहीं किया।

सुश्री नॉटली ने एक ऐसे प्रांत में मतदाताओं के लिए एनडीपी के रूप में प्रतिस्पर्धी और एकजुट विकल्प दिया, जो कंजर्वेटिव्स राजनेताओं के प्रति गहरी भक्ति के लिए जाना जाता है। उन्होंने प्रीमियर के रूप में सिर्फ एक कार्यकाल पूरा किया, लेकिन उनके चार साल बिना किसी उल्लेखनीय राजनीतिक घोटाले या आंतरिक विद्रोह के समाप्त हो गए। वह कैनेडा में सबसे अधिक पहचानी जाने वाली

राजनीतिक हस्तियों में से एक हैं। प्रीमियर के रूप में, वह अक्सर देश भर में अपने प्रोग्रेसिव सहयोगियों के साथ झगड़ती रहती थीं।

एनडीपी के 2023 के प्रांतीय चुनाव में यूनाइटेड कंजर्वेटिव पार्टी और उसके नेता डेनिएल स्मिथ से हारने के बाद उनके इस्तीफे का अनुमान लगाया जा रहा था। सुश्री नॉटली और एनडीपी 2019 का चुनाव भी यूसीपी से हार गए थे, जिसका नेतृत्व उस समय जेसन केनी ने किया था। लगातार हार के कारण सुश्री नॉटली के लिए पार्टी में बने रहना राजनीतिक रूप से कठिन हो गया, बावजूद इसके कि उन्हें अपनी पार्टी में सम्मान प्राप्त है।

हालाँकि अलबर्टा एनडीपी पिछले साल का चुनाव हार गई थी, फिर भी उसने एडमोंटन पर कब्ज़ा कर लिया, कैलगरी में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की और अलबर्टा के इतिहास में सबसे बड़ा आधिकारिक विपक्ष बन गया।

सुश्री नोटली ने कहा,÷लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। और इसीलिए अब मेरे जाने का समय आ गया है।÷

÷अगर कोई एक उपलब्धि है जिसे मैं अपने पीछे छोड़ सकती हूं, तो वह यह है कि हम एक-पार्टी वाला प्रांत नहीं हैं जहां अल्बर्टावासियों के पास कोई वास्तविक विकल्प नहीं है कि उनका प्रांत कैसे चलाया जाए।÷

गौरतलब है कि सुश्री नॉटली को बदलने की दौड़ पहले से ही चल रही है, हालांकि पार्टी ने अभी तक आधिकारिक तौर पर नेतृत्व प्रतियोगिता की घोषणा नहीं की है। नेता पद के संभावित उम्मीदवारों में कैलगरी विधायक कैथलीन गैनली शामिल हैं, जो पहले प्रांतीय न्याय मंत्री के रूप में कार्यरत थीं; सारा हॉफमैन, एक एडमॉन्टन विधायक और सुश्री नॉटली की उपनेता, जो पहले स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्यरत थीं; और राखी पंचोली, जो एडमॉन्टन से पहली बार विधायक बनीं। अल्बर्टा फेडरेशन ऑफ लेबर के अध्यक्ष गिल मैकगोवन एक अन्य संभावित उम्मीदवार हैं।

हालांकि सुश्री नोटली ने कहा है कि वह किसी भी उम्मीदवार का समर्थन नहीं करेंगी।

वह एनडीपी की राजनीति के बीच बड़ी हुई। उनके पिता, ग्रांट नॉटली, 1968 और 1984 के बीच प्रांत के एनडीपी नेता के रूप में कार्यरत थे, जब एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। सुश्री नॉटली उस समय 20 वर्ष की थीं।

अलबर्टा की वर्तमान प्रीमियर सुश्री स्मिथ ने सुश्री नोटली को उनकी वर्षों की सेवा के लिए धन्यवाद दिया।

सुश्री स्मिथ ने एक सोशल-मीडिया पोस्ट में कहा, ÷प्रीमियर के रूप में सेवा करना एक बेहद डिमांडिंग काम है, और उन्होंने उस कार्यालय में अपने दिवंगत पिता की याद दिलाते हुए सम्मान और गरिमा के साथ सेवा की जो एक और सम्माननीय और वफादार अल्बर्टन और सार्वजनिक सेवक थे। अल्बर्टा की पर्यावरणीय प्रगति को आर्थिक गतिविधियों के साथ संतुलित करने की सुश्री नोटली की कोशिशों के कारण उनका अक्सर फेडरल एनडीपी के नेता जगमीत सिंह से टकराव होता था।

सस्केटचवन हत्याकांड जांच के दूसरे दिन भी कई सवाल रहें अनसुलझें?

टोरंटो। आरसीएमपी ने सस्केटचवन हत्याकांड की जांच के दूसरे दिन भी माना कि अभी भी कई ऐसे प्रशनों के जवाब जानना शेष हैं जिनसे यह केस बहुत अधिक प्रभावित हो सकता हैं। सोमवार को आरंभ हुई इस जांच में प्रमुख स्टाफ सदस्य रॉबितन जेनटनर ने माना कि अन्य माउन्टीज के साथ कई अनसुलझे प्रशनों के जवाब ढूंढे जाएंगे, ज्ञात हो कि इस हत्याकांड में माइल्स सैन्डरसन ने अपने भाई डैमीयन सैन्डरसन के साथ मिलकर इस हत्याकांड को पूरा किया। जांच में यह भी पाया गया कि डैमीयन ने अपनी पत्नी को इस हत्याकांड से पूर्व एक टैक्स मैसेज भेजकर यह कहा था कि वह मरने के लिए तैयार हैं। ज्ञात हो कि घटना वेडन गांव के निकट और जैम्स स्मिथ क्री नेशन में हुई, जांच में लगी ज्यूरी का यह मानना है कि इस जांच में यह देखा जाएंगा कि इस प्रकार की घटना के पीछे का क्या कारण हैं? और वास्तव में क्या हुआ और कब-कब इन हमलावरों ने निर्दोष स्थानीय लोगों को क्षति पहुंचाई। जैम्स स्मिथ क्री नेशन प्रमुख वैली बर्नस ने पत्रकारों को बताया कि घटना के इतने दिनों बाद भी स्थानीय लोग मानसिक आघात का शिकार बने हुए हैं, वहीं सस्केचवन कॉरोनरस सर्विस का यह भी कहना है कि जांच से पूर्व छः लोगों को संदिग्धता के घेरे में लिया गया, जिनसे दो सप्ताह तक गहन जांच के बाद ही कोई निर्णय निकाला गया।

प्रमुख का यह भी कहना था कि इस जांच को पूर्ण रुप से पारदर्शी रखा जाएं और किसी भी प्रकार की संदिग्धता नहीं होनी चाहिए जिससे जनता का विश्वास बना रहे और वे इस जांच पर पूर्ण विश्वास कर सके। जांचकर्त्ताओं द्वारा ने यह भी कहा कि माइल्स सैन्डसन की मृत्यु के पीछे भी कई सवाल अभी तक नहीं सुलझ पाएं हैं, सामाजिक संगठनों का यह भी मानना है कि जेल में गिरफ्तार कैदी की मृत्यु कैसे हो गई, इस बारे में कई विवादास्पद घटनाओं का जिक्र किया जा रहा हैं। परिवारिक सूत्रों ने यह भी बताया कि माइल्स कुछ दिन पूर्व ही कुछ अवैध ड्रग्स बाजार में बेचकर आया था, जिसके कारण उसका अपने बच्चों और उनकी मां के साथ एक बड़ा झगड़ा भी हुआ था, माइल्स की पत्नी कई बार ऐसा कहती थी कि वह माइल्स को किसी बड़ी आफत में जल्द ही फंसाएंगी, लेकिन इस बारे में अब कोई स्पष्टीकरण नहीं दे पा रहा हैं।

वहीं आरसीएमपी ने यह भी माना कि उसकी मृत्यु अधिक मात्रा में नशीला पदार्थ लेने के कारण हुई थी, जिसके लिए उसने पहले ही अपने परिवार को सूचित किया था, पुलिस का यह भी कहना है कि जांच में सैन्डरसन अपने आपको बिल्कुल अकेला देखता था, इसलिए उसने अपनी जीवन लीला स्वयं ही समाप्त करने का मन बनाते हुए अंत में अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

जानकारों का यह भी कहना है कि अभी भी देश में फर्स्ट नेशन, आदिवासी समूह आदि निवासी महिलाओं के विकास में संतुष्ट नजर नहीं आते, इसलिए अब समय आ गया हैं कि उन्हें इसके प्रति जागरुक किया जाएं, जिससे भविष्य में इस प्रकार की समस्याओं का जन्म ही न हो पाएं।

कैनेडा में रहना दक्षिण एशियन व्यापारियों के लिए खतरे से कम नहीं

ब्रैम्पटन और सरे के मेयर बोले - निशाना बनाकर हो रहे हमले

मिसिसॉगा। कैनेडा में दक्षिण एशियन व्यापारियों पर हिंसात्मक हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। भारतीय और दक्षिण एशियाई व्यापारिक समुदायों को जबरन वसूली की धमकियां मिल रही है। इस खतरे पर अब कैनेडा के ब्रैम्पटन और सरे के मेयरों ने चिंता जताई है। ब्रैम्पटन व सरे, बी.सी. के मेयरों ने केंद्र सरकार को राज्यों में दक्षिण एशियाई व्यापारियों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता जताते हुए जल्द ही कोई उचित प्रबंध करने की अपील की हैं।

कैनेडा के लोक सुरक्षा मंत्री डोमीनिक लेब्लानेक को लिखे पत्र में ब्रैम्पटन मेयर पैट्रीक ब्राउन और सुरी मेयर ब्रैन्डा लोके ने कहा कि गत दिनों उनके क्षेत्रों में रह रहे दक्षिण एशियाई व्यापारियों को विशेष तौर पर निशाना बनाते हुए हमले किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में भय का वातावरण व्याप्त होता जा रहा हैं।

इस मामले में रॉयल कैनेडियन माउन्टेड पुलिस (आरसीएमपी) और स्थानीय पुलिस विभाग जिसमें पील प्रांतीय पुलिस भी शामिल हैं को भी पत्र लिखा गया कि वे इस विषय पर ध्यान देते हुए उचित योजनाएं बनाकर कार्य करें। आंकड़ों के अनुसार गत कुछ दिनों में ही इस प्रकार की 16 घटनाएं देखने को मिली जिसमें केवल

दक्षिण एशियाई व्यापारियों को ही निशाना बनाया गया। पुलिस के अनुसार भी यह माना गया कि अधिकतर अपराधी व्यापारिक पीड़ितों से सोशल मीडिया पर मिलें और उनसे वसूली की मांग करते हुए उन्हें धमकाया, जिससे अपराधी की वास्तविक पहचान करने में परेशानी हो रही हैं, लेकिन फिर भी संदिग्धों की खोज की जा रही हैं। इस बारे में संबंधित मंत्रालय से भी उचित मदद ली जाएंगी, आरसीएमपी का यह भी मानना है कि इस संबंध में सभी संबंधित संसाधनों और जांच एजेंसियों की मदद ली जाएंगी, जिससे मामले को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएं।

कैनेडा में भारतीय और दक्षिण एशियाई व्यापारिक समुदायों को जबरन वसूली की धमकियां मिल रही है। इस खतरे पर अब ब्रैम्पटन और सरे के मेयरों ने चिंता जताई है। दोनों मेयरों ने सरकार से इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। इसी के साथ सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक को एक पत्र भी लिखा गया है।

हिंसक घटनाओं को लेकर सरकार को पत्र :

दोनों मेयरों ने सरकार से इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ब्रैम्पटन के मेयर पैट्रिक ब्राउन और सरे के मेयर ब्रेंडा लॉक ने इस सप्ताह कनाडा के सुरक्षा मंत्री डोमिनिक लेब्लांक को लिखे एक पत्र में जबरन वसूली के प्रयासों और गोलीबारी समेत हिंसक घटनाओं की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता जताई है।

दक्षिण एशियाई लोगों को बनाया जा रहा निशाना :

मोयर ने पत्र में लिखा कि दक्षिण एशियाई व्यापार समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाकर ये हमले किए जा रहे हैं। मेयर्स ने कहा कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) और पील क्षेत्रीय पुलिस सहित स्थानीय पुलिस विभागों ने भी स्थिति की गंभीरता को स्वीकारा है।

सोशल मीडिया से देते हैं धमकी :

पील पुलिस ने हाल ही में एक्सटॉर्शन इन्वेस्टिगेटिव टास्क फोर्स लॉन्च की है, जो अब जबरन वसूली की 16 घटनाओं से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रही है।

पुलिस ने कहा कि संदिग्ध अक्सर पीड़ित के नाम के साथ-साथ उनके फोन नंबर, पते और व्यावसायिक जानकारी को जानते हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे संपर्क करते हैं और हिंसा की धमकी देकर पैसे की मांग करते हैं।

इसराइल और नरसंहार पर संयुक्त राष्ट्र अदालत के फैसले की प्रतीक्षा कर रहा है कैनेडा : पीएम

ओटावा। प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को कहा कि कैनेडा अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का समर्थन करता है और इजराइल के खिलाफ नरसंहार के आरोप पर विचार-विमर्श कर रहा है और सावधानीपूर्वक नजर रख रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कैनेडा इस आरोप से सहमत है या नहीं, या फिर अगर इस्त्राइल को नरसंहार का दोषी पाया जाता है तो कैनेडा अदालत के फैसले को मान्यता देगा या नहीं। ट्रूडो ने न्यू ब्रंसविक में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷मैं इस पर टिप्पणी नहीं करने जा रहा हूं कि जिस प्रक्रिया का हम समर्थन करते हैं, उसका अंतिम निष्कर्ष क्या हो सकता है। आपको बता दें कि दक्षिण अफ्रीका द्वारा गाजा क्षेत्र में इजरायल पर युद्ध अपराधों का आरोप लगाए जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च अदालत ने पिछले सप्ताह दो दिनों की सार्वजनिक सुनवाई की। दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि वह अक्टूबर में इज़राइल में क्रूर हमले के लिए हमास की निंदा करता है, लेकिन गाजा में इज़राइल की प्रतिक्रिया के पैमाने का कोई औचित्य नहीं है। इसने अदालत से इजराइल को फिलिस्तीनी क्षेत्र पर हमले बंद

करने का आदेश देने को कहा है। वहीं इज़राइल ने नरसंहार के दावे को सिरे से खारिज कर दिया और अदालत में तर्क दिया कि दक्षिण अफ्रीका का दावा ÷विकृत÷ है और उसे हमास के खिलाफ अपना बचाव करने का अधिकार है। बुधवार को, फ्रांस और कतर की मध्यस्थता से हुए एक समझौते में, बंधकों और फिलिस्तीनियों दोनों के लिए गाजा में दवा की खेप पहुंचाई गई। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय, जो हमास द्वारा संचालित है, का कहना है कि अब तक इस संघर्ष में क्षेत्र के 24,000 से अधिक लोग मारे गए हैं।

डेनमार्क में दूत बनेंगी पूर्व कैबिनेट मंत्री कैरोलिन बेनेट

ओटावा। एक वरिष्ठ सरकारी सूत्र के अनुसार, पूर्व मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन मंत्री कैरोलिन बेनेट डेनमार्क में अगली राजदूत बनने के लिए तैयार हैं। नाम न छापने की शर्त पर सूत्र ने कहा, इस सप्ताह उनकी नियुक्ति की घोषणा की जा सकती है। बेनेट, जिन्हें पिछली गर्मियों में यह घोषणा करने के बाद कैबिनेट से हटा दिया गया था कि वह दोबारा चुनाव नहीं लड़ेंगी, उन्होंने अभी तक आधिकारिक तौर पर टोरंटो-सेंट पॉल के सांसद के रूप में पद नहीं छोड़ा है। वह 1997 से इस राइडिंग के लिए लिबरल सांसद रही हैं, लेकिन उन्होंने पिछले महीने घोषणा की कि वह इस्तीफा दे देंगी और 12 दिसंबर को हाउस ऑफ कॉमन्स में अपना विदाई भाषण दिया। सूत्र ने कहा, बेनेट की विदाई आधिकारिक होते ही राजनयिक नियुक्ति आगे बढ़ सकती है। बेनेट और उनके कार्यालय ने इस संबंध में अभी तक कोई बयान या टिप्पणी जारी नहीं की है। आपको बता दें कि कोपेनहेगन में कैनेडा के वर्तमान राजदूत डेनिस रॉबर्ट हैं, जो 2021 से इस भूमिका में हैं। बेनेट हाल ही में मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन

(मानसिक स्वास्थ्य और व्यसन) मंत्री थीं। इस पद पर वह लगभग दो वर्षों तक रहीं। इससे पहले उन्होंने क्राउन-स्वदेशी संबंध मंत्री के रूप में लगभग छह साल बिताए थे। उन्होंने कैनेडा की पहली सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री के रूप में, पॉल मार्टिन की लिबरल सरकार में मंत्री के रूप में भी कार्य किया। राजनीति में प्रवेश करने से पहले, बेनेट टोरंटो में एक पारिवारिक डॉक्टर थी।

दीपिका दमेरला मिसिसॉगा मेयर पद चुनावों में शामिल

मिसिसॉगा.जयश्री

बोनी क्रोम्बी के स्थान नए मेयर की दौड़ और अधिक दिलचस्प होती जा रही हैं, अब इसमें दो अन्य काउन्सिलरों के साथ-साथ एक तीसरे दांवेदार ने भी अपनी पुष्टि जाहिर करते हुए घोषणा कर दी हैं। वार्ड 7 की काउन्सिलर दीपिका दमेरला ने आगामी उपचुनावों के लिए अपनी प्रतिभागिता की इच्छा जाहिर करते हुए सार्वजनिक रुप से इस बारे में घोषणा करते हुए कहा कि वह भी इस चुनाव में भाग ले सकती हैं। ज्ञात हो कि इस बार सिटी में तीन उपचुनाव सुनिश्चित किए जा रहे हैं। दमेरला की टीम के वरिष्ठ सदस्य अलीम कांजी ने मीडिया को बताया कि वार्ड 7 काउन्सिलर इस पद के लिए एक प्रबल दांवेदार के रुप में साबित हो सकती हैं, जिसके लिए उनके मित्रों और परिजनों के प्रोत्साहन पर वे इस चुनाव में शामिल होंगी। उनका यह भी कहना है कि दीपिका हमेशा से ही अपने विशेष मुद्दों के लिए चर्चा में रही हैं। कांजी ने मीडिया को यह भी बताया कि उनकी राजनैतिक नीतियों और कैनेडियन नेशनल फायरवर्क्स एसोसिएशन में कारगर भूमिका के कारण वे सिटी ऑफ मिसिसॉगा में सुर्खियों में रही हैं, इसके अलावा उन्होंने टॉम एलीसन के साथ भी विशेष कार्य किया हैं, दीपिका सबसे पहले वर्ष 2018 में वार्ड 7 के लिए चुनी गई और उसके उपरांत 2022 में भी जनता ने इन्हें फिर से कार्य करने का अवसर प्रदान किया, वर्ष 2018 में इन्होंने खादि रशीद को हराकर एक नए चेहरे के रुप में वार्ड 7 की कार्य योजना में अपना कदम रखा था।

क्रोम्बी के अधिकारिक तौर पर इस्तीफा देने की घोषणा के बाद ही इस पद पर चुनाव लड़ने वालों की अटकलें लगाई जाने लगी। सूत्रों के अनुसार वार्ड 1 के काउन्सिलर स्टीफन देशको और वार्ड 5 के काउन्सिलर कारोलयन पैरीस भी इस पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। इस संबंध में अभी तक नियमों का उल्लेख नहीं किया गया हैं, चुनावी प्रक्रिया के लिए पैरीस ने वार्ड 5 के प्रतिनिधित्व से इस्तीफा भी दे दिया हैं। लेकिन अभी इस संबंध में कोई भी अधिकारिक उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई हैं और न ही नामांकन की तिथियां भी सुनिश्चित की गई हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के मेयर उपचुनावों में मेयर क्रोम्बी से हारने वाले डेविड शॉ उनसे 75000 वोटों से पीछे थे, इसलिए यह भी माना जा रहा हैं कि यदि वे इस बार भी इस उपचुनाव में शामिल होते हैं तो जीत सकते हैं, वहीं जॉर्ज तावारेस को 5600 से अधिक वोट मिले थे जोकि पिछले चुनाव में तीसरे स्थान पर रहे, उनके द्वारा चुनाव में दोबारा शामिल होने की भी प्रबल संभावना लगाई जा रही हैं। क्रोम्बी के इस्तीफे के बाद 17 जनवरी से उनके पद को अधिकारिक रुप से रिक्त घोषणा कर दिया जाएंगा, जिसके बाद ही चुनावी प्रक्रिया आरंभ हो जाएंगी।

सिटी के सामने अन्य संकटों के अलावा इस समय शहर में बढ़ती कार चोरियों को नियंत्रित करना सबसे बड़ा कार्य साबित हो रहा हैं? जानकारों के अनुसार मिसिसॉगा और ब्रैम्पटन में वर्ष 2023 में सबसे अधिक कार चोरियों की रिपोर्ट दर्ज की गई, शहर में केवल 31 अक्टूबर तक चोरियों का आंकड़ा 6,821 तक पहुंच गया हैं, जबकि वर्ष 2019 में यह संख्या केवल 3,062 थी, जिसका अर्थ यह हुआ कि केवल चार वर्षों में यह संख्या डबल हो गई हैं, पील प्रांतीय पुलिस की रिपोर्ट में भी माना गया कि वर्ष 2022 की तुलना में यह चोरियां इस वर्ष और अधिक बढ़ी हैं, विशेष तौर पर पिछले 10 वर्षों में इसकी स्थिति बद से बदतर हो गई हैं। सिटी ने शहर की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए 14 प्रतिशत की वृद्धि को भी पारित किया हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रांतीय सुरक्षा और ऑटो चोरियों को सीमित करना हैं।

नई कम्युनिटी के रुप में विकसित होगा कूकसवील

वार्ड 7 की काउन्सिलर दीपिका दमरेला ने अपने ताजा बयान में यह सुनिश्चित किया कि जल्द ही कूकसवील में एक नए समाज की स्थापना संबंधी कार्य योजना को पूरा कर लिया जाएंगा। कूकसवीले के नागरिक स्वयं को एक पृथक नए एतिहासिक समाज के रुप में स्थापित करने की घोषणा करेंगे, इसके लिए आगामी 1 फरवरी को सायं 7 बजे फाउन्डिंग मीटिंग का आयोजन मिसिसॉगा सिटी हॉल में किया गया हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गत 10 जनवरी को सिटी की मीटिंग में इस संबंध में 28 लोगों ने अपनी इच्छा की अभिव्यक्ति दर्ज करवाकर एक नई सोसाइटी की स्थापना के लिए अपील की थी। उन्होनें यह भी बताया कि कूकसवीले की नई पहचान के लिए यह कदम उठाया गया हैं, जिसकी पहचान ''द हंगर'' के रुप में की जाती थी, इस प्रांत का नाम जैकॉब कूक के जन्म के बाद रखा गया, जिन्होंने यहां डाक व्यवस्था और परिवहन सेवाएं आरंभ की थी। इस क्षेत्र की स्थापना 19वीं सदी के प्रारंभ में की गई थी, जिसका 1852 में भयंकर आग के दौरान काफी हिस्सा जलकर राख हो गया था, जिसमें 35 से अधिक घर और व्यापारिक संस्थाएं शामिल हैं। यहां 16 बार्नस और चार स्टेबलस भी हैं। कूकसवीले की जनसंख्या अन्य नेशनों से अधिक हैं जिसके लिए अब इस क्षेत्र के विकास और परिवहन परियोजनाओं से जोड़ने के लिए इसे अलग क्षेत्र के रुप में विकसित करने पर विचार किया गया हैं।

हिन्दी Abroad

SUBSCRIPTION FORM

सब्सक्रिप्शन फार्म

प्रिय पाठकों

कैनेडा का सर्वश्रेष्ठ हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र 'हिन्दी अब्रॉड' की प्रति अब आप घर बैठे ही मंगवा सकते हैं। प्रति मंगवाने के लिए इस फार्म को भरकर और चैक लगाकर भेजे दें।

नाम :- .....

पता :- .....

सिटी :- ..... पोस्टल कोड .....

दूरभाष :- ..... सैल फोन .....

ई-मेल :- .....

मैं हिन्दी अब्रॉड को सब्स्क्राइब करना चाहता/चाहती हूं

(हस्ताक्षर)

अब...
हिन्दी अब्रॉड
घर बैठे पाएं
सिर्फ
$150
में पूरे साल

7071 Airport Road, Suite 204A Mississauga, ON Canada. L4T 4J3
Tel : 905-673-9929, Fax 905-673-9114
E-mail : editor@hindiabroad.com
Web : wwwhindiabroad.com

GUPTA ACCOUNTING OFFICE

SERVICES PROVIDED

- Accounting for Truck Drivers, Owner Operators & Brokers
- Accounting for Real Estate Agents & Brokers
- Accounting for Franchise Restaurant Businesses
- Accounting for Investment, Commercial & Rental Properties
- General Accounting & Bookkeeping Services
- HST, WSIB, EHT & Payroll Tax Returns
- Compilation of Financial Statements
- Business & Personal Tax Returns
- Business Registrations & Audits

www.surajgupta.ca
suraj@surajgupta.ca

SURAJ GUPTA CPA
PROFESSIONAL CORPORATION
TEL : 905-677-1334

2355 Derry Road East, Suite 33 (2nd Floor)
Mississauga, Ontario, L5S 1V6 (Derry/Torbram)

टोरंटो पुलिस 'चुनिंदा' प्रदर्शनकारियों को ही परेशान कर रही हैं : ग्रुप

टोरंटो। देश के प्रख्यात ग्रुप एगलिनटन-लॉरेन्स एंड डॉन वैली 4 फिलीस्तीन ने टोरंटो पुलिस पर आरोप लगाते हुए अपने ताजा बयान में कहा कि पुलिस केवल कुछ 'चुनिंदा' लोगों को ही अपना निशाना बना रही हैं, सोमवार को जारी अपने बयान में संगठन ने यह माना कि शनिवार को टोरंटो हाईवे ओवरपास पर उनके साथ सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने इस भयानक युद्ध को समाप्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन किया था, लेकिन पुलिस ने कुछ लोगों पर ही अपना गुस्सा उतारा। उन्होंने यह भी माना कि कैनेडा एक लोकतांत्रिक देश हैं और यहां जनता को कहीं भी अपनी बात रखने का पूर्ण अधिकार हैं, इसके लिए वे स्वतंत्र हैं, लेकिन पुलिस ने उनके प्रदर्शन को रोकने के लिए हिंसा का सहारा लिया और उनके कई सदस्यों के साथ मार-पीट भी की, जिसका वे पुरजोर विरोध करते हैं। ग्रुप का यह भी कहना है कि

इस प्रकार से आयोजक सदस्यों व उनके मित्रों के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार स्वीकार्य नहीं होगा, इसके लिए दोषी पुलिस अधिकारियों पर अवश्य कार्यवाही होनी चाहिए।

वहीं दूसरी ओर पुलिस ने अपनी सफाई में देते हुए कहा कि ये प्रदर्शनकारी बीच सड़क पर हवा में बैनरस और झंडे लहराते हैं जिससे अन्य यात्रियों को बहुत अधिक परेशानी उठानी पडती हैं। उपस्थित लोगों का भी मानना है कि असमय उपस्थित प्रदर्शनकारियों के कारण कई बार घंटों तक जाम का सामना भी करना पड़ता हैं, जिसके कारण स्वयं कई लोग मुसीबत में पड़ जाते हैं। यहीं नहीं गत 6 जनवरी को इस प्रदर्शन के कारण एक पुलिस अधिकारी को बहुत अधिक शर्मीन्दा सहन पड़ें, उनसे सार्वजनिक रुप से मांग मंगवाई गई तो भविष्य में इस प्रकार से नियमों के उल्लंघन को अपनाने के लिए भी सलाह दी गई। गौरतलब है कि पिछले दिनों टोरंटो के एक पुलिस अधिकारी ने कुछ प्रदर्शनकारियों को कॉफी और डूनटस सर्व किया, जोकि किसी भी रुप में नियमों की अवहेलना हैं, ये प्रदर्शन कारी फिलीस्तिनीयों के समर्थन में युद्ध रोकने की मांग को लेकर धरने पर बैठे हुए थे।

पिछले कई सप्ताह से हाईवे 401 के निकट एवैन्यू रोड़ पर इन प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर एक धरना-प्रदर्शन आयोजित कर रखा हैं, जिसमें एक वायरल वीडियो के माध्यम में यह दिखाया गया कि पुलिस कर्मी ने प्रदर्शनकारियों के समर्थन में आकर उन्हें कॉफी और खोने के लिए डूनटस आदि दिया, जोकि ड्यूटी पर तैनात अधिकारी के लिए नियमों का उल्लंघन हैं, जब अधिकारी से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया तो उसने सार्वजनिक तौर पर माफी मांगते हुए इस प्रकार के कार्य को दोबारा नहीं करने की बात को स्वीकारा।

मेयर के चुनावों में सबसे आगे मिसिसॉगा के काउन्सिलरस

मिसिसॉगा.शेजल

पूर्व मेयर बोनी क्रोम्बी के स्थान पर होने वाले उपचुनावों की तैयारियां आरंभ हो गई हैं, इसके लिए सोमवार को करवाएं गए ताजा सर्वे में यह पाया कि सिटी के लिए नए मेयर के रुप में मतदाताओं को सिटी के काउन्सिलरस ही पसंद हैं।

आरंभिक लियाइसन स्ट्रेटीज पोल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सिटी ऑफ मिसिसॉगा के नए मेयर के रुप में लोगों की पहली पसंद वार्ड 5 के काउन्सिलर कारोलयन पैरीस हैं जबकि दूसरे स्थान पर वार्ड 7 की काउन्सिलर दीपिका दमेरला मानी जा रही हैं। पोल के अनुसार इस सर्वे में 983 मतदाताओं का परामर्श मांग गया था, जिसमें उनसे पूछा गया कि पैरीस, दमेरला के साथ-साथ मिसिसॉगा काउन्सिलर अल्वीन तेडजो और स्टीफन डेशको भी मैदान में हैं। इसके अलावा पूर्व नगरपालिका चुनाव के उम्मीदवार जॉर्ज तावोरेस, क्रिस्टीयन सिमुन्डसन और डेविड शॉ भी शामिल हैं। इस सर्वे में जहां पैरीस को 35 प्रतिशत लोगों ने चुना, वहीं दमेरला को 24 प्रतिशत ने मेयर के रुप में अपनी पसंद बताई। संस्था ने इस पोल को गत 10 और 11 जनवरी को आयोजित किया था, जिसमें नाममात्र त्रुटि के अलावा सभी तथ्य वास्तविकता के आधार पर दर्ज किए गए हैं। ज्ञात हो कि प्रत्येक बार लियाइसन द्वारा किए गए चुनावी सर्वे में कोई त्रुटि नहीं आई हैं। मिसिसॉगा के आगामी मेयर उपचुनाव से पूर्व इस प्रकार के सर्वे आयोजित किए जाते हैं।

दिसम्बर में गर्मी व सर्दी दोनों मौसम का आनंद लिया कैनेडियन्स ने : पोल

टोरंटो। देश की प्रख्यात ऑनलाईन पोल एजेंसी लेजर पोल ने अपनी ताजा रिपोर्ट में माना कि गत दिसम्बर में देश का सबसे गर्म दिसम्बर जहां एक ओर लोगों को आकर्षित कर रहा था, वहीं दूसरी ओर बिगड़ते प्राकृतिक परिवर्तन से चिंता भी उत्पन्न हो रही थी। लेजर द्वारा किए गए ऑनलाईन सर्वे में लगभग 1500 कैनेडियनस से गर्म दिसम्बर पर अपनी राय पूछी गई जिसमें 81 प्रतिशत लोगों ने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार दिसम्बर के होलीडेज बिना बर्फबारी के बिताएं, और मीठी-मीठी ठंड का मजा भी लिया, जबकि गत वर्षों में अत्यधिक ठंड के कारण वे बाहरी परिसरों में किसी भी प्रकार का कोई आनंद नहीं ले सकते थे, लेकिन इस बार बदलाव देखने को मिला, जिससे उनका मन प्रसन्न हैं।

लेकिन इसके साथ-साथ दो तिहाई आबादी का मानना था कि ठंड के महीनों में गर्मी का होना किसी बड़े प्राकृतिक बदलाव की ओर इशारा कर रहा हैं, जोकि आगामी पर्यावरण कार्यों के लिए किसी खतरे से कम नहीं। वहीं 60 प्रतिशत कैनेडियनस ने यह भी माना कि देश में अधिक गर्मी बढ़ने से जंगल की आग को शांत करने में मदद नहीं मिल सकेगी और आगामी गर्मी में वे पुनः शीघ्रता से फैल सकती हैं। लेजर के उपाध्यक्ष क्रिस्टीयन बारक्यू ने माना कि इस समय बदलते मौसम के कारण अधिक कैनेडियनस पर प्रभाव नहीं पड़ा हैं, लेकिन यह अवश्य माना कि आने वाले सालों में यह देश के लिए बड़ा जोखिम साबित हो सकता हैं।

लेजर ने गत 12 जनवरी से 14 जनवरी के मध्य यह ऑनलाईन सर्वे किया जिसमें लगभग 1530 कैनेडियनस ने अपनी प्रतिभागिता को सुनिश्चित किया। इस सर्वे में मानवीय त्रुटियां न के बराबर होती हैं, जिससे यह स्पष्ट हो रहा हैं कि अगले कुछ वर्षों में भी यदि दिसम्बर गर्म रहता है तो यह कैनेडा के भविष्य के लिए जोखिमभरा साबित होगा।

जॉर्डन्स प्रिंसीपल को लागू करने में असफल रहा कैनेडा : केयरिंग सोसाईटी

टोरंटो। फर्स्ट नेशनस चाइल्ड एंड फैमिली केयरिंग सोसाईटी ने दावां किया कि जॉर्डन'स प्रिंसीपल के अंतर्गत फर्स्ट नेशन के बच्चों को मिलने वाली स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं को उपलब्ध करवाने में

कैनेडा असफल होता जा रहा हैं, कैनेडियन संस्थाओं ने जो दावां किया था कि वे जॉर्डन'स प्रिंसीपल के अंतर्गत आदिवासी समुदाय के बच्चों को संबंधित सेवाएं उपलब्ध करवाएंगे, लेकिन इस संबंध में बहुत अधिक विलंभ होने के कारण अब कैनेडा पर सवालिया निशान उठाएं जा रहे हैं। मानवीय अधिकार संगठनों ने भी माना कि कैनेडा अपने कार्यों को पूरा करने में उतनी तेजी नहीं दिखा रहा, जितनी उसे दिखानी चाहिए थी।

स्कावयर वन शॉपींग सेंटर में चोरी के आरोप पर 60 लोगों को किया गिरफ्तार : पुलिस

मिसिसॉगा.रॉक्सी

पील प्रांतीय पुलिस ने बताया कि 4 से 16 दिसम्बर की समयावधि के दौरान स्कावयर वन शॉपींग सेंटर से विभिन्न सामानों की चोरी के आरोप में 60 से भी अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों द्वारा अनुमानित 43,000 डॉलर से भी अधिक की चोरी को अंजाम दिया गया था। पील पुलिस द्वारा इस संबंध में सबसे पहले 12 जनवरी को जारी रिपोर्ट में बताया गया कि 11 डिवीजन क्रिमीनल जांच ब्यूरो द्वारा इन चोरियों के बारे में पता चल सका, फिलहाल जांच पूरी होने की प्रतीक्षा की जा रही हैं और इस संबंध में सभी आरोपियों से भी गहन पूछताछ का दौर आरंभ हैं, जिसके पश्चात ही कोई निर्णय लिया जाएंगा। पुलिस ने सभी आरोपियों को वारंट जारी करके गिरफ्तार किया हैं, फिलहाल इन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद ही सुनिश्चित मामलों के लिए इनकी सजा को सुनिश्चित किया जा सकेगा। सभी उल्लेखित चोरों की पहचान कर ली गई हैं, लेकिन कोर्ट में पेश होने से पूर्व इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, इसके लिए पुलिस ने मीडिया में अभी पूर्ण जानकारी प्रसारित नहीं की हैं।

लिकर घंटों में बढ़ोत्तरी से मिलेगी टोरंटो को आर्थिक मदद : क्लब मालिक

टोरंटो। स्थानीय लिकर व्यापारियों का मानना है कि यदि सिटी ऑफ टोरंटो द्वारा रात्रि के समय रैस्टोरेंटस, होटलों और अन्य संबंधित परिसरों में लिकर परोसने के घंटों में वृद्धि करती हैं तो इसका प्रभाव सिटी की अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक पड़ेगा और इसके व्यापार में भी वृद्धि होगी। इस संबंध में आईएनके एंटरटेनमेंट ग्रुप के सीईओ चार्ल्स खबूथ ने मीडिया को बताया कि यह बात सुनने में कुछ अटपटी लग रही हैं और यह अवश्य माना जा रहा है कि इससे बहुत अधिक मात्रा में शराब पीने वालों की संख्या में इजाफा होगा, लेकिन यदि सिटी अपने वैध लिकर घंटों में कुछ समय को और अधिक बढ़ाती हैं तो इससे उन्हें अपने राजस्व में अधिक बढ़ोत्तरी का सुनहरा अवसर मिलेगा। टोरंटो दुनिया की सबसे बडी सिटीज में से एक हैं, इसलिए यहां समय में भी उसी के अनुसार बढ़ोत्तरी होनी चाहिए, इस श्रेणी में कबाना पूलबार, बायब्लोस और बिशा होटल आदि रात्रि में शराब परोसने वाले स्थानों में इसकी अनुमति सिटी के धन को बढ़ाने में मदद करेगा और अन्य विकास योजनाओं में भी इस धन को निवेश करने में मदद मिलेगी। हाल ही में सिटी के विकास कार्यों के लिए मेयर ओलिवीया चाव ने संपत्ति करों में वृद्धि की घोषणा भी की, जिसके अनुसार जानकारों के अनुसार इस वर्ष 16 बिलीयन डॉलर के प्रचालित बजट को कार्यन्वित करना होगा। लेकिन इसमें कितनी बढ़ोत्तरी होगी

इस संबंध में अभी तक उन्होंने कोई सुनिश्चित जवाब नहीं दिया। आंकड़ों की माने तो इस वर्ष सिटी ऑफ टोरंटो 1.8 बिलीयन डॉलर के घाटे को प्रस्तुत कर सकता हैं। इसके अलावा उन्हें सभी नगरपालिकाओं के बजट को संतुलन रखने की कवायद को भी पूरा करना होगा। ज्ञात हो कि मेयर चाव ने पिछले महीने ही इस बात की ओर संकेत दे दिया था कि इस वर्ष सिटी द्वारा संपत्ति कर में अवश्य ही बढ़ोत्तरी करनी होगी जिससे अन्य विकास कार्यों को पूर्ण करने में मदद मिल सके और उसे सुचारु रुप से पूरा किया जा सके। उन्होंने यह भी माना कि गत वर्ष पूरे समय ही वार्षिक बजट पर चर्चा होती रही, लेकिन महामारी काल के कारण उत्पन्न स्थितियों से अभी तक नहीं निकला जा सका हैं, विशेष रुप से वित्तीय रुप से पिछड़ना सिटी की योजनाओं को बहुत अधिक नुकसान पहुंचा रहा हैं, जिसे संतुलित करने के लिए कुछ कठोर कदम उठाने होंगे। इसके लिए संपत्ति करों में बढ़ोत्तरी के बिल को पारित करने के अलावा और कोई उपाय शेष नहीं बचा हैं।

पील प्रांत का वार्षिक विंटर 2024 गारबेज इग्जेम्पशन डे 22 जनवरी से 2 फरवरी के मध्य होगा

ब्रैम्पटन.शिव

पील प्रांत में एक बार फिर से गारबेज इग्जेम्पशन डे का आरंभ होने वाला हैं, इस बार यह समय 22 जनवरी से 2 फरवरी तक चलाया जाएंगा, जिसमें आप अपने नियमित कचरे को संबंधित कर्मचारी को आसानी से दे सकते हैं। प्रांतीय न्यूज के अनुसार गारबेज की स्वीकृति के लिए आपसे कोई भी अतिरिक्त धन नहीं लिया जाएंगा यह पूर्ण रुप से मुफ्त हैं। पील प्रांत के वेस्ट प्लानिंग प्रबंधक इरवीन पासकॉल ने अपने ईमेल संदेश में कहा कि आगामी 22 जनवरी से 2 फरवरी तक चलने वाले इस अभियान में नियमित कचरे को एकत्र किया जाएंगा और इसे दोहराया नहीं जाएंगा। इसलिए सभी से अपील की जाती हैं कि अपने अतिरिक्त गारबेज को अभी से एकत्र करने लग जाएं और समयावधि में तुरंत इसका निष्कासन सुनिश्चित करें। नागरिक अपने घरों में कलेक्शन कलेंडर में तिथियां सुनिश्चित करते हुए इसे दर्ज करे ले, इसके अलावा निम्नलिखित कुछ टिपस को भी ध्यान से याद कर लें :

- छोटे कचरे की वस्तुओं को अलग से गारबेज बैग में ड़ाले, ये बैग न तो ज्यादा भारी हो, न अधिक बड़ा हो और न ही अधिक छोटा।
- अत्यधिक बड़े सामान को कर्ब में अलग से ड़ाले।
- अपने अगले गारबेज को एक मीटर तक रख सकते हैं लेकिन यह ध्यान रखें की इसमें अधिक कचरा नहीं होना चाहिए।

निवासियों को यह भी सूचित किया जाता है कि प्रतिदिन कचरा उठाने का समय अलग-अलग होगा, इसलिए वैबसाईट पर इसकी जानकारी प्राप्त करके ही व्यवस्था करें।

जंगल की आग के दोषी को कोर्ट में पेश किया गया : चारौन

क्यूबेक। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार क्यूबेक निवासी को जंगल के विभिन्न 14 स्थानों पर आग लगाने का दोषी पाया गया हैं। सूत्रों के अनुसार 38 वर्षीय ब्रेन पारे नामक इस व्यक्ति ने सोमवार को अपना दोष कबूलते हुए माना कि 13 स्थानों पर उसने आग लगाई थी जबकि एक स्थान पर स्वयं ही लग गई थी, जिसकी उसे जानकारी नहीं। लेकिन संबंधित सरकारी वकील मारी फिलीपी चारौन ने सभी आगजनी के मामलों के लिए ब्रेन को ही दोषी करार दिया हैं। आंकड़ों के अनुसार ब्रेन के इस कृत्य के कारण चापीस के 500 घरों के निवासियों को कुछ समय के लिए अपना घर छोड़कर शिविरों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा था, इसके कारण 425 किलोमीटर तक के उत्तर पश्चिम क्षेत्रों के जंगलों को भारी नुकसान भी पहुंचा। गत वर्ष भी इसे कई कारणों से गत 31 मई को आरोपी करार दिया गया था। चारौन ने माना कि वह इस संबंध में एक स्टेटमेंट तैयार कर रही हैं जिसमें सभी आरोपों का विवरण शामिल होगा। इसके कारण सैकड़ों लोगों को होने वाली मानसिक पीड़ा के लिए भी केस चलाया जाएंगा, जिसके कारण 31 मई से 3 जून तक लोगों को अपने घरों से दूर रहना पड़ा। गौरतलब है कि क्यूबेक सरकार ने खुले में आग लगाने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया हैं लेकिन फिर भी ब्रेन ने आदेश का उल्लंघन कर सभी को परेशानी में डाल दिया, जिसके लिए उसे दोषी पाया गया और अब पुलिस कार्यवाही की जाएंगी।

मिसिसॉगा की सबसे बड़ी लाईब्रेरी का भव्य उद्घाटन आगामी 3 फरवरी को होगा

ब्रैम्पटन.साम चोपड़ा

1985 में जब मिसिसॉगा की सेन्ट्रल लाईब्रेरी को सबसे पहले खोला गया था तो वह कूकसवीले में स्कावट बिल्डिंग में थी, लेकिन उस समय न तो उसमें उचित कमरा था और न ही पर्याप्त स्टाफ, एक पुराने लाईब्रेरी सदस्य का कहना था कि इससे पूर्व लाईब्रेरी में थर्ड क्लास सिस्टम था फर्स्ट क्लास के लोगों के लिए। जिसके बनने के केवल चार वर्ष बाद ही इसका निर्माण सिविक सेंटर के सामने किया गया। जिसमें सभी लाईब्रेरी सिस्टमों को प्रावधानित करवाया गया। इस बार 11 जनवरी को एक मीडिया टूर आयोजित किया गया, जिसमें 49 मिलीयन डॉलर के नवीनीकरण के पश्चात अब इस सेंट्रल लाईब्रेरी को बड़ा, सुदंर व सभी सुविधाओं के साथ पुनः खोला जाएंगा। लोवर शेल्वस में अब और अधिक हवादार और अधिक रोशनी के साथ बनाएं गए हैं। इसके अलावा नई बनी चैथी मंजिल को सुंदर चित्रों से सजाया गया हैं। इसके अलावा खराब एलईडी को भी बदलकर रंगों के अनुसार उन्हें व्यवस्थित किया जाएंगा।

सरकार जल्द ही रिवाईज फंडींग जारी नहीं करेंगी तो हड़ताल के लिए तैयार रहें : व्हाई एम सी ए

टोरंटो। राज्य के अधिकतर चाईल्ड केयर सेंटरों ने सरकार को चेतावनी जारी करते हुए स्पष्ट कहा कि यदि जल्द ही संस्थाओं के लिए रिवाईज फंडींग जारी नहीं की गई, तो आगामी दिनों में हड़ताल की असुविधा को सहना पड़ेगा। संगठन का कहना है कि राज्य सरकार को राष्ट्रीय 10 डॉलर प्रतिदिन प्रोग्राम के अंतर्गत नए अपडेटस की जानकारी को भी प्रसारित करना चाहिए, जिसके लिए रिवाईज फंडींग भी शामिल हैं। इस दोहराव के दौरान चाईल्ड-केयर स्पेसों में राशि के प्रोत्साहन की व्याख्या की गई हैं। ज्ञात हो कि ओंटेरियो सरकार ने इस योजना के लिए वर्ष 2022 में हस्ताक्षर किए थे, उस समय 86,000 स्पॉटस को चुना गया था, इसमें राज्य ने अपने बजट में यह माना था कि इस प्रकार के स्पेसों की संख्या बढ़कर 220,000 स्पेस हो सकती हैं। व्हाईएमसीए चाईल्ड केयर प्रोग्रामस में राज्य के पांचवे हिस्से के सभी लाईसेंसधारी स्थान शामिल हैं। इस

योजना के लिए अधिकतर गैर-लाभकारी संस्थाएं उत्सुक दिखी, जिनका यह मानना हैं कि 10 डॉलर प्रतिदिन की योजना सबसे कारगर प्रस्ताव हैं और इसके लिए वर्तमान जारी फंड उचित नहीं।

सरकार ने अपने पूर्व बजट संबोधन में माना कि इस प्रकार की चैरिटी व्हाईएमसीए के प्रचालकों पर लागत का बोझ लगाया जाएंगा। संगठन का यह भी कहना हैं कि राजस्व को फंडींग की कमी से परिवर्तन करना होगा जिससे इस योजना से दूर होते गैर-लाभकारी प्रचालकों को जोड़ा जा सके। इस योजना में अभिभावकों को मिलने वाली राहत में बच्चों के लिए भुगतान करने वाली फीस में कटौती के प्रावधान के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई हैं। इस प्रस्ताव का हवाला देते हुए कुछ ऑपरेटरों ने माना कि औटवा ने इस योजना के लिए कई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को तो जोड़ लिया लेकिन योजना की प्रस्तावना में उनके आंकड़ों में कोई कटौती नहीं की गई। परंपरागत बाल-कल्याण केंद्रों में अभिभावकों से अधिक शुल्क लिया जा रहा हैं, क्योंकि इस समय ये संगठन स्टाफींग का खर्चा, कैटरींग रेंट, हीटिंग एंड सप्लाईज आदि पर अधिक खर्चा कर रहे हैं। यद्यपि, यह भी माना गया कि कई योजनाओं में वर्ष 2020 से कोविड-19 के प्रभाव के कारण कोई भी परिवर्तन नहीं किया गया, लेकिन अब धीरे-धीरे इस बारे में मांग उठाई जा रही हैं कि संबंधित योजनाओं के लिए बदलाव किया जाएं और इसकी फंडींग में विशेष बढ़ोत्तरी के लिए सहमति बनाई जाएं। प्रचालकों का यह भी कहना है कि वर्तमान में कम से कम 2.1 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी को ध्यान में रखना होगा, जबकि वर्ष 2023 में इसे 2.75 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना सुनिश्चित किया गया था, जिसके लिए यह माना जा रहा है कि वर्तमान स्थितियों को देखते हुए यह निर्णय लेना अति आवश्यक होगा।

सस्केचवन चाकूबाजी में हुए हत्याकांड की जांच हुई आरंभ : कॉरोनर

टोरंटो। गत 4 सितम्बर,2022 को हुए भीषण हत्याकांड की जांच आरंभ करते हुए मीडिया को दिए अपने बयान में संबंधित कॉरोनर ने बताया कि सस्केचवन प्रांत के दो समुदायों को निशाना बनाते हुए 11 लोगों को मारने और 17 को घायल करने वाली भयानक घटना की जांच आरंभ हो चुकी हैं। ज्ञात हो कि इस घटना का एक प्रमुख आरोपी सैंडरसन जिसकी आयु 32 साल थी पुलिस कस्टडी में मारा गया था। यह घटना वेडन गांव के निकट और जैम्स स्मिथ क्री नेशन में हुई, जांच में लगी ज्यूरी का यह मानना है कि इस जांच में यह देखा जाएंगा कि इस प्रकार की घटना के पीछे का क्या कारण हैं? और वास्तव में क्या हुआ और कब-कब इन हमलावरों ने निर्दोष स्थानीय लोगों को क्षति पहुंचाई। जैम्स स्मिथ क्री नेशन प्रमुख वैली बर्नस ने पत्रकारों को बताया कि घटना के इतने दिनों बाद भी स्थानीय लोग मानसिक आघात का शिकार बने हुए हैं, वहीं सस्केचवन कॉरोनरस सर्विस का यह भी कहना है कि जांच से पूर्व छः लोगों को संदिग्धता के घेरे में लिया गया, जिनसे दो सप्ताह तक गहन जांच के बाद ही कोई निर्णय निकाला गया। प्रमुख का यह भी कहना था कि इस जांच को पूर्ण रुप से पारदर्शी रखा जाएं और किसी भी प्रकार की संदिग्धता नहीं होनी चाहिए जिससे जनता का विश्वास बना रहे और वे इस जांच पर पूर्ण विश्वास कर सके। अभी भी कई और सवाल इस जांच में खड़े हैं कि अपराधी के पास कार कहां से आई और डोर-टू-डोर वे लोगों को घायल कर रहे थे या मार रहे थे तो अन्य किसी ने भी उन्हें रोका क्यों नहीं? इस मामले में पुलिस भी शक के घेरे में नजर आ रही हैं, स्थानीय पुलिस से इस बारे में कई सवाल पूछे जा सकते हैं। यह घटना गत वर्ष की सबसे बड़ा हत्याकांड थी जिसकी जांच के लिए सभी कैनेडियनस ने एक साथ मांग करते हुए इसे जल्द से जल्द करने की अपील के लिए याचिका दाखिल की थी। प्रधानमंत्री ने भी संबंधित जांच के लिए पूर्ण सहयोग हेतु हर संभव प्रयास करने की बात को स्वीकारा था।

कैनेडा में गत माह महंगाई दर 3.4 प्रतिशत तक बढ़ी : सांख्यिकी कैनेडा

औटवा। सांख्यिकी कैनेडा ने अपनी ताजा रिपोर्ट में माना कि गत दिसम्बर में देश की महंगाई दर 3.4 प्रतिशत तक बढ़ी, जोकि आगामी दिनों के लिए और अधिक चिंताएं बढ़ाएंगी। सूत्रों के अनुसार जो महंगाई दर नवम्बर में 3.1 प्रतिशत थी वह

केवल एक माह के अंदर ही 0.3 प्रतिशत तक बढ़ी। अर्थशास्त्रियों ने यह भी माना कि दिसम्बर 2022 में गैसोलाईन के मूल्यों में वृद्धि ने इसे बढ़ने में और अधिक मदद की हैं। वहीं केवल एक वर्ष के अंदर देश में ग्रोसरी उत्पादों में भी 4.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी एक नए संकट का आरंभ हैं। लेकिन सांख्यिकी कैनेडा ने यह भी माना कि देश में बढ़ती महंगाई दर जहां वर्ष 2022 में 6.8 प्रतिशत थी जोकि गत 40 वर्षों में सबसे अधिक थी, वहीं 2024 में यह गिरकर 3.9 प्रतिशत तक पहुंच गई।

3 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एवैन्यू रोड़ ब्रिज पर घोषित प्रतिबंधित प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने की बड़ी कार्यवाही

टोरंटो। टोरंटो पुलिस ने पत्रकारों को संबंधित धर-पकड़ की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि गत शनिवार को प्रतिबंधित प्रदर्शन के दौरान भी प्रदर्शन कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया हैं। इस संबंध में 'एक्स' पर दिए संदेश में पुलिस ने बताया कि इस ब्रिज पर अब किसी भी प्रकार के प्रदर्शन की मनाही हैं, जिसके कारण भारी मात्रा में यातायात के संचालन में असुविधा होती थी और अन्य यात्रियों को घंटों जाम का सामना करना पड़ता था। इन प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के समझाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की और न ही प्रदर्शन स्थल से हटे जिसके कारण मजबूरी में पुलिस ने इन आरोपियों को

गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान को सार्वजनिक करते हुए बताया गया कि शनिवार शाम को न्यूमार्केट के 33 वर्षीय सायरस रैनॉल्ड, टोरंटो के 36 वर्षीय हैसहम एली और मिसिसॉगा के 26 वर्षीय अली नासीर को गिरफ्तार किया गया हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि इनमें से रैनॉल्ड पर पुलिस के साथ बदसलूकी का आरोप भी साबित होता हैं जबकि अन्य दो पर पीस अधिकारी का कहना नहीं मानने का आरोप लगाया गया हैं। इस संबंध में पुलिस ने गत गुरुवार को ही आदेश जारी कर दिए थे कि कोई भी एवैन्यू रोड़ ब्रिज पर प्रदर्शन नहीं करेगा, जबकि ये प्रदर्शनकारी 'फिलीस्तीन' के पक्ष में न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर से इजरायल-हमास युद्ध के आरंभ होने के बाद पूरे देश में संबंधित कई स्थलों पर यहूदियों की सुरक्षा को लेकर कई प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।

कैनेडा ने रुसी महिला को लौटाई नागरिकता

प्रख्यात ब्लॉगर मारिया कारटाशेवा को रुस में गलत सूचना देने का दोषी मानते हुए देश से निष्कासित कर दिया गया था

औटवा। कैनेडियन सूत्रों के अनुसार रुस की युद्ध विरोधी प्रदर्शनकारी और प्रख्यात ब्लॉगर मारिया कारटाशेवा को कैनेडियन नागरिकता बहाल कर दी गई हैं। ज्ञात हो कि 30 वर्षीय मारिया वर्ष 2019 से औटवा में रह रही थी, फरवरी 2022 में रुस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध आरंभ कर दिया था, जिसका अन्य पश्चिमी देशों ने घोर विरोध किया, इस दौरान मार्च 2022 में मारिया ने अपने दो ब्लॉगस में कुछ फोटोओं को पोस्ट किया और लिखा कि रुस के इस भयानक रुप की किसी ने कल्पना भी नहीं की थी, मारिया ने बुचा नरसंहार की फोटोओं को शेयर किया था। जिसके जवाब में रुस के विदेश मंत्री ने इसे नकारते हुए कहा कि मारिया ने यह गलत सूचनाएं जारी की हैं, जिसके कारण उस पर अपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप सिद्ध होता हैं। इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच कैनेडियन प्रवासी मंत्रालय ने भी अपनी जांच में कहा कि उन्होंने कैनेडियन प्रवासी नियमों का उल्लंघन किया हैं। कैनेडा किसी भी ऐसे प्रवासी नागरिक को अपने देश की नागरिकता नहीं दे सकता जिसके ऊपर अपराधिक कोड लगा हों, इस कारण से उनके आवेदन को स्थगित कर दिया गया था।

दिसम्बर में जारी प्रवासी, रिफ्यूजी और सिटीजनशिप कैनेडा ने रुस की टिप्पणी के आधार पर कैनेडियन क्रिमीनल कोड की धारा 372(1) के अंतर्गत गलत सूचना देने वाले को अपराधी माना गया हैं। लगभग दो वर्षों के प्रयास के पश्चात मारिया ने यह स्पष्ट किया कि उनका संदेश रुस की भयानकता लोगों को दिखाना थी न कि झूठा संदेश देकर लोगों को भ्रमित करना उन्होंने अपने ब्लॉगस के प्रमाण भी दिए, जिसके पश्चात कैनेडियन प्रवासी, रिफ्यूजी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने अपने सोशल मीडिया संदेश में यह बताया कि मारिया को पुनः कैनेडियन नागरिकता देने पर विचार किया गया हैं। मिलर ने माना कि उनके ब्लॉग की जांच के पश्चात ही यह निर्णय लिया गया कि उनका ध्येय लोगों को रुस के विरुद्ध भड़काने का नहीं था, अपितु अपनी भावनाएं व्यक्त करना था, जिसके कारण ही कैनेडा ने उन्हें पुनः नागरिकता देने का आवेदन स्वीकारा हैं। मिलर ने यह भी माना कि कैनेडा कभी भी ऐसे नागरिक को दंड नहीं देना चाहता जो निर्दोष हो और न ही मारिया को इसलिए पुनः नागरिकता उपलब्ध करवाई जा रही हैं कि कैनेडा रुस-यूक्रेन युद्ध का पुरजोर विरोधी हैं। यह प्रक्रिया किसी भी प्रकार से राजनीति से प्रभावित नहीं हैं। उनके अनुसार से देश में उन्हीं प्रवासियों को स्थाई नागरिकता दी जाती हैं जिनका निन्यानवे प्रतिशत उद्देश्य कैनेडा में अच्छे कारणों से रहना हैं। कैनेडा कभी भी अपने नियमों का गलत उपयोग नहीं होने देता इसलिए वह हमेंशा तथ्य पूर्ण नीतियों पर ही कार्य का विचार करता हैं।

मनीटोबा सरकार ने जनता से किया वादा...

चौराहों के विकास के लिए निवेश करेंगे 12 मिलीयन डॉलर

टोरंटो। मनीटोबा सरकार ने प्रदेश वासियों से वादा करते हुए कहा कि इस वर्ष उन्हें सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएंगा, इसके लिए इस वर्ष प्रदेश के चौराहों के विकास के लिए 12 मिलीयन डॉलर के निवेश की योजना को तैयार किया गया हैं। सोमवार को इस संबंध में आयोजित एक प्रैसवार्ता को संबोधित करते हुए परिवहन व निर्माण मंत्री लिजा नायलर ने बताया कि गत वर्ष हुई भीषण सड़क हादसे के बाद ही सरकार ने यह फैसला कर लिया था कि आगामी बजट में एक विशेष निवेश योजना को पारित किया जाएंगा, जिसमें विशेष रुप से प्रदेश के सभी चौराहों की मरम्मत का कार्य पूरा किया जाएंगा और उनका उचित विकास भी किया जाएंगा। ज्ञात हो कि गत वर्ष हुए भीषण सड़क हादसे में 17 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना में हाईवे 1 और 5 पर स्थित चौराहों को विकसित किया जाएंगा, जहां सबसे अधिक सड़क हादसे घटते हैं। गौरतलब है कि इसी चौराहे पर पिछले वर्ष वरिष्ठ नागरिकों को ले जाती हुई एक बस दुर्घटना ग्रस्त हुई थी, जिससे अधिकतर यात्रियों की मृत्यु की पुष्टि की गई थी।

सरकार की उदासीनता का उदाहरण हैं ओंटेरियो पैलेस के वेस्ट आईलैंड का बंद होना : समर्थक

ओंटेरियो। स्थानीय समर्थक ग्रुपों ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि ओंटेरियो पैलेस के वेस्ट आईलैंड का बंद होना एकमात्र सरकार की उदासीनता हैं, यदि सरकार चाहती तो इस स्थान के देखभाल हेतु अवश्य कारगर योजना बनाती, मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ और इसके उचित देखभाल नहीं होने के कारण अंत तक इसे बंद करना ही पड़ा। इस संबंध में ओंटेरियो पैलेस के सभी उपाध्यक्षों ने नॉर्म डीपासक्वाले ने मीडिया को बताया कि इस स्थान के लिए सरकार को जिस प्रकार की योजनाएं बनानी चाहिए थी, वह नहीं बनाई गई जिसके कारण सभी योजनाएं असफल रही और इसका परिणाम यह देखने को मिला कि ओंटेरियो पैलेस के एक भाग को बंद करना पड़ रहा हैं। वहीं सरकार ने इस संबंध में जनता से स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस स्थान पर खुलने वाले स्थानों से जनता के स्वास्थ्य और सुरक्षा को विकसित करने में मदद मिलेगी। भावी योजना के अनुसार अब सरकार ओंटेरियो पैलेस के साथ-साथ 50 एकड़ भूमि पर पब्लिक स्पेस और पार्कों को सुनिश्चित करेगी जोकि आईलैंड के चारों ओर स्थित होंगे। इसके अलावा थ्रीमस वाटरपार्क और वैलनेस सुविधाएं भी विश्व स्तरीय पर निर्मित की जाएंगी, जो भविष्य में लोगों के लिए एक आकर्षण का केंद्र भी होगा। इस परियोजना के लिए विकसित भूमि पर से लगभग 840 वृक्षों को भी हटाया जाएंगा, जिसके लिए पर्यावरण मंत्रालय की ओर से सहमति भी ले ली गई हैं, लेकिन इसके कारण पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की भी अनदेखी सरकार को भविष्य में महंगी पड़ी हैं, जानकारों के अनुसार वेस्ट आईलैंड पर स्थित लगूनस और छोटे जल प्रपातों को भर दिया गया हैं। नवम्बर में समूह ने इस बारे में कहा था कि फोर्ड सरकार पहले से ही नहीं चाहती थी कि वेस्ट आईलैंड का विकास उचित प्रकार से हो, इसलिए कई अवरोधों के बावजूद ऐसा नहीं हो पाया और अब इस स्थान का विकास उचित प्रकार से हो सकेगा।

चुनाव लड़ने का निर्णय उचित नहीं था : जो हॉरनेक

वार्ड 6 काउन्सिलर जो हॉरनेक ने मेयर पद के चुनाव में भाग लेने से किया मना

मिसिसॉगा.पूनम

वार्ड 6 काउन्सिलर जो हॉरनेक ने अपनी ताजा घोषणा में स्वीकारा कि मेयर पद के चुनाव में भाग लेना उनके लिए सही निर्णय नहीं था, उन्होंने माना कि उनके बच्चे अभी छोटे हैं और उनके प्रति भी उनका कर्तव्य हैं। इसलिए उनके विचार से बोनी क्रोम्बी के स्थान पर मेयर पद के चुनाव लड़ने का निर्णय उचित नहीं था। उन्होंने यह भी बताया कि उनके तीन बच्चे हैं और सभी बहुत छोटे हैं जिन्हें संभालने का दायित्व भी बहुत आवश्यक हैं। ज्ञात हो कि हॉरनेक वर्ष 2022 से ही मिसिसॉगा काउन्सिल के सदस्य बने जब उन्होंने वार्ड 6 के काउन्सिलर पद का चुनाव 4000 वोटों के साथ जीता, उन्होंने इस चुनाव में रॉन स्टारर को हराकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया था। वार्ड 11 काउन्सिलर ब्रैड बट ने भी मेयर चुनाव में भाग लेने की घोषणा की थी। इसके अलावा इन चुनावों में अल्वीन टेडजो, दीपीका दामेरला और मैट महोनी भी इस दौड़ में शामिल हैं। क्रोम्बी के अधिकारिक तौर पर इस्तीफा देने की घोषणा के बाद ही इस पद पर चुनाव लड़ने वालों की अटकलें लगाई जाने लगी। सूत्रों के अनुसार वार्ड 1 के काउन्सिलर स्टीफन देशको और वार्ड 5 के काउन्सिलर कारोलयन पैरीस भी इस पद के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। इस संबंध में अभी तक नियमों का उल्लेख नहीं किया गया हैं, चुनावी प्रक्रिया के लिए पैरीस ने वार्ड 5 के प्रतिनिधित्व से इस्तीफा भी दे दिया हैं। लेकिन अभी इस संबंध में कोई भी अधिकारिक उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई हैं और न ही नामांकन की तिथियां भी सुनिश्चित की गई हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के मेयर उपचुनावों में मेयर क्रोम्बी से हारने वाले डेविड शॉ उनसे 75000 वोटों से पीछे थे, इसलिए यह भी माना जा रहा हैं कि यदि वे इस बार भी इस उपचुनाव में शामिल होते हैं तो जीत सकते हैं, वहीं जॉर्ज तावारेस को 5600 से अधिक वोट मिले थे जोकि पिछले चुनाव में तीसरे स्थान पर रहे, उनके द्वारा चुनाव में दोबारा शामिल होने की भी प्रबल संभावना लगाई जा रही हैं। क्रोम्बी के इस्तीफे के बाद 17 जनवरी से उनके पद को अधिकारिक रुप से रिक्त घोषणा कर दिया जाएंगा, जिसके बाद ही चुनावी प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी।

जानकारों के अनुसार 2 वर्तमान मिसिसॉगा काउन्सिलरों ने मेयर उपचुनाव में भाग लेने की घोषणा ने की थी

राज्य सरकार के साथ नई डील के लिए कर्मचारियों ने आरंभ किया मतदान

चार प्रमुख यूनियनों के कर्मचारियों ने जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य कल्याण कर्मचारी आदि शामिल हैं

क्यूबेक। 420,000 पब्लिक सेक्टर से संबंधित कर्मचारियों ने नए अनुबंध को स्वीकारने हेतु या सार्वजनिक रुप से हड़ताल पर जाने को सुनिश्चित करने के लिए मतदान प्रक्रिया आरंभ कर दी हैं। राज्य के चार प्रमुख यूनियनों के कर्मचारियों ने जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य कल्याण कर्मचारी आदि शामिल हैं आगामी 19 फरवरी तक इस अनुबंध पर अपना निर्णय प्रस्तुत करेंगे। ज्ञात हो कि गत 28 दिसम्बर को ही इस यूनियन ने इस बात की पुष्टि करते हुए यह स्पष्ट किया था कि, वह आगामी दिनों में अपनी मांगों को लेकर हड़ताल करेंगे या नहीं इस बारे में जल्द ही मतदान आयोजित करेंगें, जिसमें आम कर्मचारियों की राय पर ही यह निर्णय सुनिश्चित करना था। गौरतलब है कि कर्मचारियों को इसके लिए जनवरी मध्य का समय दिया था, इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए सीएसएएन के उपाध्यक्ष फ्रान्सकोइस इनाउल्ट ने मीडिया को बताया कि हमारे सदस्य जमीन से जुड़े हुए हैं और वे कतई भी नहीं चाहते कि उनके कारण किसी भी प्रकार से वर्तमान कार्य प्रणाली में कोई अवरोध उत्पन्न हो और देश की अर्थव्यवस्था इससे प्रभावित हो। इसके लिए वे बार-बार इस हड़ताल को सुनिश्चित नहीं करना चाहहते। इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने मोबाईलेजेशन को एतिहासिक बनाने पर जोर दिया। यद्यपि अभी तक यूनियन या कंपनी ने इस बात की पुष्टि नहीं की हैं कि दोनों के मध्य अभी तक कितनी मांगों को माना या कितनी शर्तों को नहीं माना। वहीं दूसरी ओर यूनियन के प्रमुखों ने गत 28 दिसम्बर को इस बात की पुष्टि कर दी थी कि कंपनी ने उनकी 17.4 प्रतिशत की वेतनों में वृद्धि को बात को स्वीकार कर दिया हैं, लेकिन वे इस मांग को अगले पांच वर्षों में क्रमबद्ध तरीके से बढ़ाएंगी। पिछली वार्ता में जहां 66,000 कर्मचारी सदस्यों ने हड़ताल के लिए अपनी पुष्टि दी थी, वहीं इस बार 80,000 सार्वजनिक सदस्यों ने इसमें शामिल होने की स्वीकृति दे दी हैं, जोकि अधिकतर स्वास्थ्य कल्याण कर्मचारी वर्ग से संबंधित हैं।

देश या विदेश में बच्चों, बड़ों का तालमेल!

कविता गुप्ता

किस बच्चे का विदेश में बसने का सुहाना सपना नहीं होता ? जब पूरा हो जाए तो अपने को अधिक भाग्यशाली भी वही समझता है। फिर धीरे 2 माँ बाप भी सपने संजोने लगते हैं काश ! हम भी स्वर्ग देखें ? सिलसिला शुरू हो जाता है द्य बच्चों के जीवन का यह बड़ा परिवर्तन एक बार तो उन्हें संघर्ष की भट्टी में झोंक देता है। जो कदम अपनी जन्म भूमि पर पूरे नही टिकते थे, विदेशी धरती पर मंज़िल से पहले राह या पगडंडियाँ तलाशते देखे जाते हैं। खैर समय के साथ सभी ढल जाते हैं , ढलना पड़ता भी है।

मेरा विषय है ऐसे हालातों में माँ बाप का ढलती उम्र में स्वदेश छोड़ बच्चों के साथ ज़िन्दगी के रहते वर्ष बिताना, कितना कठिन ? कितना सरल ?

वैसे तो जब से गृहस्थ आश्रम की नीवं पड़ी है बच्चों के साथ रहना जितना शान्ति दायक व गौरव पूर्ण है उतना ही कभी 2 कष्टदायक भी सिद्ध हुआ है, कारण बहुत सी मान्यताएँ, मर्यादाएं ऐसे है जिन्हे निभाना ही..... पड़ता है। अलग बात है यह पहले केवल बच्चों के लिए आवश्यक था अब यह दोनों के लिए अनिवार्य हो गई है। संयुक्त परिवारों की परिपाटी लगभग... खत्म। छोटा परिवार, सुखी परिवार आज का मुख्य नारा है, तो वहाँ माता पिता का स्थान थोड़ा संकुचित सा लगने लगता है। बच्चे पूरी नही तो थोड़ी सी स्वतंत्रता तो चाहते ही हैं। समय बदल गया बच्चों के साथ रहते आज माँ बाप भी इसी भावना को रखते हैं तो क्यों न कुछ सुझाव या खुले विचारों का आदान प्रदान हो जाए। कुछ दशक पहले बच्चे माँ बाप के साथ आजीवन ही रहते थे। परिवर्तन आया शिक्षा तथा लक्ष्य की ऊँची उड़ान ने दोनों की दूरी दिन प्रतिदिन बड़ी कर दी। स्वतंत्रता मिलने पर %पंछी% बंधन कब, कैसे, क्यों स्वीकारेगा ? खैर यह 21वीं सदी है।

मेरे विचार में देश हो या विदेश गृहस्थ गुलस्तां बनते, खिलते, उनके यौवन को अपने साधन और बुद्धि के अनुसार सही दिशा देकर आज़ाद कर देना व हो जाना चाहिए। बच्चों से उनके अपने गृहस्थ में पूर्णतः व्यस्त हो जाने पर उनसे बहुत आशाएँ रखना अधिक उचित नही। यह मत सोचना हमारा समय ऐसा था, वैसा था। वह बीत गया द्य

सदी बदल गई। अपने विचार, सोच को बदलो। बच्चों के लिए मन को छोड़, तन, धन इतना लुटाओ कि तुम्हारे पास अपने लिए भी कुछ बच जाए। कारण स्पष्ट है आपकी सेहत अपनी है। इसके नायक आप हो द्य ढलती उम्र से पहले ही सावधान हो जाओ कारण कि अस्वस्थता या लम्बी बीमारी के समय बच्चे हर पहलू से कितने... लाचार हो जाएंगे आप सोच भी नही सकते। 50 की आयु से पहले ही अपनी सेहत के सजग पहरेदार बन जाओ, बेहतर है। आपका मेहनत से कमाया धन आपकी धरोहर है। उसे कहीं..... भी खर्च करने में कोई पूछताछ या किसी को आपत्ति नही होगी न होनी ही चाहिए। इसलिए अपने मुश्किल के दिनों के लिए जरूर थोड़ा.. .... बचा के रखे द्य यदि हो सके वसीयत बनाने की नसीहत न भूलें ताकि आपके जाने के बाद आपकी अमूल्य कमाई किसी अन्य की सौगात न बन जाए। दिन में अपने लिए समय निकालना एक और महत्वपूर्ण पहलू है। देश हो या विदेश घर के बुजुर्ग प्यार या मज़बूरी वश %व्याज% से इतने अधिक समर्पित हो जाते हैं कि अपने लिए समय ही नही। कई बार नई पीढ़ी उनका दुरूपयोग भाव कि ज़रूरत से ज़्यादा लाभ लेना चाहती है या लेती है। बेचारे मोहवश या दुनियादारी निभाते 2 चकनाचूर हो जाते हैं जो उचित नहीं, बस.... सावधान !!

सामाजिक तौर पर जैसा भी आपका रुझान है शारीरिक, मानसिक बल का संतुलन रहते सतर्क हो जाएँ। मित्रता का दायरा बहुत संकुचित न रखें। कभी 2 मुसीबत में खून के रिश्ते फीके, मित्रता के मीठे साबित होते है। दूरदर्शन या रेडियो से भी मधुर रिश्ता बनाए रखें जैसी रूचि हो। स्वाध्याय का शौक है तो कोई समाचार पत्र या पुस्तक अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएँ द्य एकाकी जीवन जीना या रहना पड़े अपने को पहले से ही ढालना सीखें। क्योंकि यह निश्चित है बहुत....कम जोड़े हैं जो इकट्ठे आए और इकट्ठे गए। लिखना असंगत न होगा आपका सामाजिक परिपेक्ष्य यदि आज्ञा या निर्देश दे तो जरूरत के समय एकाकी जीवन का कोई 'हल' ढूंढना चाहे तो मन बना के रखें। सारांश में एक ही परिपक्व सुझाव है, आज वह समय आ गया है कि बच्चों को उनकी जवानी का आनंद लेने दें और अपना बुढ़ापा खुशनुमा, आबाद, आज़ाद रखें। मानव जीवन सर्वोत्तम व दुर्लभ है। इसे यथासम्भव सफल एवं सार्थक बनाने की चेष्टा करें। लिखना ही नही, लेखिका ने खुद भी यह सब अपने जीवन में अपनाने का प्रयास किया है।

मेरे घर राम आये हैं

सजाऊं घर को मंदिर सा
मेरे प्रभू राम आये हैं
बजाऊं शंख और डमरू
मेरे घर राम आये हैं
सजाऊं घर को मंदिर सा
मेरे प्रभू राम आये हैं
सुनो ऐ ! जग के सब प्राणी
पशु , मानव या वृक्ष जंगल
बनाऊं फूलों से मार्ग
अवध के राम आये हैं
सजाऊं घर को मंदिर सा
मेरे प्रभू राम आये हैं
ऐ बादल छाया कर देना
मेरे प्रभू राम के ऊपर
हवाओं गीत मधुर गाओ
मेरे श्री राम आये हैं
सजाऊं घर को मंदिर सा
मेरे प्रभू राम आये हैं
सजाऊं अपनी कुटिया को
ले फूलों से तनिक खुशबू
मैं शून्य हो खड़ा देखूँ
मेरे घर राम आये हैं
सजाऊं घर को मंदिर सा
मेरे प्रभू राम आये हैं
भूलाकर मोह के बंधन
प्रभू के चरणों को देखूँ
सूझता ही नहीं कुछ भी
सियापति राम आये हैं
सजाऊं घर को मंदिर सा
मेरे प्रभू राम आये हैं
मेरी अश्रु की धारा भी
प्रेम में बहती ही जाये
मगन होकर मैं नाचूँ रे
मेरे घनश्याम आये हैं
सजाऊं घर को मंदिर सा
मेरे प्रभू राम आये हैं

डॉ उमेश प्रताप वत्स

अंतरिक गुनाहगर

उन्होंने कहा, हम बहुत अच्छे हैं
हमने कहा,होंगे अपनी नजर में।
उन्होंने कहा
हम दिलकश इश्क करते हैं
हमने कहा, करते होगे गैरों से।
उन्होंने कहा,हम सिकंदर हैं हर
काम में,हमने कहा
होगे बस इस दुनिया के।
उन्होंने कहा
हम जानते हैं हर किसी को यहां
हमने कहा, जानते होगे बस इस
दुनिया में।

डॉ.राजीव डोगरा

राम आ रहे हैं, रामराज आ रहा है, चुनाव भी तो आ रहा है

ओम प्रकाश उनियाल

जी हां, अयोध्या में राम आ रहे हैं। यह जानकर किसी को यकीन होगा, किसी को नहीं और कोई भ्रमित रहेगा। अयोध्या तो राममय होगी ही पूरा देश भी राममय होगा। बस, कुछ ही दिनों की तो बात है। तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। देश के कोने-कोने में रामभक्तों द्वारा रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर जहां भारी उत्साह देखा जा रहा है वहीं अयोध्या से आए पूजित अक्षत और कलश की शोभा-यात्राएं निकाल कर व घर-घर अक्षत वितरण कर अयोध्या आकर भगवान राम के दर्शन करने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। 22 जनवरी का वह क्षण ऐतिहासिक और उल्लासपूर्ण होगा जब 500 साल बाद श्रीराम जन्मभूमि के मंदिर में भगवान राम लौटेंगे। घर-घर दीपावली मनायी जाएगी, सनातन धर्म-ध्वज हर सनातनी के घर लहराएगा। %जय श्रीराम% का उद्घोष हर तरफ हवा की तरंगों में सुनायी देगा। राम राज का आभास होगा। गौरवपूर्ण पलों का आनंद आस्था की कड़ी को और भी मजबूत कर देगा। हिन्दू विरोधी संभवतः इस गौरवमयी क्षण को न पचा पाएं। लेकिन उन्हें यह भी मालूम होना चाहिए कि भारत ने कभी अपनी परंपराओं और सनातनियों की आस्था व विश्वास को मिटने नहीं दिया। भारत हिन्दू राष्ट्र है। राष्ट्रवाद की भावना हिन्दुओं में कूट-कूटकर भरी हुई है। बात करें भ्रमित लोगों की। जो हिन्दू होते हुए भी भ्रमित हैं अथवा भ्रम फैलाकर लोगों की भावनाओं को भुनाते रहते हैं। आपस में एक-दूसरे पर आक्षेप लगाकर राम के नाम पर राजनीति कर रहे हैं या करने की सोच रहे हैं। क्योंकि देश में 2024 में ही लोकसभा चुनाव भी होने हैं। जो राजनीतिक दल यह सोचकर चल रहे हैं कि राम के नाम का उपयोग कर या विरोध कर वोट बैंक तैयार करेंगे तो उन्हें यह समझना चाहिए कि भगवान राम तो हिन्दुओं के आराध्य हैं, आदर्श हैं। उनके आदर्श सत्कार्यों की प्रेरणा देते हैं। भगवान राम के नाम पर राजनीति करना किसी भी व्यक्ति विशेष या राजनैतिक दल को शोभा भी नहीं देता। यह सरासर सनातन धर्म का अपमान है। ऐसे लोगों को धर्म का शाब्दिक अर्थ की समझ नहीं है। धर्म के महत्व से अनभिज्ञ होते हैं ऐसे लोग। एक तरफ ये हिन्दू होने का दावा करते हैं दूसरी तरफ पारस्परिक विरोध का ताना-बाना बुनते रहते हैं। धर्म का मतलब आपस में द्वेष फैलाना नहीं। जब धर्म में राजनीति को ठूंसा जाता है तो उससे समाज में वैमनस्य बढ़ता है। आस्था खंडित होती है। धर्म में प्रभु राम को हथियार बनाकर राजनीति करने का प्रयास न करें। देश में शांति रहेगी तो स्वतः ही रामराज होगा। रामराज का मतलब गलत मत समझिए। रामराज को दूसरी तरफ मोड़ने का प्रयास न करें। हमेशा राष्ट्रहित की सोच रखें।

साइबर क्राइम के 31 लाख मामले, एफआईआर सिर्फ 66 हज़ार दर्ज

इंद्र वशिष्ठ

केंद्र सरकार साइबर-सुरक्षित देश बनाने के लिए प्रतिबद्ध और प्रयासरत है क्योंकि साइबर सुरक्षा विश्व स्तर पर सभी सुरक्षा संबंधी मामलों का एक अनिवार्य पहलू बन गई है।

एफआईआर ही दर्ज नहीं करते-

लेकिन लगता है कि गृह मंत्रालय के प्रयासों पर पुलिस ही पानी फेर रही है। पुलिस साइबर अपराध के सभी मामलों को दर्ज तक नहीं कर रही है। अन्य अपराधों की ही तरह साइबर अपराध के शिकार हुए लोगों को भी एफआईआर दर्ज कराने के ही लिए ही नाकों चने चबाने पड़ते हैं या सिफारिश करानी पड़ती है। आंकड़ों की बाजीगरी से अपराध कम दिखाने की प्रवृत्ति के कारण ही पुलिस द्वारा अपराध को सही दर्ज नहीं किए जाने की परंपरा है। इस परंपरा में अपराध को दर्ज न करना या हल्की धारा में दर्ज करना शामिल है। जबकि सच्चाई यह है कि अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण करने का सिर्फ और सिर्फ एकमात्र रास्ता यह है कि अपराध के सभी मामलों को सही सही दर्ज किया जाए। वरना सरकार की साइबर सुरक्षा की भी कोई भी योजना सफल नहीं होगी।

पुलिस की पोल खुली-

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4 सी) द्वारा जारी किए गए आंकड़े चौंकाने वाले और पुलिस की पोल खोलने वाले हैं। अगस्त 2019 में लॉन्च होने के बाद से राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) पर अब तक 31 लाख से अधिक साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज की गई हैं। इन शिकायतों के आधार पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस/कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा सिर्फ 66,000 से अधिक एफआईआर ही दर्ज की गई हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4 सी) के सीईओ राजेश कुमार द्वारा वार्षिक सम्मेलन (3 जनवरी 2024)में यह जानकारी दी गई। इन आंकड़ों से ही यह साफ पता चलता है कि साइबर अपराध के करीब 97 फीसदी मामलों में तो एफआईआर ही दर्ज नहीं की गई है।

एफआईआर दर्ज हो-

गृह मंत्रालय/भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4 सी) को ऐसा

सिस्टम बनाना चाहिए, जो यह सुनिश्चित करें कि साइबर अपराध की शिकायत करते ही तुरंत एफआईआर भी दर्ज हो जाए। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने उस मामले में अपराधियों को पकड़ने के लिए क्या क्या प्रयास किए, इसकी जानकारी खुद पुलिस द्वारा आई4 सी और पीड़ित को देना अनिवार्य हो।

पैसा आसानी से वापस मिल जाए-

साइबर अपराध के कारण पैसा गंवा/फंसा चुके लोगों को अपना पैसा वापस मिलने में बैंक/अदालत/कानूनी प्रक्रियाओं के कारण काफ़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सरकार को ऐसा सरल सिस्टम बनाना चाहिए जिससे पीड़ित को पैसा आसानी से और जल्द वापस मिल जाए। आई4 सी के अनुसार तो अभी हालात यह है कि साइबर अपराध पीड़ित व्यक्ति को उसका पैसा वापस मिलने की दर नौ-दस प्रतिशत ही है।

अयोध्या धाम

प्राचीन आध्यात्मिक अयोध्या नगरी खास है
श्रद्धालुओं की राम के प्रति आस है
असुर शक्तियों का होना नास है
धार्मिक महत्व बहुत खास है
देवताओं का स्वर्ग अयोध्या खास है
अर्थवेद में इसे समझाया खास है
सरयू नदी में बसी पवित्र नगरी खास है
महाकाव्य रामायण में अवध पवित्र खास है
भगवान विष्णु निर्देशों से बसाया अयोध्या खास है
प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा से
संभावित त्रेता युग आना भी खास है
प्राचीन आध्यात्मिक अयोध्या नगरी खास है
अयोध्या की गिनती देश के सबसे प्राचीन
सात पवित्र स्थलों में होना खास है
सरयू नदी के किनारे बसी अयोध्या नगरी
सूर्यपुत्र वेवस्वत मनु की खास है

किशन भावनानी

राम मंदिर

बूढ़े से ले कर बच्चों तक सब ने किया था,
जिस का इंतजार।
गाँव से ले कर शहर तक,
जिस के लिए थे सब बेकरार।।
राम लला के राज तिलक की वो घड़ी आ गई।
हर तरफ नयी खुशी की लहर छा गई।।
22 जनवरी सुनश्चित हुई वो शुभ घड़ी।
प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोर से चल रही।।
हर घर पर भगवा लहरायेगा।
हर बच्चा बच्चा दीप जलायेगा
बन्दरवान बंधेंगे द्वारे द्वारे।
रंगोली से द्वार सजायेंगे।।
लड्डू और बर्फी का भोग लगायेंगे।
भजन राम लला के गायेंगे।।
500 वर्षो की कठिन तपस्या आज हुई साकार।
लाखों कार सेवकों के प्राणों की आहुति से मन्दिर हुआ तैयार।।
अयोध्या में राम मंदिर निर्माण नया युग बदलाव लाया है।
हर भारतीय को ढेरों बधाई।।

संध्या चतुर्वेदी

जय श्रीराम

मेरे मन में भी है राम
मेरे सुख में भी है राम
मेरे दुख में भी है राम
मेरे हर सुबह मे राम।
हर क्षण में भी है राम
राम,राम राम श्रीराम
श्रीरामचरितमानस का
हर पल करूं मैं बखान।
मेरे दिल में है श्रीराम
मेरे कर्म में है राम
मेरे हर सांसों में राम
मेरे मंदिर मे है राम।
हर सत्य में है राम
अयोध्या में है आने वाले
मेरे श्री राम, मेरे श्री राम
बोलो सीताराम बोलो सीताराम।
ऐसे लग रहा है जैसे आया
सतयुग राम मेरे राम
जय जय श्री राम
सबके पालनहार।
भारत भूमि पर पधारे हैं
मेरे श्री राम, मेरे श्रीराम
हर घर में हर मंदिर में
हमारे संस्कृति मे राम।
जय श्री राम जय श्री राम
हर तरफ खुशी छाई है
स्वागत है श्री राम
हर पत्थर में है राम।
प्रकृति के हर कण में
जय श्रीराम
सब दीप जलाओ
मेरे राम है आये।
फूल बरसाओ आए मेरे राम
खुशियों से गुंजा
मेरा ये संसार
सियापति रामचंद्र की जय।

डॉ.मुक्ता कान्हा कौशिक (मनु)

सम्पादकीय

हिन्दी Abroad

सोमनाथ से अयोध्या तक...

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी शामिल नहीं होंगी। कांग्रेस भले ही राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रहे। लेकिन कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वही गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण उसके एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है।

इतिहास के पन्ने पलटे तो स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार पटेल ने मुहम्मद गजनवी द्वारा तोड़े गए भगवान सोमनाथ के मंदिर का पुनः निर्माण कराया था। सोमनाथ मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने तक सरदार स्वर्गवासी हो गए तो कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन कराया। उस समय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के विरोध के बावजूद डॉ. राजेंद्र प्रसाद सोमनाथ गए।

वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति करते हुए केवल तुष्टिकरण का ही सहारा लिया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है। हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनए में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955-56 में हिंदू कोड बिल्स पास किए।

भीड़ से परे एक चेहरा

मारिया कौरिकोस - वह महिला जिसने कूड़े से कुछ नया बनाया

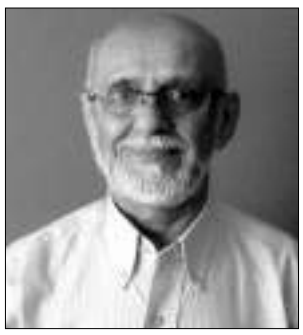

फिरोज़ ख़ान

बदलती दुनिया और इसमें रहने वाला हर व्यक्ति हर दिन कुछ नया चाहता है। मानव स्वभाव ही ऐसा है. वह हर पल कुछ नया चाहता है। कोई भी नया उत्पाद या तकनीक बाजार में आने के बमुश्किल छह महीने बाद बाजार में प्रवेश करती है। मोबाइल फोन देखें. हर साल एक नया अवतार बाजार में आता है। और हां, कुछ लोगों और कंपनियों ने लोगों के इस नए प्यार की प्रकृति को पहले ही पहचान लिया है। और इसी लिए नया, नया देता रहते है। भारत में प्रतिभाशाली लोगों की कोई कमी नहीं है। खोजकर्ताओं की भी कोई कमी नहीं है. कमी केवल सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रोत्साहन की है। वित्तीय सहायता की है. भारत में ऐसे बहुत कम संस्थान हैं जो लोगों, छात्रों को कुछ नया करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। इस वजह से, कई प्रतिभाशाली लोगों के नए, नए विचारों की हर दिन भ्रूणहत्या हो रही है। कुछ संगठन ऐसे हैं जो 'प्रतिभा खोज' कार्यक्रम चलाते हैं लेकिन ये केवल शिक्षा तक ही सीमित हैं। अब विश्व और भारत में विशेष लोग कचरे का उपयोग पुनर्जनन के लिए करते हैं। हाल ही में एक वीडियो देखने को मिला जिसमें भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि हमारे तकनीशियन कचरे का उपयोग मजबूत सड़कें और राजमार्ग बनाने के लिए कर रहे हैं!

आज हम एक ऐसी लड़की के बारे में बात करने जा रहे हैं जिसने जिसे हम कचरा समझते हैं उसका इस्तेमाल कर करोड़ों रुपये का

बिजनेस खड़ा कर लिया है। हर साल लाखों कमा रही हैं!

लड़की का नाम मारिया कुरियाकोस है। अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने से पहले मारिया मुंबई में अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी कर रही थीं। 2019 में उन्होंने नौकरी छोड़ दी और अपना खुद का बिजनेस शुरू किया। दोस्तों कोई भी नया बिजनेस एक नए आइडिया के साथ शुरू होता है। यदि आपके पास थोड़ा अजीब विचार है और साथ ही कड़ी मेहनत करने की इच्छाशक्ति है, धैर्य है और हां, थोड़ा भाग्य पर भरोसा करें, तो देर-सबेर आपको अपने नए व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

भारत में शायद ही कोई घर, मंदिर या दरगाह हो जहां नारियल न आते हों। नारियल हमारी भारतीय जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। खाना पकाने से लेकर मंदिरों और दरगाहों तक इसकी मौजूदगी देखी जाती है। मैं विदेश में रह रहे भारतीयों की बात नहीं कर रहा हूं. तैयार खोपरा पाउडर यहां उपलब्ध है। लेकिन भारत में नारियल हर घर का सदस्य बन गया है। अब ये अलग बात है कि उनकी किस्मत में बलिदान देना लिखा है

नारियल का छिलका निकालने के बाद उसके कवचों को बेकार समझकर फेंक दिया जाता है। मारिया कलात्मक वस्तुएँ बनाने के लिए इन कवचों का उपयोग या पुनः उपयोग करती हैं। घरेलू सामान या घर की सजावट का सामान बनाती है।

2017 में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर्स पूरा करने के बाद, मारिया एक कॉर्पोरेट कंपनी में शामिल हो गई। 2020 में केरल में रिसर्च के दौरान उन्होंने देखा कि नारियल से तेल निकालने के बाद कवच को फेंक दिया जाता है. वहां उसे एक विचार आया. उन्होंने घरों, मंदिरों और दरगाहों पर जाकर इन कटोरे को इकट्ठा करना शुरू किया।

मारिया ने एक नया स्टार्टअप बनाया और इसका नाम %ठेंगा% रखा। यह स्टार्टअप आज नारियल के कटोरे से घरेलू और सजावटी सामान बना रहा है। मारिया हर साल एक करोड़ रुपये के उत्पाद बेच रही हैं।

अपने उत्पादों के बारे में जानकारी देते हुए मारिया कहती हैं कि उनके उत्पाद टिकाऊ और कीमत में सस्ते हैं। हम इन उत्पादों पर किसी भी रसायन का उपयोग नहीं करते हैं और इसलिए ये पर्यावरण को बिल्कुल भी नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। हम अपने उत्पादों में सुंदरता लाने के लिए नारियल तेल का उपयोग करते हैं। हमारे सभी उत्पाद लकड़ी के उत्पादों जितने ही मजबूत हैं आगे बोलते हुए वह कहती हैं कि आज उनके सारे उत्पाद भारत में ही बिकते हैं लेकिन अब उन्हें विदेशों से भी ऑर्डर मिलने लगे हैं। इसे अमेरिका, कनाडा और कई यूरोपीय देशों के अलावा अरब और खाड़ी देशों से भी ऑर्डर मिलते हैं। मारिया का कहना है कि आज उनके उद्योग में लगभग 40 लोग कार्यरत हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत महिलाएँ हैं! इसके साथ ही केरल के कारीगरों के सहयोग से अब इसने बड़े ऑर्डर लेना भी शुरू कर दिया है. मारिया के उपायों से स्थानीय गरीबों की आय में वृद्धि हुई है और उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

जगतगुरु रामभद्राचार्य अमृत महोत्सव

ललित गर्ग

देश में कितने ही पवित्र संत, गुरु, ऋषियों ने अपने दैवीय शक्ति, आनंद, प्राचीन ग्रंथों के ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान के साथ दुनिया को अलौकिक एवं चमत्कृत किया है, परम सत्ता से साक्षात्कार के लिये अग्रसर किया है। इनमें श्रद्धेय पद्म विभूषण जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज भी हैं, जिन्होंने श्रीरामचरित मानस एवं श्रीमद्भागवतजी का ऐसा प्रचार प्रसार किया और एक ऐसी आध्यात्मिक लहर चलायी है जिसने हर इंसान का जीवन ही बदल दिया है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा से पूर्व उनका अमृत महोत्सव भव्य रूप में आयोजित हो रहा है। टेंट से निकाल कर प्रभु को मन्दिर में प्रतिष्ठापित करने का श्रेय जिन महाशक्तियों को दिया जाता है, उनमें वे अग्रणी है और उनकी भूमिका अस्मिरणीय हैं।

दो वर्ष की आयु से ही नेत्रहीन जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्यजी का नाम हिंदू समाज में बड़े ही आदर सम्मान के साथ लिया जाता है। रामभद्राचार्यजी रामानंद संप्रदाय के चार प्रमुख जगद्गुरुओं में से एक हैं। हिंदू धर्म में साधु-संतों का खास महत्व रहा है। वे एक सच्चे, अद्वितीय और तपस्वी संत हैं, जिन्होंने अपने प्रवचनों और ज्ञान के भंडार से भक्तों को सही मार्ग बताकर उनके जीवन का उद्धार किया है। उन्होंने अपने गहन प्रेम और भक्ति के सहारे न केवल अपने प्रभु श्रीराम एवं बिहारीजी से स्वयं साक्षात्कार किया बल्कि अपने भक्तों को भी उनसे मिलवाया। एक अद्भुत छवि, एक अद्भुत जीवन, एक अद्भुत संत, एक विलक्षण कथावाचक के रूप में उनका जीवन तनावों की भीड़ में शांति का सन्देश है, समस्याओं एवं परेशानियों के बीच मुस्कुराहट का पैगाम है, चंचल चित्त के लिये एकाग्रता एवं प्रभु श्रीराम एवं श्रीकृष्ण-भक्ति की प्रेरणा है। वे दुनियाभर के कई लोगों के लिए एक आध्यात्मिक नेता और गुरु हैं। विश्व के अनेक राष्ट्रों सहित भारत में उनकी 1275 से अधिक श्रीराम चरितमानस एवं 1115 श्रीमद्भागवत पर कथाएं सम्पन्न हुई हैं। भारतीय वांगमय के लगभग डेढ़ लाख पृष्ठों का लेखन आपने किया है। उनके मस्तिष्क में डेढ़ लाख से अधिक श्लोक रचनाएं रची-बसी हैं। वे एक घंटे में सौ से अधिक श्लोक एवं चौपाइयां बनाने की क्षमता रखते हैं। हिन्दू संस्कृति और आध्यात्मिकता के बारे में उनका ज्ञान लोगों को आत्म-प्राप्ति और सर्वोच्च शक्ति के करीब महसूस करने में मदद करता है। वे अपने मधुर भजनों को सुनाते हैं, तो वह भक्तों को दिव्य शांति और प्रेम (भक्ति) की अनूठी दुनिया में ले जाता है

जगद्गुरु रामभद्राचार्य का जन्म 14 जनवरी 1950 को जौनपुर के

उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनका वास्तविक नाम गिरिधर मिश्र है। बचपन में ही आंख जाने के बाद उनके सामने समस्याएं काफी अधिक थीं। लेकिन उन्होंने अपनी शारीरिक विकलांगता को अपनी ताकत बनाया। दादा ने उन्हें प्रारंभिक शिक्षा दी। रामायण, महाभारत, विश्रामसागर, सुखसागर, प्रेमसागर, ब्रजविलास जैसे किताबों का पाठ कराया। विलक्षण प्रतिभा के धनी गिरधर ने महज तीन साल की उम्र में अपनी पहली रचना अपने दादा को सुनाई तो सब दंग रह गए। जब वे पांच वर्ष के हुए तो श्रीमद्भागवत गीता और आठ वर्ष की आयु में श्रीराम चरितमानस को पूरी तरह कठंस्थ कर लिया था। रामभद्राचार्य महान् शिक्षक, संस्कृत विद्वान, बहुभाषाविद, महामनीषी, कवि, लेखक, पाठ्य टीकाकार, कथावाचक, दार्शनिक, संगीतकार, गायक, नाटककार के रूप में भी जाने जाते हैं। उन्होंने संत तुलसीदास के नाम पर चित्रकूट में एक धार्मिक और सामाजिक सेवा संस्थान तुलसी पीठ की स्थापना की। वे चित्रकूट में ही जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय के संस्थापक और आजीवन चांसलर हैं। रामानंद संप्रदाय के चार जगद्गुरु में से वे एक हैं। वर्ष 1988 में उन्होंने यह पद धारक हैं। उनकी विलक्षण प्रतिभा एवं दैवीय क्षमताओं का हर कोई कायल है। वे अपने असाधरण कार्यों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव कल्याण को समर्पित किया। नेत्रहीन होते हुए भी उन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से कई भविष्यवाणियां की जिनमें कई सत्य हुई। वे केवल सुनकर ही सीखते हैं और बोलकर अपनी रचनाएं लिखवाते हैं। उन्होंने अपने विवेक प्रदीप्त मस्तिष्क से, विशाल परिकल्पना से, दैवीय शक्ति से प्रभु श्रीराम के जीवन के अन्तर्रहस्यों का उद्घाटन किया है। आपने जो अभूतपूर्व एवं अनूठी दिव्य दृष्टि प्रदान की है, जो भक्ति-ज्ञान का विश्लेषण तथा समन्वय, शब्द ब्रह्म के माध्यम से विश्व के सम्मुख रखा है, उस प्रकाश स्तम्भ के दिग्दर्शन में आज सारे इष्ट मार्ग आलोकित हो रहे हैं। आपके अनुपम शास्त्रीय पाण्डित्य द्वारा, न केवल आस्तिकों का ही ज्ञानवर्धन होता है अपितु नयी पीढ़ी के शंकालु युवकों में भी धर्म और कर्म का भाव संचित हो जाता है। ऐसा प्रतीत होता है आपका प्रभु से सीधा साक्षात्कार होता रहता है।

जुलाई 2003 में रामभद्राचार्य ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में श्रीराम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद विवाद मामले के अन्य मूल मुकदमा संख्या 5 में धार्मिक मामलों के विशेषज्ञ गवाह के रूप में गवाही दी । उनके हलफनामे और जिरह के कुछ अंश उच्च न्यायालय के अंतिम फैसले में उद्धृत किए गए हैं। अपने हलफनामे में, उन्होंने रामायण, रामतापनीय उपनिषद, स्कंद पुराण, यजुर्वेद, अथर्ववेद सहित प्राचीन हिंदू ग्रंथों का हवाला दिया, जिसमें अयोध्या को हिंदुओं के लिए पवित्र शहर और श्रीराम की जन्मस्थली बताया गया है। उन्होंने तुलसीदास द्वारा रचित दो रचनाओं के छंदों का हवाला भी दिया, जो उनकी राय में, विवाद के समाधान के लिए प्रासंगिक हैं। पहले उद्धरण में दोहा शतक नामक कृति के आठ छंद शामिल थे, जिसमें मुगल शासक बाबर द्वारा 1528 ईस्वी में विवादित स्थल पर एक मंदिर के विनाश और एक मस्जिद के निर्माण का वर्णन किया गया था, जिसने जनरल मीर बाकी को राम मंदिर को नष्ट करने का आदेश दिया था। जो सनातन धर्मियों द्वारा पूजा का प्रतीक माना जाता है।

सुप्रीम कोर्ट में राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद में रामभद्राचार्य की गवाही सुर्खियां बनी थीं। वेद-पुराणों के उद्धरणों एवं साक्ष्यों के साथ उनकी गवाही का कोर्ट भी कायल हो गया था। श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में वे वादी के तौर पर उपस्थित हुए थे, ऋग्वेद की जैमिनीय संहिता से उन्होंने उद्धरण एवं साक्ष्य दिया था। इसमें सरयू नदी के स्थान विशेष से दिशा और दूरी का बिल्कुल सटीक ब्योरा देते हुए रामभद्राचार्य ने श्रीराम जन्मभूमि की स्थिति बताई थी। कार्ट में इसके बाद जैमिनीय संहिता मंगाई गई। उसमें जगद्गुरु ने जिन उद्धरणों का जिक्र किया था, उसे खोलकर देखा गया। सभी विवरण सही पाए गए। पाया गया कि जिस स्थान पर श्रीराम जन्मभूमि की स्थिति बताई गई, विवादित स्थल ठीक उसी स्थान पर पाया गया। जगद्गुरु के बयान ने फैसले का रुख मोड़ दिया। सुनवाई करने वाले जस्टिस ने भी इसे भारतीय प्रज्ञा का चमत्कार माना। एक व्यक्ति जो देख नहीं सकते, कैसे वेदों और शास्त्रों के विशाल संसार एवं भण्डार से उद्धरण दे सकते हैं, यही ईश्वरीय शक्ति है। रामभद्राचार्य ने श्रीराम मंदिर के उद्घाटन और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा में विपक्षी दलों द्वारा न आने के मुद्दे पर कहा कि यह 'राजनीति' नहीं बल्कि मूर्खनीति है।'

Hindu Heritage Centre cordially invites you to

Shri Ramcharit Manas Akhand Paath

श्री रामचरित मानस अखण्ड पारायण

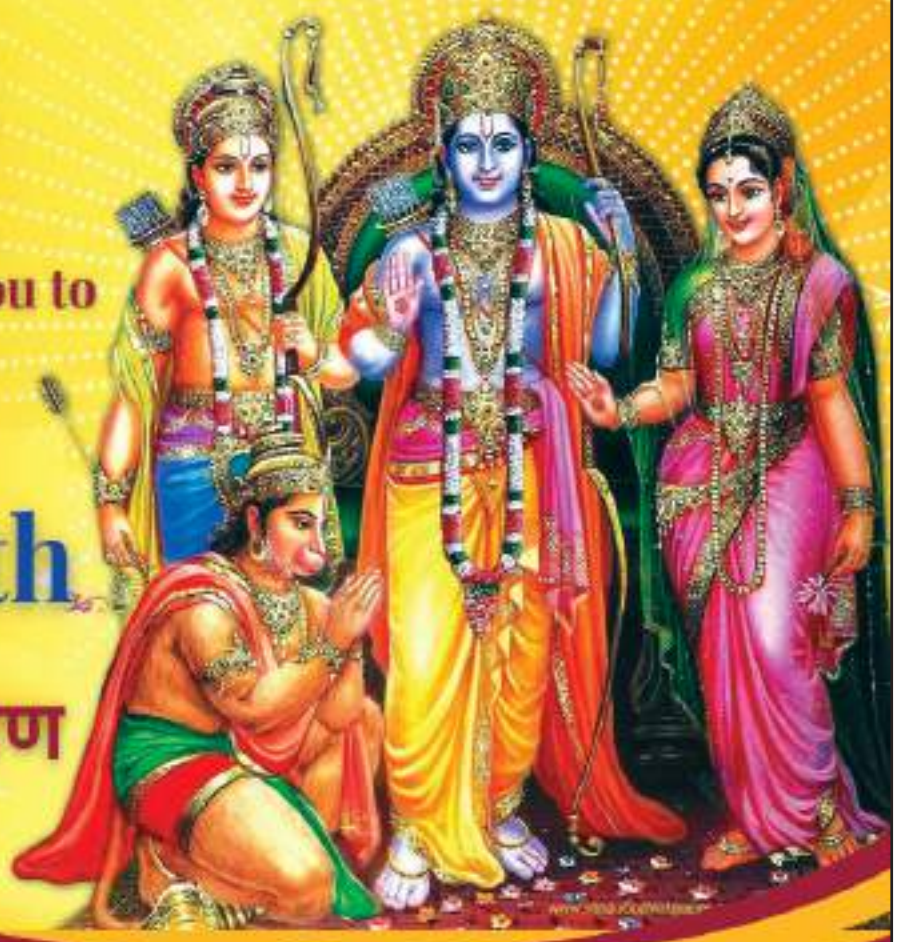

श्री राम मंदिर की स्थापना 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में की जा रही है , जो की विश्व भर के समस्त जन मानस के लिए बहुत ही हर्षोल्लास की घड़ी है | इस शुभ अवसर पर श्री रामायण अखंड पाठ व राम नाम कीर्तन मे आकार प्रभु श्री राम की कृपा प्राप्त करें |

Program | कार्यक्रम

Sunday, January 21, 2024
Shri Ramcharit Manas Akhand Paath Begins
4 pm followed by Priti Bhoj

रविवार, 21 जनवरी, 2024
श्री रामचरित मानस अखण्ड पारायण प्रारंभ
शाम 4 बजे, तदोपरान्त प्रीति भोज

Monday, January 22, 2024
Shri Ramcharit Manas Akhand Samapan
4 pm followed by Ram Naam Kirtan, Aarti
and Priti Bhoj

सोमवार, 22 जनवरी, 2024
श्री रामचरित मानस अखण्ड परायण विश्राम
शाम 4 बजे, तदोपरान्त राम नाम कीर्तन, आरती
व प्रीति भोज

On the occasion of the grand inauguration of Shri Ram Mandir in Ayodhya on January 22, 2024, a significant day for Hindus worldwide, join us for Shri Ramayan Akhand Paath & Ram Naam Kirtan to seek the blessings of Lord Ram.

Live stream on
Hindu Heritage Centre Mississauga

hinduvision.com
info@hinduvision.com

For more information please call HHC office at 905 369-0363 or Shashtri ji 416 457-0719

ध्यायन्तु भूतानि शिव मिथोध्या

May Everyone Think Good of Others

Matrimonial Networking Event 2024

Saturday, January 27

शनिवार, जनवरी 27

Event starts at 11:00 am

Registration between 10:30 am - 11 am

Hindu Heritage Centre

हिंदू सांस्कृतिक केंद्र

6300 Mississauga Road, Mississauga L5N 1A7

For more information please call HHC office at 905 369-0363 or Ajay Sharma at 905 699-8373

सोशल मीडिया एक्स पर

@RSSorg के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व सरकार्यवाह आदरणीय डॉ. सुरेश जोशी 'भय्याजी' जी के साथ आज लखनऊ में, हेरिटेज हैंडविविंग रिवाइवल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में 12 लाख से अधिक भक्तों के सहयोग से श्री रामलला हेतु निर्मित वस्त्रों के अर्पण कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। श्री रामलला के इन वस्त्रों हेतु ट्रस्ट की पूरी टीम को हृदय से धन्यवाद!-@myogiadityanath

'राम मंदिर के नाम पर कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति की', सीएम योगी बोले- 1989 में अयोध्या से चुनाव अभियान किसने शुरू किया

मंगलवार को हेरिटेज हैंडवीविंग रिवाइवल चैरिटेबल ट्रस्ट के एक अभिनव प्रयास के तहत देश के 12 लाख हस्तशिल्पियों द्वारा श्रीरामलला के लिए तैयार विशिष्ट वस्त्र को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपे जाने के अवसर पर अपने विचार रख रहे थे। मुख्यमंत्री आवास पर हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत में राम के बगैर कोई काम नहीं होता। जन्म हो तो अखण्ड रामायण का पाठ होता है, कोई अन्य मांगलिक कार्यक्रम हो तो रामनाम संकीर्तन। सोते, जागते, भोजन करते, हर्ष में, दुःख में शोक में यहां तक कि जीवन की अंतिम यात्रा में राम नाम का उच्चारण होता है।

तैयारी: 500 साल का संघर्ष अयोध्या में राम उत्सव

22 जनवरी को श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में रामलला के नव विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पर अपनी भावनाएं प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राम तो परमपिता परमेश्वर हैं, कण-कण में व्याप्त हैं, लेकिन अयोध्या जी में नव्य मंदिर में राम के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा लोकआस्था और जनविश्वास की पुनर्प्रतिष्ठा है। 500 वर्षों तक श्रीरामजन्मभूमि का मुद्दा कभी दबा नहीं। कभी पूज्य संतों ने तो कभी राजे-रजवाड़ों ने तो कभी धर्मयोद्धाओं ने, अलग-अलग कालखंड में लोगों ने इस विषय को जीवित रखा। संघर्ष जारी रखा। बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे, बिना झुके, मिशन बनाकर लड़ते रहे। ऐसा उदाहरण किसी अन्य प्रकरण के लिए अन्यत्र कहीं नहीं देखने को मिलता।

विशेष संवाददाता

राम नाम महिमा की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस किसी ने भी राम का नाम लिया वह तर गया। दैवीय योनि में जन्म लिया हो, सामान्य मानव के रूप में जन्म पाया हो या फिर अधम योनि में। जिसने राम को भजा वह हनुमान की तरह तर गया और जो भागा वह मारीच की तरह पशुवत मारा गया। उन्होंने कहा कि प्रभु राम, धर्म अर्थ, काम और मोक्ष यानी चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति के माध्यम हैं। राम जैसा कोई नाम नहीं। यह अकेला ऐसा नाम है जो आजीविका का साधन भी है। हजारों कथाव्यास, रामकथा का पाठ कर लाखों लोगों को जोड़कर रखते हैं। यह उनकी आजीविका का माध्यम भी है और रामभक्तों के जीवन को संवारने का साधन भी।

'नए भारत की नई अयोध्या आ चुकी है हर कोई अयोध्या जाने के लिए इच्छुक'

वही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के विकास को लेकर कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद हेलीकॉप्टर सेवा भी शुरू करेंगे। रोड कनेक्टिविटी रेलवे की डबल लाइन जुड़ रही है अंदर का इंफ्रास्ट्रूर 4 लेन का हो गया, इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन गया, सरयू नदी क्रूज चलेगा ये कल्पना भी नहीं थी आज चलता है। अब अयोध्या में कोई गोली नहीं चलाएगा कोई कर्फ्यू नहीं लगेगा । गोली नहीं लड्डू के गोले मिलेंगे । अयोध्या को लेकर किसी को धैर्य नहीं खोना है अयोध्या पूरी दुनिया में आगे बढ़ाना है।

■ प्रभु राम, धर्म अर्थ, काम और मोक्ष यानी चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति के माध्यम - मुख्यमंत्री

भगवान राम के नाम से ही आजीविका चलती : सीएम योगी

लाखों कथाव्यास राम के नाम को इस अभियान से जोड़कर रखते हैं सबको पता है अगला वक्तव्य क्या है लेकिन फिर भी लोग रामकथा सुनने के लिए घंटों बैठते हैं।आज लोग अपने घरों में एक साथ 5 मिनट नहीं बैठते सबके पास स्मार्ट फोन उसी में लगे रहते ह। लेकिन वही लोग 3 घंटे राम कथा सुनने जाते हैं।

अयोध्या को आज गौरव के अनुरूप मिला रहा सम्मान

अयोध्या में जारी विकास कार्यों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अयोध्याजी अपने गौरव के अनुरूप सम्मान प्राप्त कर रहीं हैं। गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, हर जगह से बेहतर कनेक्टिविटी है। लखनऊ से तो जल्द ही हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने जा रहे हैं। आज सरयू में क्रूज चल रहे हैं, अयोध्याधाम में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा संचालित है। >> (शेष पेज 06 पर)

BRAMPTON

सिटीजन अवॉर्ड्स

60

2023 के ब्रैम्पटन सिटीजन अवॉर्ड्स के लिए और ब्रैम्पटन के निवासियों को सम्मानित करने के 50 वर्षों का जश्न मनाने के लिए, किसी खास निवासी को नामांकित करें

अधिक जानकारी के लिए और ऑनलाइन नामांकित करने के लिए,
www.brampton.ca/citizenawards
पर जाएं

नामांकन की अंतिम तिथि 16 फरवरी, 2024 है

थोड़ा-सा बचाव बहुत मायने रखता है

चूंकि सर्दी आ रही है और लोग इनडोर रहते हैं, पील पब्लिक हेल्थ (Peel Public Health) आपको याद दिलाती है:

यदि आप बीमार हैं, तो घर में ही रहें, यदि आप रह सकते हैं
खांसते या छींक मारते समय अपने मुंह को ढक लें
समय पर वैक्सीन लगवाएं

फ्लू और कोविड-19 वैक्सीन, फैमिली डॉक्टरों, फार्मेसियों और पब्लिक हेल्थ क्लिनिकों में उपलब्ध हैं।

स्वस्थ रहने या मुलाकात बुक करने हेतु मदद के लिए अधिक सुझावों हेतु, peelregion.ca पर जाएं।

Peel Region
working with you

उर्वशी रौतेला का पार्टी लुक इंटरनेट पर वायरल

उर्वशी रौतेला एक्टिंग और मॉडलिंग दोनों ही दुनिया में काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अपनी बोल्ड इमेज

और स्टाइलिश गेटअप के लिए सुर्खियां बटोरती रहती हैं। हाल ही में उर्वशी आनंद पंडित की बिर्थ्दय पार्टी में दिखीं जहां उन्होंने अपने शानदार लुक से सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। बॉलीवुड इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेस के बारे में चर्चा की जाए जो अपने ग्लैमर्स से फैंस के दिलों की धड़कने बढ़ाती रहती हैं तो उसमें उर्वशी रौतेला का नाम जरूर शामिल होगा। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ टच में रहती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपने अकाउंट पर शनिवार को एक इवेंट से तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में उर्वशी रौतेला ब्लैक कलर की स्टाइलिश आउटफिट में दिखाई दे रही हैं। फैंस उर्वशी रौतेला की इन लेटेस्ट तस्वीरों के देखकर उनके हुस्न के दीवाने हो रहे हैं और वे उनकी इन फोटो पर जमकर लाइक और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। दरअसल एक्ट्रेस फेमस फिल्माकर आनंद पंडित के जन्मदिन पर उनकी पार्टी में पहुंची थीं। इस पार्टी में बी-टाउन के कई सेलेब्स नजर आए थे। गदर 2 स्टार सनी देओल की फिल्म सिंह साहब द ग्रेट से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वालीं उर्वशी रौतेला अपनी फिल्मी करियर में ग्रेट ग्रांड मस्ती और सनम रे जैसी कई मूवीज में नजर आ चुकी हैं।मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि एक्ट्रेस साउथ सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी संग फिल्म कांतारा 2 में अहम किरदार प्ले करती नजर आ सकती हैं।

अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में खरीदा प्लॉट

अमिताभ बच्चन उन प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक हैं जिन्होंने अपने अभिनय कौशल और आकर्षण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। कई प्रतिष्ठित फिल्मों में अभिनय कर चुके दिग्गज अभिनेता ने कथित तौर पर अयोध्या में 14.5 करोड़ रुपये की जमीन खरीदी है। मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या दुनिया के सबसे बड़े पर्यटन स्थलों में से एक बनकर उभरने जा रही है। सरकार और जनता को

यहां बड़ी आर्थिक गतिविधियों की उम्मीद है। इसके चलते यहां जमीन की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, अमिताभ बच्चन ने मुंबई स्थित डेवलपर कंपनी द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के जरिए अयोध्या में एक प्लॉट खरीदा है। यह प्लॉट द सरयू नामक 7 सितारा बहुउद्देश्यीय एक्सक्लेव में स्थित है। अयोध्या में प्लॉट खरीदने को लेकर अमिताभ बच्चन का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या एक ऐसा शहर है जो मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। अयोध्या की शाश्वत आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक समृद्धि ने एक भावनात्मक संबंध बनाया है जो भौगोलिक सीमाओं से परे है। यह अयोध्या की आत्मा में एक हार्दिक यात्रा की शुरुआत है, जहां परंपरा और आधुनिकता मूल रूप से सह-अस्तित्व में हैं। उन्होंने कहा कि वह वैश्विक आध्यात्मिक राजधानी अयोध्या में अपना घर बनाने के लिए उत्सुक हैं।

AVADH LAW
LEGAL CONSULTANCY IS OUR PATRONAGE
Anup Srivastava
BARRISTER, SOLICITOR & NOTARY PUBLIC
For Excellent Quality Legal Services In:
REAL ESTATE
ESTATE AND WILLS
FAMILY LAW
CIVIL LITIGATION
NEW ADDRESS
609-5770 Hurontario Street, Mississauga, ON L5R 3G5
P: 905-501-8590, F: 905-501-0481, E: anup@avadhlaw.com, W: www.avadhlaw.com

Mr SENY
International Renowned Marabout
Specialist in Family issues & Relationships, Ability to Reunite Familes & Loved ones, Brings Love Back in to Your Marriage & Relationships. Removes Black Magic, Provides, Business & Job Security. Success in Career & Court cases. DISCREET & CONFIDENTIAL.
I CAN PROVIDE SOLUTIONS FOR:
* Marriage Difficulties
* Domestic issues
* Family problems
* Depression
* Substance abuse
* Addiction
* Court cases
* Jinxes
* Demonic influences
* Anti social behaviour
* Good luck
* Success in business
* Spiritual guidance
* Job interviews
100% GUARANTEED
Do not suffer in silence any longer, contact Mr ABDUL if you feel your issue need swift and effective solution.
Call for 1 FREE QUESTION
437-265-8671

South Asians in Ontario
celebrates
75th Republic Day of India
Cultural Program & Dinner
January 28, 2024 at Bombay Palace
(200 Advance Boulevard, Brampton)
For more information, please contact:
Sam Chopra: 647-234-3555 Subhash Chand: 437-777-7744
Basu Bose: 416-729-9806 Neeraj Chopra: 905-302-7199
Rajan Sharma: 647-221-7016

सलमान खान और आलिया भट्ट की जगह लेंगे शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण?

मनोरंजन उद्योग के मनमौजी फिल्म निर्माता, संजय लीला भंसाली, जिन्होंने हम दिल दे चुके सनम, बाजीराव मस्तानी, पद्मावत, देवदास, रामलीला, गंगूबाई काठियावाड़ी और अन्य जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, वर्तमान में ओटीटी के पोस्ट-प्रोडक्शन डेब्यू हीरामंडी में व्यस्त हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी से पहले, फिल्म निर्माता सलमान खान और आलिया भट्ट के साथ अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना इंशाल्लाह शुरू करने वाले थे, लेकिन कुछ मतभेदों के कारण फिल्म को रोक दिया गया। अब, नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, एसएलबी शाहरुख खान के साथ

परियोजना को पुनर्जीवित कर रहा है और संभावना है कि दीपिका पादुकोण भट्ट की जगह लेंगी और एसआरके और डीपी को जवान और पठान में प्रशंसकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिली हैं। पिंकविला के एक सूत्र ने खुलासा किया ÷इंशाअल्लाह आज के समय में संजय लीला भंसाली के लिए एक नई दिशा में एक कदम है और यहां तक कि वह गहन पीरियड ड्रामा से पीछे हटकर एक हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी की तलाश में हैं। पिछले कुछ महीनों में एसएलबी ने शाहरुख से कई बार मुलाकात की है। यह एक कहानी और चरित्र है जो शाहरुख खान के व्यक्तित्व के अनुकूल है और वह उसे बोर्ड पर लाने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

हीरामंडी की बात करें तो वेब शो में ऋचा चड्ढा, सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी और संजीदा शेख प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसका प्रीमियर विशेष रूप से नेटफ्लिक्स पर होगा। नेटफ्लिक्स द्वारा पहले की गई घोषणा में कहा गया था, ÷एक और समय, एक और युग, संजय लीला भंसाली द्वारा बनाई गई एक और जादुई दुनिया जिसका हिस्सा बनने के लिए हम इंतजार नहीं कर सकते। यहां सहीरामंडी की खूबसूरत और दिलचस्प दुनिया की एक झलक है। जल्द आ रहा है !÷

इस बीच, शाहरुख ने पठान, जवान और डंकी के साथ 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म का आनंद लिया है, जिसने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर कुल मिलाकर 2500 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है।

ऋतिक रोशन की लक्ष्य से लेकर फाइटर तक

आज मनाए जाने वाले सेना दिवस के मौके पर बॉलीवुड ने अपने देश की रक्षा के लिए भारतीय सेना और उसके वीर जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए बेहतरीन फिल्में बनाकर देशभक्ति की ओर कदम बढ़ाया है। इन फिल्मों को देखकर हर देशवासी का सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है और देशभक्ति जाग जाती है। आइए एक नजर डालते हैं उन फिल्मों पर जो दिखाती हैं सैनिकों का जज्बा।

1. लक्ष्य

लक्ष्य 18 जून 2004 को रिलीज़ हुई थी। यह फिल्म एक किशोर करण शेरगिल की कहानी बताती है, जिसके पास कोई लक्ष्य नहीं था। लेकिन एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने उन्हें सेना में शामिल होने और अपने देश की सेवा करने के लिए दृढ़ संकल्पित कर दिया। फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में हैं।

2. बॉर्डर

इस फिल्म के गाने सुनकर आज भी लोग पुरानी यादों में खो जाते हैं। 1997 में रिलीज हुई यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। जे.पी.दत्ता द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सनी देओल, सुनील शेट्टी, अक्षय खन्ना, जैकी श्रॉफ और कुलभूषण खरबंदा जैसे अन्य कलाकार थे।

3. एलओसीः कारगिल

2003 में रिलीज़ हुई, एलओसीः कारगिल, यह फिल्म भारतीय सेना पर आधारित है और इसका निर्देशन जे.पी.दत्ता ने किया है। फिल्म में संजय दत्त, अजय देवगन और अभिषेक बच्चन ने अभिनय किया था।

4. उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक

उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक 2019 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म 2016 में उरी बेस पर हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक की कहानी बताती है। भारतीय सेना ने उरी घटना का बदला लेने के लिए पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक भी की थी। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं।

5. शेरशाह

शेरशाह 12 अगस्त 2021 को रिलीज हुई थी। यह फिल्म परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा की बायोपिक पर आधारित है। यह फिल्म कारगिल युद्ध के दौरान लड़ने वाले भारतीय सैनिकों की बहादुरी का जश्न मनाती है। इसमें विक्रम बत्रा के अलावा कई वीरों की वीरता को प्रस्तुत किया गया है. फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं।

6. फाइटर

फाइटर एक आगामी फिल्म है जो 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर भी हैं, फिल्म में करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय, तलत अजीज और आमिर नाइक भी हैं। दूसरों के बीच में। फाइटर एक योजनाबद्ध हवाई एक्शन फ्रेंचाइजी में पहली फिल्म के रूप में काम करती है।

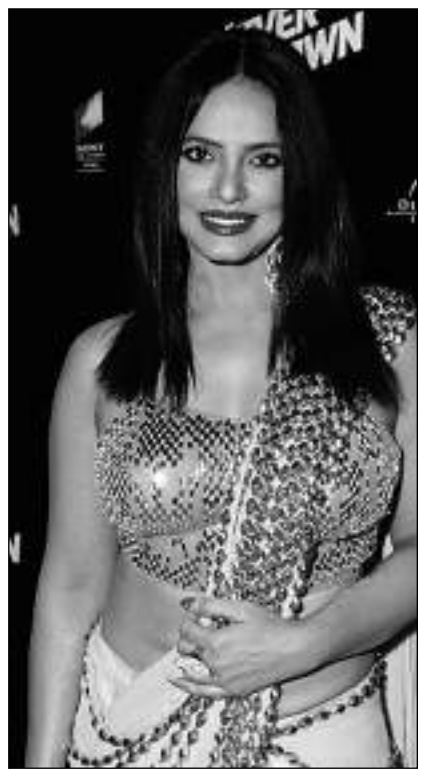

अमेरिका के 10 शहरों में उमराव जान अदा के किरदार को परफॉर्म करेंगी नीतू चंद्रा श्रीवास्तव

जानी मानी अभिनेत्री नीतू चन्द्रा श्रीवास्तव अमेरिका के 10 शहरों में उमराव जान अदा के किरदार को परफॉर्म करेंगी। नीतू चंद्रा श्रीवास्तव इन दिनों संगीत नाटक उमराव जान अदा को लेकर उत्तरी अमेरिका के दौरे पर हैं।यह नाटक मिर्ज़ा हादी रुसवा के उपन्यास पर आधारित है,जिसके निर्देशक राजीव गोस्वामी एवं संगीतकार खय्याम और सलीम सुलेमान है। इस नाटक में नीतू चन्द्रा श्रीवास्तव उमराव जान अदा के किरदार को 10 शहरों में ग्लोबल स्टेज पर परफॉर्म करती नजर आएँगी। नीतू चन्द्रा श्रीवास्तव ने अपने ऑफिसियल एक्स (ट्विटर) हैंडल पर लिखा कि मैं इसको लेकर बेहद उत्साहित हूं।अब आप सबों की शुभकामनाओं की जरूरत है। नीतू चन्द्रा श्रीवास्तव ने अपनी तस्वीर के साथ लिखा कि यह मेरे लिए जितना रोमांचक है, उतना ही नर्वस करने वाला भी है। ऐसे में आपकी शुभकामनाओं और आशीर्वाद की जरूरत है। यह आयोजन इसी साल

अप्रैल के महीने में अमेरिका के 10 शहरों में आयोजित किये जाने वाले है। शो का ड्यूरेशन 2 घंटे 20 मिनट का होने वाला है और हर शहर में 3 शो आयोजित किया जाएगा।

पुलवामा हमले के रिवेंज में की गयी बालाकोट एयरस्ट्राइक पर फिल्माई गयी है फाइटर

मेकर्स ने आखिरकार ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की बहुप्रतीक्षित फिल्म फाइटर का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर की शुरुआत ऋतिक रोशन की आवाज से होती है, जो कहते हैं, %फाइटर वो नहीं जो टारगेट अचीव करता है, फाइटर वो है जो ठोक देता है।% अगले दृश्य में अनिल कपूर को दिखाया गया है जो एक घातक आतंकवादी हमले के बाद भारत का बदला लेने के लिए भारतीय वायुसेना अधिकारियों की एक टीम को इकट्ठा करते हैं। वह अपनी टीम से इसे अपना मिशन बनाने और एक ऐसा परिवार बनने के लिए कहते हैं जो युद्ध के दौरान उनकी मदद करेगा। ट्रेलर में ऋतिक और दीपिका को जबरदस्त एक्शन दृश्यों में हेलीकॉप्टर

और फाइटर जेट उड़ाते दिखाया गया है।

पुलवामा आतंकी हमले के इर्द-गिर्द कहानी

ट्रेलर में पूरी टीम भारत को दुश्मनों से बचाने के मिशन पर है। फिल्म 14 फरवरी 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले की अलसी कहानी के इर्द-गिर्द बनीं हैं। फिल्म में पाकिस्तान में की गयी बालाकोट एयर स्ट्राइक को दिखाया गया है। जहां भारतीय सैनिकों मे फाइटर जेट से बमबारी की थी। फिल्म में शानदार देशभक्ती डायलॉग है जो रोंगटे खड़े कर देते हैं। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की केमिस्ट्री और उनकी नोक-झोंक देखते ही बनती है। शेर खुल गए, इश्क जैसे कुछ सहित गानों में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की केमिस्ट्री इतनी शानदार है कि प्रशंसक उनके दीवाने हो जाते हैं। पूरी टीम के साथ उनका सौहार्द चमकता है और उनमें सर्वश्रेष्ठ को सामने लाता है। जबरदस्त एक्शन और फाइटिंग सीक्वेंस और वंदे मातरम गीत इसे और भी उग्र बना देता है। ऋतिक रोशन ने स्क्वाड्रन लीडर शमशेर पठानिया उर्फ पैटी की भूमिका निभाई है।

रामायण में राम की प्रासंगिकता

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

आदिकवि महर्षि वाल्मीकि संस्कृत के सर्वोत्कृष्ट कवि माने जाते हैं। उन्हें संस्कृत के प्रथम कवि होने का दर्जा भी प्राप्त है। महाकाव्य रामायण उनकी ऐसी अनुपम कृति है, जिसमें महानायक राम के संपूर्ण जीवन का चित्रण किया गया है। काव्य के तात्विक दृष्टि से रामायण एक पूर्ण एवं उत्कृष्ट महाकाव्य है। विश्वसाहित्य में इसका अद्वितीय स्थान है। कविवर वाल्मीकि ने रामायण में राम को एक आराध्य निरूपित किया है। उन्हें भगवान माना है। परमात्मा की संज्ञा दी है। अब यदि रामायण के शीर्षक की उपयुक्तता पर प्रकाश डालें तो विभिन्न मत हो सकते हैं। एक कवि होने के नाते शीर्षक के नामकरण के सम्बन्ध में ऋषिवर वाल्मीकि को स्वतंत्रता थी ही; यानी उन्होंने क्या सोचकर रामायण नाम रखा होगा, यह उनके आंतरिक विचारों पर निर्भर करता है। पर मैं यहाँ अपनी अल्पमति अनुसार शीर्षक की उपयुक्तता पर बात रखना चाहूँगा; इससे पहले यह मानता हूँ कि शब्द ÷ रामायण ÷ दो शब्दों से मिलकर बना है। राम और आयन। राम अर्थात राम। आयन का अभिप्राय- चारित्रिक विशेषता यानी गुण-अवगुण। विज्ञान की भाषा में पॉजिटिव एवं निगेटिव। इसका जिक्र मैं इसलिए कर रहा हूँ, क्योंकि मैं रामायण को आधुनिक परिवेश की पृष्ठभूमि पर रखकर उसके शीर्षक की उपयुक्तता पर टिप्पणी करना चाहता हूँ। अब मैं राम की सकारात्मक व निषेधात्मक दोनों मानवीय तथ्यों पर एक साथ लेखनी चलाना चाहूँगा। इसके लिए मुझे न केवल पाठकों के प्रशंसा का पात्र बनना पड़ सकता है; बल्कि मैं उनकी भर्त्सना का शिकार भी हो सकता हूँ।

कविश्रेष्ठ वाल्मीकि ने रामायण में राम को श्रद्धा व भक्ति के पात्र के रूप में चित्रित किया है। साथ ही, अन्य पात्रों ने भी उन्हें प्रभु, स्वामी व नाथ जैसे सम्मानजनक शब्दों से संबोधित किया हैं। परंतु राम ने स्वयं को भगवान नहीं माना है। स्वयं को केवल एक पुरुष के रूप में स्थापित किया है। वे अपने पुरुषार्थ के कारण भगवान कहलाए। यह बात बिल्कुल सही है। अब बात आगे बढ़ती है कि राम ने स्वयं को पुरुष माना , तो उनकी चारित्रिक विशेषताओं में सदुण व अवगुण के समावेश में स्वाभाविकता है। रामायण में ऐसे कई प्रासंगिक घटनाएँ हैं, जो राम को एक महान पुरुष व्यक्त करते हैं। तभी तो वे मर्यादा पुरुषोत्तम विभूषित हुए।

वाल्मीकि की रामायण में राम को श्रेष्ठ बनाए रखना पाठक के सकारात्मक सोच पर निर्भर करता है। यदि पाठक की समीक्षात्मक दृष्टि स्वीकारात्मक है, तो राम में गुण ही गुण नजर आते हैं। राम सदुणों का भंडार हैं। एक दूसरा पहलू आता है राम का अवगुण अर्थात निगेटिविटिज़। क्षमा करें। मेरी बातों को अन्यथा न लेवें। मैंने पूर्व में ही कहा है कि राम रामायण के महानायक होने से पहले एक पुरुष है; एक व्यक्ति है। अतएव एक

व्यक्ति के चरित्र में अवगुणों के होने की भी सम्भावना है। अब इसके लिए पाठक को व्यंग्य, निषेध एवं आलोचना जैसी पैनी नजर रखनी होगी।

रामायण की कथानक से अवगत होता है कि बाल्यावस्था से ही राम अपने मृदुल व्यवहार से माता-पिता, अनुज, गुरुजन सहित अयोध्या वासियों के प्रिय रहे। महर्षि विश्वामित्र के साथ राम का मिथिला-प्रस्थान का मधुर प्रसंग उन्हें आज्ञाकारी गुरुभक्त-शिष्य प्रमाणित करता है। एक दूसरी बात आती है कि राम का अपने माता-पिता व प्रजा का स्नेह भाजन बने रहने का कारण उनका मधुर व्यवहार नहीं; अपितु माता-पिता को बुढ़ापे में प्रथम पुत्र रत्न की प्राप्ति तथा जनता को भावी राजा का मिलना भी तो हो सकता है। है ना ? विवाहोपरांत अपनी पत्नी सीता के साथ उनका व्यवहार उनके श्रेष्ठ पतित्व को दर्शाता है। माता के आज्ञानुसार पिता महाराज दशरथ की आज्ञा से चौदह वर्ष के लिए राम वनगमन कर एक आज्ञापलक पुत्र कहलाए। राम में कुछ खास बात तो रही होगी, तभी तो वनवासिनी शबरी उन्हें अपनी कुटिया में पाकर धन्य हो गयी। राम ने भी शबरी के झूठे बेर खाकर उनके आथित्य को सहृदय स्वीकारा। एक दूसरा प्रसंग आता है, राम के चरणों के स्पर्श से पाषाण से नारी बनना राम की कृपा ही क्यों, संयोग भी तो कहा जा सकता है।

राम में कुछ खास बात तो थी ही, तभी तो कपिकुमार हनुमंत के द्वारा उनके वानरराज सुग्रीव, जामवंत, अंगद आदि से कराई मैत्री से राम ने अपना जीवन सफल माना। अपने ही देश लंका से निष्कासित विभीषण को शरण देना सचमुच राम की महानता तो थी।

राम का वनगमन वृद्ध पिता का त्याग नहीं हुआ ? अपने साथ छोटे भाई लक्ष्मण व पत्नी सीता को वन ले जाने में उनकी इच्छा नहीं रही होगी ? वन में ऋषि-मुनियों की सहायता करने में भी तो उनके वन्यकाल व्यतीत करने की सहजता की अनुभूति भी हो सकती है। पंचवटी में सीता की जिद पर एक मृग का पीछा करना राम का पत्नीप्रेम उचित है ? यह स्वयं पर नारी का हावी होना नहीं हुआ ? पंचवटी में सीता की अनुपस्थिति में अनुज लक्ष्मण को फटकारना उन्हें शोभा देता है ? जबकि लक्ष्मण को सीता के कठोर वचन सुनकर विवश होना पड़ा था। राम की सुग्रीव से मित्रता में राम का निजी स्वार्थ नहीं था ? राम के द्वारा बालि को इस तरह मारना वध नहीं; हत्या थी।

लंकापति रावण से युद्ध न करने का राम का हर प्रयास सराहनीय रहा। रावण से उनके नीतिपूर्ण संवाद में शत्रुता बिल्कुल नहीं झलकती थी। पर अंततः युद्ध ठन ही गया। बड़ा भयंकर ऐतिहासिक युद्ध हुआ। राम की युद्धनीति में पवित्रता थी; और हाँ, रणभूमि राम की वीरता की साक्षी भी रही है। राम शांति-धैर्य, शौर्य व पराक्रम के प्रतीक थे। फिर रावणवध के साथ युद्ध का अंत हुआ। राम ने विभीषण को लंका सौंपकर अपनी उदारता का परिचय दिया। राम का सीता की अग्निपरीक्षा के पश्चात दलबल सहित अयोध्या आगमन हुआ। अयोध्या में प्रजा की राम की नैनबिछायी प्रतीक्षा व उनका स्वागत-सत्कार राम के प्रति हार्दिक प्रेम को अवगत कराता है। परिवर्तित समयानुसार राम को सीता का त्याग करना पड़ा। प्रजा की भावनाओं का ख्याल रखते हुए राम ने लोक अपवाद की रक्षा की; तभी तो वे सही अर्थों में पुरुषोत्तम कहलाए।

यह भी कहा जा सकता है कि युद्धांत में विभीषण को लंका सौपना राम की कोई उदारता नहीं थी, क्योंकि लंका पाने के लिए नहीं, बल्कि उन्होंने अपनी पत्नी सीता को छुड़ाने के लिए युद्ध किया था। यह कथ्य भी उचित ही है कि राम ने लंका को अपने अधीन नहीं किया, क्योंकि उनकी पैतृक संपत्ति निर्धारित नहीं हो पायी थी। लंका को अपना मान ही नहीं सकता, क्योंकि उनके पैतृक राज्य अयोध्या का विभाजन नहीं हुआ था। वे चार भाई जो थे। है ना ?

अयोध्या लौटकर राजा बनने पर राम की श्रेष्ठता पर फिर प्रश्न चिन्ह लग सकता है। चौदह वर्ष के बाद उन्होंने केवल माता के कहने मात्र पर जिस राजसिंहासन को ठुकरा दिया, उसी पर फिर विराजित हो गए। आखिर क्यों ...? फिर उनका गर्भवती पत्नी को त्यागना उचित था ? यह न्यायसंगत बिल्कुल नहीं था। अंत में पुत्र लव व कुश को लेकर अपनी आँखों के सामने ही सीता को अदृश्य होते हुए राम में रंजमात्र सदुण नजर नहीं आता। फिर क्या यह सम्भव हो सकता है कि पिता राम से लव-कुश को ममता मिली होगी ? माँ का प्यार मिला होगा ? दुलार मिला होगा ? इस तरह वाल्मीकि रामायण में राम की पात्रता पूर्णतः सार्थक है। रामायण के शीर्षक की उपयुक्तता सटीक है। रामायण एक ऐसी अतुलनीय रचना है, जिसमें राम अपने पौरुष के बल पर ईश्वर कहलाए। रामायण में सभी सांसारिक अच्छी बातें मिलती हैं। अंत में हमें स्वीकार करना पड़ता है कि रामायण एक ऐसा महाकाव्य है, जिसमें नीति और मर्यादा के पवित्र श्वेत पन्ने पर धर्म ,दर्शन एवं आध्यात्म की त्रिलेखनी चली है।

बद से बदतर हुई हवाई और रेल यात्रा

ऋतुपर्ण दवे

आम जन की यात्राओं की सुविधाएं के नाम पर संचालित सरकारी सेवाएं बेहद गैर जिम्मेदाराना व्यव्हार कर रही हैं। चाहे हवाई यात्रा हो या रेल, हर रोज करोड़ों लोग परेशान हो रहे हैं। इनमें वो भी हैं जिन्हें हर हालत में अपनी नियत तिथि पर वांछित गंतव्य पर पहुंचना होता है और वो भी जिन्हें दो कनेक्टिविटी के सहारे यात्रा पूरी करनी पड़ती है। भारत में सही समय पर यात्रा पूरी होने की न तो किसी की गारण्टी है और न ही कोई इस बदहाली को चुनौती ही दे सकता है।हर रोज पूरे देश में बड़ी संख्या में हवाई और रेल सेवाएं लेट-लतीफी का शिकार हो रही हैंष जिसके जवाब में प्री रिकॉर्डेड चार शब्द 'असुविधा के लिए खेद है' काफी हैं।इन दिनों तो घने कोहरे के चलते स्थिति और भी बद से बदतर है। देश में औसतन ढ़ाई से तीन हजार फ्लाइट्स रोजाना लगभग 4,56,000 यात्रियों को मुकाम तक पहुंचाती हैं। वहीं 8 अक्टूबर 2023 का एक आंकड़ा बताता है कि रेलवे रोजाना 22,593 ट्रेनें चलाता है जिनमें 13,452 यात्री ट्रेनोंसे औसतन 2.40 करोड़ यात्री सफर करते हैं,बांकी 9141 मालगाड़ियां हैं। बसों और निजी वाहनों से सफर करने वालों की संख्या जोड़ दें यह कई गुना बढ़ जाएगी।

अभीहवाई और रेल सेवा कोहरे के चलते ऐसी चरमराई हुई है कि पूछिए मत। अकेले दिल्ली से रोजाना 1400 उड़ानें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं। कोहरे से हालात यूं हैं किकई-कईदिन सूर्य देव दर्शन नहीं देते, कोहरा छाया रहता है। ऐसे क्या टेक ऑफ, क्या लैण्डसभी उड़ानों को रद्द, रिशेड्यूल या डायवर्ट करना पड़ता है। पूरे देश का यही हाल है। अभी दो दिन पहले 13 जनवरी को घने कोहरे केचलते मुंबई-गुवाहाटी उड़ान को बांग्लादेश के ढाका में इमरजेंसी लैंडिंग खातिर मजबूर होना पड़ा। इसमें फंसे यात्री बिना पासपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय सीमा तो पार कर गएलेकिन कई घण्टे हवाई जहाज में ही बैठे रहे।विदेशी धरती पर कैसे उतरते?कोहरे की मार से हमारे सभी हवाई अड्डे प्रभावित हैं।ऐसे में मंहगी और सही वक्त पर पहुंचने खातिर हवाई यात्राओं के भी कोई मायने नहीं।

कमोवेश इससे भी बदतर हालत यात्री ट्रेनों की है। कोहरे की मार से रोजाना आधे से ज्यादा रेल यात्री परेशान होते हैं।जहां कोरोना के चलते रद्द कई ट्रेन शुरू नहीं हो पाई वहीं जो चलीं वो भी कई तरह के सुधार और सुविधाओं के नाम पर रद्द, लेटया रिशेड्यूलहो रही हैं। बिलासपुर जोन नेतो ट्रेनों के रद्द करनेका देश में कीर्तिमान ही बना डाला। यहांकुछ सालोंमें हजारों जोड़ी ट्रेन रद्द हुई।कोयला, दूसरी खदानों व पॉवर सेक्टर वाले बिलासपुर जोन में आने-

जाने वाले लाखों यात्रियों को लेट-लतीफी या एकाएक कैंसल होने से असहनीय परेशानी होती है। अभी यात्री गाड़ियो खातिरकोहरे काबहाना है और मालगाड़ियां पूरी रफ्तार में हैं।

आखिरहवाई और रेल यात्रियों की सुध लेगा कौन?उनकी परिस्थिति और मानसिक स्थिति को कौन समझेगा? आगे की यात्रा के लिए दो-तीन घण्टे की मार्जिन रख, कनेक्टिंग फ्लाइट्स या ट्रेन की कंफर्म टिकट लेकर महीनों पहले अपना कार्यक्रम तय कर चुके लोग ऐन वक्त पर चार शब्दों के जवाब'असुविधा के लिए खेद है' से निपटा दिए जाते हैं और भुक्तभोगी अपना सिर नोचने के कुछ नहीं कर पाता।

चाहे विमानन सेक्टर हो या रेलवे इन्हें पता होता है किकब से कब कोहरा तो कब बारिश और कब गर्मी होगी। लेकिन जानकर भी न निपट पाने की ढ़िठाई इस हाईटेक और आर्टीफीसियल इण्टेलीजेंस के जमाने में समझ से बाहर है। कोहरे से कम विजिबिलिटी में विमान उड़ाने और उतारने के लिए पायलटों को सीएटी-3बी जैसे प्रशिक्षित होनाजरूरी है। इसमें मुख्य पायलट को 2,500 घंटे और को पायलट को 500 घंटे उड़ान का अनुभव हो।यह अत्याधिक खर्चीला है। कंपनियों को पायलट को सवैतनिक छुट्टी देकर दूसरे खर्च भी उठाने पड़ते हैं जो लाखों में होता है जो नहीं होता। कैट-3बी तकनीक के रनवे भी अलग बनते हैं ताकिघने कोहरे में भी विमान उतर सकें।ये देश में ज्यादा नहीं हैं। इसमें एडवांस्ड इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आइएलएस), एयरफील्ड ग्राउंड लाइट्स (एजीएल), मौसम संबंधी उपकरण जैसे ट्रांसमीसोमीटर, ऑटोमैटिक वेदर ऑब्जर्वेटरी स्टेशन (एडब्ल्यूओएस), सरफेस मूवमेंट रडार (एसएमआर) और अन्य नेविगेशनल उपकरण लगते हैं।सबका संचालन व रख-रखाव कठिन और खर्चीला है। अभी देश में कुल छःदिल्ली, जयपुर, अमृतसर, लखनऊ, कोलकाता और कैम्पागौड़ा हवाई अड्डेकैट-3-बी तकनीक से लैस हैं।सोचिए,दिल्ली में कैट-3-बी रनवे केवल एक है। इनमें50 मीटर की विजिबिलिटी पर विमान का उतराऔर 125 मीटर की विजिबिलिटी पर टेक-ऑफ किया जा सकता है।अभी अमूमन लैंडिंग खातिर 550 मीटर और टेक-ऑफ हेतु 300 मीटर विजिबिलिटीजरूरी है।

यही स्थिति रेलवे की है। इसी 4 जनवरी को सरकार के अधीन डीडी न्यूज ने अपनी वेबसाइट परशीर्षक 'कोहरे से ट्रेन यात्रा नहीं होगी प्रभावित, करीब 20 हजार फॉग डिवाइस से लैस हुई भारतीय रेलवे' से एक जानकारी अपलोड की। जिसमें बताया कि कोहरे से ट्रेन यात्रा प्रभावितनहीं होगी, क्योंकि20 हजार फॉग डिवाइस से भारतीय रेलवे लैस हो चुका है। आगे लिखा कि कोहरे के दौरान सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए 19,742 जीपीएस आधारित पोर्टेबल फॉग पास डिवाइस उपलब्ध कराए हैं।ये लोको पायलटों को सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग गेट और स्थायी गति प्रतिबंधों जैसे चिन्हित स्थलों के स्थान के बारे में ऑन-बोर्ड वास्तविक समय की जानकारी प्रदान कराता है। इस पहल को ट्रेन सेवाओं की विश्वसनीयता में सुधार, देरी को कम करने और समग्र यात्री सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी बताया।मध्य रेलवे में 560, पूर्वी रेलवे में 1103, पूर्व मध्य रेलवे में 1891, पूर्वी तटीय रेलवे में 375, उत्तर रेलवे में 4491, उत्तर मध्य रेलवे में 1289, पूर्वोत्तर रेलवे में 1762, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में 1101, उत्तर पश्चिम रेलवे में 992, दक्षिण मध्य रेलवे में 1120, दक्षिण पूर्व रेलवे में 2955, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 997, दक्षिण पश्चिम रेलवे में 60 और पश्चिम मध्य रेलवे में 1046 फॉग पास डिवाइस उपलब्धि का दावा भी किया।

लेकिन मौजूदा वास्तविकता से भला कौन रू-ब-रू नहीं है? सैकड़ों ट्रेनें रोजाना घण्टों क्या पूरे दिन की लेट-लतीफी सेंरेंग रही हैं। हवाई सेवा की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। उधर रेलवे,वरिष्ठ नागरिकों और कुछ जरूरी काम करने वालों को कोरोना से पहले दी जाने वाली छूट को समाप्त कर चुका है।

लाखों करोड़ रुपए के बजट वाले रेलवे ने वरिष्ठ नागरिकों की छूट समाप्तिसेबीते वर्ष केवल 1667 करोड़ रुपये की भारी रकम बचा, बचत का ढ़िंढ़ोरा पीट रही है।वहीं यह भी कि प्रत्येक रेल यात्री पर औसतन 53 फीसदी सब्सिडी देती हैजिसकी वर्ष 2019-20 की रकम 59000 करोड़रुपए है। पता नहीं केन्द्र का यह बताने का मकसद क्या है? ऐसे में क्या एक रेल यात्री जो हर रोज सफर नहीं करता है उसकी छूट का प्रचार क्यों? जबकि अब तो एक से एक मंहगी और तेज ट्रेनें पटरी पर आ गई हैं।

शासन द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए

श्रीरामलला के बालरूप के नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह

66 22 जनवरी को लोगों को प्रेरित कर घर-घर, संस्थानों इत्यादि में ज्योति जलाया जाए। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी जनपदो में आमजनमानस से 22 जनवरी को अयोध्या न जाने की अपील की जाए तथा पुलिस बल द्वारा विशेष सतर्कता तथा पेट्रोलिंग किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

निर्देश

अयोध्या.संवाददाता

मण्डलायुक्त श्री गौरव दयाल ने अयोध्या में दिनांक 22 जनवरी 2024 को प्रस्तावित भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दृष्टिगत शासन द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये है। उन्होंने बताया कि आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में श्रीरामलला के बालरूप के नूतन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा का बहुप्रतीक्षित समारोह होने वाला है। इसी माह 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन एवं 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह है।

- नावों द्वारा पेट्रोलिंग की जाए तथा नाविकों व यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
- उन्होंने अयोध्या आने वाले अतिथियों के आवागमन हेतु ग्रीन कोरीडोर की व्यवस्था की जाए।

66 निर्माण सम्बंधी कार्यो को प्रत्येक दशा में 18 जनवरी 2024 तक पूरा करें इसके बाद कोई भी निर्माण कार्य नही होगा। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां सम्बंधित विभाग पूरा करें तथा कोई भी मण्डलीय या सम्बंधित अधिकारी 22 जनवरी 2024 तक मुख्यालय नही छोड़ेगा।

एम्बुलेंस तथा केनों की विशेष व्यवस्था की जाए

अग्नि सुरक्षा की सुदृढ व्यवस्था करते हुये एम्बुलेंस तथा केनों की विशेष व्यवस्था की जाए। 22 जनवरी के बाद अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के दृष्टिगत प्रशासन द्वारा सुदृढ़ प्रबन्ध सुनिश्चत किये जाये। मण्डलायुक्त ने महर्षि बाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट से अयोध्या मार्ग को साफ सुथरा किये जाने तथा पूरे अयोध्या शहर को प्लास्टिक रहित किये जाने के निर्देश दिये है।

कानून व्यवस्था की दृष्टि से आने वाला समय अत्यंत संवेदनशील

कानून व्यवस्था की दृष्टि से आने वाला समय अत्यंत संवेदनशील है। ऐसे में सभी पुख्ता इंतजाम किये जायें। 16 जनवरी से 22 जनवरी 2024, एक सप्ताह तक हर देव मंदिर में श्री राम नाम संकीर्तन तथा अखण्ड रामायण का आयोजन किया जाए। सभी सरकारी इमारतों, स्कूल/कॉलेज को सजाया जाए। मण्डल एवं जनपद के सभी कार्यालयों तथा शिक्षण संस्थानों में भी विशेष सफाई का अभियान चलाया जाये। इससे प्लास्टिक एवं गंदगी की सफाई करके परिसर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाया जाए। ऊनी वस्त्रों, कम्बलों का वितरण किया जाए तथा सायंकाल हर घर, घाट/मंदिर में दीपोत्सव का कार्यक्रम किया जाए।

चार दर्जन से ज्यादा एल0ई0डी0 वाहन आगामी प्राप्त हुई

मा0 मण्डलायुक्त, मा0 जिलाधिकारी एवं मा0 सूचना निदेशक लखनऊ के निर्देश पर बताया है कि उप निदेशक सूचना डॉ0 मुरलीधर सिंह ने बताया है कि मा0 सूचना निदेशक उ0प्र0 के कार्यालय से प्राप्त सूचना के आधार पर अयोध्या जनपद को दिनांक 22 जनवरी 2024 श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह आदि के लिए जनपद को चार दर्जन से ज्यादा एल0ई0डी0 वाहन आगामी 26 जनवरी 2024 तक प्राप्त हुई है जो प्रचार एजेंसियो के माध्यम से संचालित होते है।

सुरक्षा बिन्दु को देखते हुये एलईडी की स्थापना की जायेगी

एल0ई0डी0 वैन के आपरेटर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियो, सत्ताधारी पार्टी के जनप्रतिनिधियो के निर्देशानुसार संचालित करेंगे तथा मा0 वरिष्ठ अधिकारियो, जनप्रतिनिधियो के निर्देश पर इसमें कोई परिवर्तन होगा तो तत्काल इस व्हाटसअप ग्रुप के माध्यम से जानकारी दी जायेगी तथा इसमें विशिष्टजनो के आगमन/प्रस्थान को ध्यान में रखते हुए किया जायेगा तथा आगामी दिनों में सूचना विभाग से और एल0ई0डी0 वाहन/एल0ई0डी0 वाल की कल दिनांक 15/16 जनवरी तक आने की सम्भावना है। शहर के अन्य स्थानों पर मा0 जनप्रतिनिधिगणों व पूज्य साधु-संतो एवं गणमान्य व्यक्तियों के मांग पर सुरक्षा बिन्दु को देखते हुये एलईडी की स्थापना की जायेगी। शहर के विभिन्न मंदिरों में सूचना एवं संस्कृति विभाग द्वारा रामायण पर आधारित लोक कलाकारों द्वारा कार्यक्रम किये जायेंगे। इस सम्बंध में उपनिदेशक सूचना के मोबाइल नम्बर 7080510637 पर जानकारी प्राप्त कर सकता है। लोक निर्माण विभाग/अयोध्या विकास प्राधिकरण/नगर निगम द्वारा मुख्य मार्गो पर स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था करने के लिए कहा है।

'सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए'

लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी से अयोध्या के राष्ट्रीय राजमार्गों को ग्रीन कोरीडोर के रुप में बनाया जाए जिससे किसी प्रकार का व्यवधान न हो। उन्होंने बस स्टैण्ड, स्टेशन एवं एयरपोर्ट, पार्किंग स्थल सहित शहर के अन्य प्रमुख स्थलों पर में आई हेल्प यू एवं खोया पाया केन्द्र स्थापित करते हुये इनमें कुशल कार्मिकों की तैनाती करने के निर्देश दिये।

प्रचार प्रसार हेतु संबंधित वाहनो को तैनात किया गया

इन एल0ई0डी0 वैनो को अयोध्या शहर के विभिन्न स्थानों यथा-गुप्तारघाट, कनक भवन, कारसेवकपुरम, रामकथा संग्रहालय, भजन संध्या स्थल, तुलसी उद्यान, अयोध्या धाम बस अड्डा, नगर निगम कार्यालय आदि के साथ-साथ तहसील यथा-मिल्कीपुर, बीकापुर, रूदौली व गोसाईगंज में तथा ब्लाक यथा-पूराबाजार, तारून, मयाबाजार, मिल्कीपुर, मवई, अमानीगंज, सोहावल, मसौधा, हरिंग्टनगंज व बीकापुर ब्लाक में तथा नगर पंचायत यथा-भरतकुण्ड, गोसाईगंज व कटरौली आदि के क्षेत्रो में प्रचार प्रसार हेतु संबंधित वाहनो को तैनात किया गया है।

उपनिदेशक ने यह भी बताया कि मीडिया सेन्टर की तैयारी अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय के प्रथम तल पर शुरू हो गयी है तथा यह भी 17 जनवरी 2024 को शुरु कर दिया जायेगा।

राम मंदिर आंदोलन की वजह से संन्यासी हूं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ.संवाददाता

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का श्रेय लेने के प्रयास के विपक्षी दलों के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन की वजह से वह सन्यासी हैं और मंदिर में जो भी सेवक बन कर आयेगा, उसका स्वागत किया जायेगा।

एक टीवी चैनल के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुये योगी ने बुधवार को कहा ÷हम श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठता समारोह का श्रेय नहीं ले रहे हैं। हम तो वहां सेवक बनकर जा रहे हैं। मंदिर का आमंत्रण कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत सबको मिला है। उन्हें राम मंदिर में आने से किसी ने रोका नहीं है। वो राम के सेवक बनकर आएं, जो राम का सेवक बनकर आएगा, उसका स्वागत है। राम मंदिर आंदोलन में हम सब बहुत पहले से जुड़े हैं। सच तो यह है कि राम मंदिर आंदोलन की वजह से मैं संन्यासी हूं।÷

उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उनके पूज्य गुरुदेव राम मंदिर के आंदोलन के अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं में से एक थे। उस कालखंड में भी उनके मन में इस आंदोलन का नेतृत्व था और गोरखपीठ उनके साथ थी। उनके गुरु, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में ये आंदोलन आगे बढ़ा था। अब रामलला प्रकट हो रहे हैं, इससे ज्यादा उत्साह की बात और क्या हो सकती है। योगी ने कहा हम लोग रामभक्त और राम के सेवक के रूप में मंदिर में मौजूद रहेंगे।

रामलला की प्रतिमा को मंदिर परिसर में भ्रमण कराया गया

अयोध्या.संवाददाता

श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य और दिव्य बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान में बुधवार को रामलला की मूर्ति को मंदिर परिसर में देर शाम प्रवेश करा कर भ्रमण कराया गया।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का धार्मिक अनुष्ठान प्रारम्भ हो गया है। पहले दिन प्रायश्चित और कर्मकुटी पूजन के लिये वाराणसी के वैदिक विद्वान रामसेवकपुरम् स्थित विवेक सृष्टि में पहुंचे। यहां मुख्य यजमान के रूप में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्रा या उनकी पत्नी ने विधि विधान से पूजन-अर्चन किया था। आज सरयू नदी से कलश भरकर महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली और श्रीरामजन्मभूमि मंदिर

परिसर में विश्व हिन्दू परिषद राष्ट्रीय महासचिव राजेन्द्र सिंह पंकज और श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े गोपाल जी को समर्पित किया।

कलश यात्रा में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की पत्नी नम्रता पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह भी पावन सरयू से कलश लेकर रामजन्मभूमि तक चलीं। वहीं श्रीरामजन्मभूमि में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा भव्य रूप से सम्पन्न हो इसके लिये अयोध्या की हजारों महिलाओं ने पूजा-पाठ किया। पहले दिन प्रायश्चित एवं कर्मकुटी पूजन के लिये वाराणसी के वैदिक विद्वान रामसेवकपुरम् स्थित विवेक सृष्टि में पहुंचे। यहां मुख्य यजमान के रूप में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्रा एवं उनकी पत्नी ने विधि विधान से पूजन-अर्चन किया था। इस दौरान रामलला की प्रतिमा का निर्माण करने वाले अरुण योगीराज भी मौजूद रहे।

22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला का नूतन विग्रह प्रधानमंत्री के हाथों से स्थापित करवाया जायेगा। विवेक सृष्टि से शुरू हुआ अनुष्ठान आगे श्रीरामजन्मभूमि में सम्पन्न हुआ। इसे सम्पन्न कराने के लिये देश भर से 121 विद्वान पहुंचे हैं। ये सभी विधि विधान काशी के विद्वान पं. गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ और पं. लक्ष्मीकांत दीक्षित की मौजूदगी में होगा। सभी शास्त्रीय परम्पराओं का पालन करते हुए सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान प्रारम्भ हो चुका है। भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा योग का शुभ मुहूर्त पौष शुक्ल कूर्म द्वादशी, विक्रम संवत 2080 यानी सोमवार 22 जनवरी को होगा। प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अभिजीत मुहूर्त में सम्पन्न किया जायेगा। यह प्राण प्रतिष्ठा पूर्व शुभ संस्कारों का प्रारम्भ 31 जनवरी तक चलेगा।

रामजन्मभूमि आंदोलन इतिहास में एक निर्णायक

एलके आडवाणी

अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए किया गया 'रामजन्मभूमि आंदोलन' 1947 के बाद के भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना सिद्ध हुई। हमारे समाज, राजनीति तथा राष्ट्रीय पहचान की भावना पर इसका गहरा प्रभाव रहा है। मैं शब्दातीत प्रफुल्लित हूँ कि हम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में एक भव्य श्रीराम मंदिर बनाने के मेरे सबसे प्रिय सपने को साकार होता देखने वाले हैं। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी अयोध्या के दिव्य मंदिर में श्रीराम के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा करेंगे। मैं धन्य हूँ कि मैं अपने जीवनकाल में इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनूँगा। मेरा सदैव मानना रहा है कि एक सार्थक जीवन और समाज, दोनों की ही नींव आस्था पर टिकी होती है। आस्था व्यक्ति के जीवन में न केवल ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करती है, बल्कि उसे दिशा देने में भी सहायक होती है। मेरे लिए और करोड़ों भारतीयों के लिए, यही आस्था श्रीराम के प्रति हमारी अगाध श्रद्धा रही है।

श्रीराम भारत की आत्मा के प्रतीक है। भारत और भारतीयता की सच्ची आत्मा अनुशासन, सच्चाई, सत्यनिष्ठा, नैतिकता, नैतिक मूल्य, विविधता को स्वीकार करना और उस पर गर्व करना, बड़ों के प्रति सम्मान, सुदृढ़ पारिवारिक संबंध और ऐसे सभी उत्कृष्ट मानवीय मूल्य है; श्रीराम इन सभी निष्कलंक मानवीय गुणों के प्रतीक हैं। इसीलिए उन्हें 'रामजन्मभूमि आंदोलन' कहा जाता है। वे भारतीयों की उच्च मूल्यों का जीवन जीने की आकांक्षा के एक आदर्श हैं।

श्रीराम एक आदर्श राजा भी थे 'धर्म' के जीवंत अवतार। इसलिए सुशासन के प्रतीक %रामराज्य% की अवधारणा को भारत के लिए आदर्श के रूप में प्रचारित किया गया। यद्यपि श्रीराम हिंदुओं के लिए पूजनीय पवित्र धार्मिक विभूति हैं, साथ ही वे भारत की उस सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय पहचान के भी एक प्रमुख प्रतीक हैं, जो समान रूप से प्रत्येक नागरिक की धरोहर है। श्रीराम के जीवन की कहानी, 'रामायण', भारत की सांस्कृतिक परंपराओं की निरंतरता का स्रोत और वाहक दोनों है और इसने शताब्दियों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी, भारतीय मानस को बहुत प्रभावित किया है। इसलिए पिछले लगभग 500 वर्षों से, कोटि-कोटि भारतीयों की हार्दिक इच्छा रही है कि अयोध्या में श्री राम मंदिर का पुनर्निर्माण हो।

अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए किया गया 'रामजन्मभूमि आंदोलन' 1947 के बाद के भारत के इतिहास में एक निर्णायक और परिणामकारी घटना सिद्ध हुई। हमारे समाज, राजनीति तथा राष्ट्रीय पहचान की भावना पर इसका गहरा प्रभाव रहा है।

मैंने सदैव कहा है कि मेरी राजनीतिक यात्रा में अयोध्या आंदोलन सबसे निर्णायक परिवर्तनकारी घटना थी, जिसने मुझे भारत को पुनः जानने और इस प्रक्रिया में अपने आप को भी फिर से समझने का अवसर दिया। मैं विनम्रता से कहता हूँ कि नियति ने मुझे 1990 में सोमनाथ से अयोध्या तक श्रीराम रथयात्रा के रूप में एक महत्त्वपूर्ण कर्तव्य निभाने का अवसर दिया।

मेरा मानना है कि कोई भी घटना अंततः वास्तविकता में घटित होने से पहले व्यक्ति के मन-मस्तिष्क में आकार लेती है। उस समय मुझे लग रहा था कि नियति ने यह निश्चित कर लिया है कि एक दिन अयोध्या में श्रीराम का एक भव्य मंदिर अवश्य बनेगा- बस अब केवल समय की बात है। रामजन्मभूमि पर श्रीराम का एक भव्य मंदिर बनना भारतीय जनता पार्टी की प्रबल इच्छा और दृढ़ संकल्प रहा है। 1980 के दशक के मध्य में जब अयोध्या मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया, तो मुझे वह समय याद आया कि कैसे महात्मा गांधी, सरदार पटेल, राजेंद्र प्रसाद और के.एम. मुंशी जैसे राजनीतिक दिग्गजों के प्रभावी नेतृत्व द्वारा, सभी बाधाओं के बाद भी, स्वतंत्र भारत में एक और ऐतिहासिक मंदिर (गुजरात में सौराष्ट्र के तट पर प्रभासपाटन में सोमनाथ मंदिर) के पुनर्निर्माण का पथ प्रशस्त किया था। मध्य काल में सोमनाथ अनेक विदेशी आक्रांताओं के निशाने पर रहा और उनके आक्रमणों का साक्षी भी रहा, तथा सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण अपने खोए सांस्कृतिक गौरव को वापस पाने और धर्मांध विदेशी आक्रांताओं के इतिहास को मिटाने के भारत के दृढ़ संकल्प का एक गौरवपूर्ण प्रमाण है। दुखद है कि सोमनाथ के समान ही, अयोध्या में श्रीराम के जन्मस्थान पर बना मंदिर भी मुगल साम्राज्य की स्थापना करने वाले आक्रमणकारी बाबर के हमले का निशाना बन गया था। 1528 में बाबर ने अपने कमांडर मीर बाकी को अयोध्या में एक मस्जिद बनाने का आदेश दिया, ताकि उस स्थान को %फरिश्तों के अवतरण का स्थान बनाया जा सके, इसलिए इसका नाम बाबरी मस्जिद पड़ा।

यह सभी मानते हैं और बाद में पुरातात्त्विक साक्ष्यों से इसकी पुष्टि भी हो गई कि अयोध्या में पहले से ही एक मंदिर था, जिसे मस्जिद की स्थापना के लिए ध्वस्त कर दिया गया था। इस कारण, कई अर्थों में अयोध्या आंदोलन ने सोमनाथ की भावना को ही आगे बढ़ाया। 1990 में जब भाजपा ने निर्णय लिया कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मुझे अयोध्या आंदोलन के लिए जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से श्रीराम रथयात्रा का नेतृत्व करना चाहिए, तो मैंने स्वाभाविक ही इस ऐतिहासिक यात्रा के आरंभिक स्थल के रूप में सोमनाथ को चुना।

12 सितंबर, 1990 को मैंने 11 अशोक रोड, नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और 10,000 किलोमीटर लंबी रथयात्रा करने के अपने निर्णय की घोषणा की। यात्रा 25 सितंबर को सोमनाथ से आरंभ होकर 30 अक्तूबर को अयोध्या पहुँचने वाली थी, जहाँ आंदोलन से जुड़े संतों की योजना के अनुसार कारसेवा की जानी थी। 25 सितंबर मेरे लिए विशेष था, क्योंकि इस दिन पं. दीनदयाल उपाध्यायजी की जयंती है।

अपनी आत्मकथा 'मेरा देश मेरा जीवन' में मैंने 1990 में अयोध्या आंदोलन और श्रीराम रथयात्रा के विषय में विस्तार से चर्चा की है। आज के इस विशेष अवसर पर में इसके कुछ महत्त्वपूर्ण अंशों को याद दिलाना चाहूँगा।

25 सितंबर, 1990 की सुबह मैंने सोमनाथ मंदिर में ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना की। मेरे साथ वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी (जो उस समय भाजपा के एक होनहार नेता थे), श्री प्रमोद महाजन (जो पार्टी के महासचिव थे), गुजरात में पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और मेरे परिवार के सदस्य थे। पार्टी के दो उपाध्यक्ष राजमाता विजयाराजे सिंधिया और श्री सिकंदर बख्त रथ को हरी झंडी दिखाने आए थे।

रथ को रवाना करने से पहले हम सभी ने मंदिर के ठीक बाहर सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मैंने मन-ही-मन उन सभी महापुरुषों को धन्यवाद दिया और उनसे प्रेरणा ली, जिन्होंने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए कड़ा परिश्रम किया था। स्वागत और आशीर्वाद देने के लिए एकत्र हुई भारी भीड़ के बीच हम श्रीराम रथ पर चढ़े, जिसे गेंदे के फूलों से सजाया गया था।

फिर गुंजायमान शंखनाद ओर जय श्रीराम व सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएँगे के गगनभेदी नारों के साथ रथ आगे बढ़ा। बाद के दिनों में ये नारे मेरी यात्रा की पहचान बन गए और भारत की स्वर कोकिला, स्वर सम्राज्ञी स्वर्गीय श्रीमती लता मंगेशकर द्वारा गाया गीत राम नाम में जादू ऐसा, राम नाम मन भाए; मन की अयोध्या तब तक सूनी, जब तक राम न आएँ- रथयात्रा का मुख्य गीत बन गया। गुजरात में पहले कुछ दिनों में ही यात्रा को मिले प्रतिसाद और उसके प्रति उत्साह से में वास्तव में अभिभूत था। सभी स्थानों पर भारी भीड़ ने रथ का स्वागत किया। गाँवों, कस्बों और यहाँ तक कि सड़कों पर भी, आस-पास की बस्तियों के लोग पेड़ों के नीचे इकट्ठा होकर रथ के आने की उत्सुकता से प्रतीक्षा किया करते थे।

हैदराबाद की कंपनी, तमिलनाडु के कारीगर और अयोध्या में वर्कशॉप...

ऐसे बने राम मंदिर में लगे स्वर्ण द्वार

अयोध्या के राम मंदिर में पहला स्वर्ण दरवाजा लगाया जा चुका है। यहां इस तरह के 13 और दरवाजे लगाए जाने हैं, जिसकी तैयारी चल रही है। इन स्वर्ण दरवाजों को हैदराबाद की कंपनी ने बनाया है। दरवाजों पर नक्काशी तमिलनाडु के कारीगरों ने की है, जिसके लिए अयोध्या में अस्थाई वर्कशॉप चल रहा है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। यहां तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। इसी कड़ी में श्री राम मंदिर में सोने का पहला दरवाजा लगाया गया है। यह दरवाजा हैदराबाद की कंपनी ने तैयार किया है। इसमें तमिलनाडु के कारीगरों ने मशक्कत की, जिसके लिए अयोध्या में इसे बनाने की पूरी तैयारी की गई। राम मंदिर के इन सोने के दरवाजों को हैदराबाद की 100 साल पुरानी कंपनी अनुराधा टिंबर तैयार कर रही है। राम मंदिर में लकड़ी के दरवाजे बनाए जा रहे हैं। इन दरवाजों के लिए अयोध्या में अस्थाई रूप से एक वर्कशॉप चल रही है, जिसमें ये गेट बनाए जा रहे हैं। इस वर्क शॉप में काम कर रहे शेखर

दास का कहना है कि जो दरवाजे बनाए गए हैं,

लकड़ी के दरवाजों पर तमिलनाडु के कारीगरों ने की है नक्काशी

राम मंदिर के दरवाजों की डिजाइन को लेकर विशेष ध्यान रखा गया है। हिंदू धर्म में जो शुभता के प्रतीक चिह्नों को उकेरा गया है। लकड़ी के दरवाजों पर नक्काशी तमिलनाडु के कारीगरों ने की है। दरवाजों पर नागर शैली के निर्माण की झलक भी देखने को मिलेगी। इन दरवाजों पर सोने की परत चढ़ाई गई है।

दरवाजों पर उकेरे गए हैं कमल दल, हाथी, झरोखे जैसे डिजाइन

मंदिर के गर्भगृह में मुख्य द्वारों की पूजा की जा चुकी है। गर्भगृह के दोनों तरफ दरवाजे लगाए जा रहे हैं। मंदिर निर्माण स्थल के पास वर्कशॉप चल रही है, जिसमें इन दरवाजों को तैयार किया गया है। इन दरवाजों पर कमल दल, हाथी, झरोखे जैसे डिजाइन बने हैं, जो भव्य दिख रहे हैं।

भगवान के भक्तों का अयोध्या पहुंचने का सिलसिला जारी

प्राण प्रतिष्ठा से पहले राम भक्त अयोध्या पहुंचने लगे हैं। यह सिलसिला जारी है। भगवान के भक्त अपने-अपने अंदाज में राम लला के लिए भेंट लेकर अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में यूपी के कन्नौज से कुछ भक्त इत्र-अगरबत्ती लेकर पहुंचे तो कुछ श्रद्धालु मध्य प्रदेश के रतलाम से चांदी का दीपक लेकर पहुंचे हैं।

अयोध्या में 8 फीट की जटायु की मूर्ति भी की गई है स्थापित

राम मंदिर के निर्माण के साथ ही कई कलाकारों ने कुछ ऐसा काम किया है, जिससे उनका नाम भी इतिहास में दर्ज हो गया है। गाजियाबाद के मूर्तिकार अनिल सुतार ने जटायु की विशाल मूर्ति तैयार की है, इस मूर्ति को उन्होंने 3 महीने की मशक्कत से बनाया है। जटायु की यह मूर्ति 8 फीट की है, जो अयोध्या पहुंचाई जा चुकी है। इस मूर्ति को दक्षिण पश्चिमी भाग में नवरत्न कुबेर टीला पर स्थापित किया गया है, इस जगह पर भगवान शिव के प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ है।

आई है आई शुभ घडी आई

आई है आई शुभ घडी आई
अयोध्या में खुशियाँ है छाई।

गाओ जी गाओ गीत बधाई
आयेंगे राम और सीता माई।

घंटी बजी और शंख बजा है
मंगल ध्वनी, अब है सुनाई।

आरती, वन्दन अभिनन्दन है
सब भक्त जन स्तुति है गाई।

हमारे राम का है राजतिलक
सारे नगर मे बाजे हैं बधाई।

कलश-कंगूरा दमकने लगी है
द्वार तोरण से नगर है सजाई।

चौंक-चौराहे, सवंरने, लगी है
सतरंगी रंगोलियाँ है मन भाई।

अतर ,गुलाल महकने लगी है
धुप-बत्ती दिसा-दिसा महकाई।

राममय हुई है सब जड़-चेतन
राम की धुन कण-कण में आई।

अशोक पटेल 'आशु'

आपका साप्ताहिक राशिफल

19 जनवरी से 25 जनवरी, 2024 तक

मेष

आपके लिए यह सप्ताह अपने उद्देश्यों को पूरा करने के अनेक अवसर देने वाला रहेगा। आपके सारे काम इस सप्ताह लाइन पर आ जाएंगे और आप मानसिक शांति महसूस करेंगे। पारिवारिक दौड़भाग थमेगी, विवादों का निपटारा होगा और आर्थिक प्रगति होगी। नौकरी में बदलाव की संभावना है किंतु यह लाभदायक रहेगी। नए बिजनेस प्रारंभ करेंगे। स्वास्थ्य लाभ इस सप्ताह प्राप्त होगा।

उपाय : इस सप्ताह माता दुर्गा आपकी रक्षक रहेंगी।

वृषभ

यह सप्ताह आपको कुछ अच्छा देकर जाने वाला है। आपके सारे अभाव और कमियां दूर होंगी और आप सुखद जीवन की ओर अग्रसर होंगे। धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। पारिवारिक जीवन में महत्व बढ़ेगा। नौकरी के नए माध्यमों की ओर बढ़ेंगे। नए बिजनेस में भी किए गए प्रयास सफल होंगे। इस सप्ताह आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। दांपत्य का टकराव भी दूर होने वाला है।

उपाय : इस सप्ताह श्री लक्ष्मीनारायण आपके आराध्य होंगे।

मिथुन

पारिवारिक और सार्वजनिक जीवन में आपको कोई सम्मान, पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। संपत्ति के निर्णय आपके पक्ष में रहेंगे। भाई-बहनों से संबंधों में सुधार आएगा। स्वास्थ्य की समस्या दूर होगी। किसी विशेष कार्य के पूरा हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा। पैसा आएगा और उसका उपयोग अपने परिवार की जरूरतें पूरी करने में लगाएंगे। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ने वाला है। विवाह योग बनेंगे।

उपाय : इस सप्ताह भगवान श्रीगणेश आपके संकट दूर करेंगे।

कर्क

यह सप्ताह उम्मीदों के नए अवसर लेकर आ रहा है। आपके सोचे हुए काम इस सप्ताह पूरे हो जाएंगे। किसी विशेष बाहरी व्यक्ति के सहयोग से काम पूरे होंगे। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और मन में प्रसन्नता रहेगी। धन तंगी दूर होगी। युवाओं को नौकरी के नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक संकटों का समाधान होगा। स्वास्थ्य में लाभ होगा। रोगों पर हो रहे खर्च में कमी आएगी। कर्ज मुक्ति होने के मार्ग खुलेंगे।

उपाय : इस सप्ताह शिवजी आपके संकटों का समाधान करेंगे।

सिंह

यह सप्ताह आपको मान-सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाने वाला रहेगा। किसी विशेष काम के पूरा हो जाने से आपके बड़े संकट दूर हो जाएंगे। धन आएगा और संपत्ति में निवेश करने की योजना बनेगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। दांपत्य जीवन का संकट दूर होगी। आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। सार्वजनिक जीवन में महत्व बढ़ने वाला है।

उपाय : भगवान सूर्यनारायण की आराधना करें, संकट दूर होंगे।

कन्या

सप्ताह आपको आगे बढ़ने और प्रसन्न होने के अनेक अवसर देने वाला है। करियर में तेजी से ग्रोथ करेंगे। नए काम प्रारंभ करके उनसे अच्छा लाभ अर्जित करेंगे। पैसों की कमी दूर होगी और अपनी पारिवारिक जरूरतें पूरी करने में सफल होंगे। स्वास्थ्यगत समस्याएं कम होंगी। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। दांपत्य जीवन में आपसी प्रेम बढ़ने वाला है। संतान पक्ष के काम सुगमता से होंगे।

उपाय : इस सप्ताह श्रीहरि विष्णु आपके आराध्य रहेंगे।

तुला

आपके लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहेगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन-मशीनरी के प्रयोग में सतर्कता बरतें। पारिवारिक समागम होगा। परिवार से मेलजोल बढ़ेगा। धन आएगा और उसका उचित निवेश करने की योजना बनेगी। पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। इस सप्ताह आप शैक्षणिक कार्यों में सफल होंगे। आपका राजपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी और व्यापार में उन्नति होगी।

उपाय : इस सप्ताह शिवजी आपके संकट दूर करेंगे।

वृश्चिक

धन-संपदा की प्राप्ति के लिहाज से यह सप्ताह आपको बहुत कुछ देने वाला है। आप जिन कामों को लेकर परेशान हो रहे थे वे इस सप्ताह सहजता से पूरे हो जाएंगे। धन तंगी नहीं रहेगी और जो काम पैसों की कमी के कारण अटक रहे थे वे भी चल पड़ेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आने से मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक साथ कहीं धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी और व्यापार में उन्नति करेंगे।

उपाय : इस सप्ताह माता दुर्गा आपकी आराध्य रहेंगी।

धनु

मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों से विवाद दूर होगा और उनके साथ किसी बड़ी परियोजना पर काम प्रारंभ करेंगे। संपत्ति की खरीदी-बिक्री पर जो स्वजन विवाद कर रहे थे उनसे बात करें, विवाद हल हो जाएगा। यात्राएं होंगी किंतु यात्राओं में सावधान रहना होगा। परिवार में किसी सदस्य का स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। अविवाहितों के विवाह की बात इस सप्ताह बन सकती है।

उपाय : इस सप्ताह हनुमानजी आपके आराध्य रहेंगे।

मकर

यह सप्ताह पारिवारिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण और निर्णायक साबित हो सकता है। जिन दंपतियों में टकराव चल रहा है, वो और भी बढ़ सकता है। आपसी बातचीत से विवाद हल करने का प्रयास करें। पैसों की तंगी थोड़ी बनी रहेगी। सार्वजनिक जीवन में कोई सम्मान मिल सकता है। नौकरी में बदलाव की संभावना बन रही है। किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं।

उपाय : इस सप्ताह भगवान दत्तात्रेय की आराधना करें संकट दूर होंगे।

कुंभ

आपकी उम्मीदें और सपने पूरे करने वाला रहेगा यह सप्ताह। किसी प्रिय मित्र, प्रेमी-प्रेमिका या परिवार के किसी प्रियजन से आपकी भेंट हो सकती है। इस सप्ताह आपको पैसों की कोई कमी नहीं रहेगी और आप अपनी सारी जरूरतें पूरी करने में सफल हो जाएंगे। नौकरी में आपका पद बढ़ सकता है। नए व्यापारिक अनुबंध करेंगे और नए स्टार्टअप में हाथ आजमाएंगे। लाभ होगा।

उपाय : प्रभु श्रीराम इस सप्ताह आपके संकटों को दूर करने आएंगे।

मीन

आपके लिए यह सप्ताह चुनौतियों के साथ अवसरों वाला रहेगा। पद-प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होगी और आप एक नई दिशा में उन्नत प्रयास करेंगे जो सफलता की ओर ले जाएंगे। आपका राजपक्ष इस सप्ताह मजबूत रहने से वो सबकुछ पा लेंगे जो आप चाहेंगे। करियर में उन्नति करेंगे। प्रियजनों से भेंट होगी और उनसे चर्चा होगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। किसी प्रिय की करीबी मन को प्रसन्न करेगी।

उपाय : इस सप्ताह श्री कृष्ण आपके आराध्य रहेंगे।

राष्ट्र के पुनर्निर्माण का आधार बनेगा राम मंदिर

प्रो. संजय द्विवेदी

आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। इसलिए आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था जब अयोध्या में राम लला टैंट में विराजमान थे, लेकिन आज राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण एक अनथक संघर्ष का प्रतीक है। अयोध्या यानि वह भूमि जहां कभी युद्ध न हुआ हो। ऐसी भूमि पर कलयुग में एक लंबी लड़ाई चली और त्रेतायुग में पैदा हुए रघुकुल गौरव भगवान श्रीराम को आखिरकार छत नसीब होने वाली है। राजनीति कैसे साधारण विषयों को भी उलझाकर मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। आक्रमणकारियों द्वारा भारत के मंदिरों के साथ क्या किया गया, यह छिपा हुआ तथ्य नहीं है। किंतु उन हजारों मंदिरों की जगह, अयोध्या की जन्मभूमि को नहीं रखा जा सकता। एक ऐतिहासिक अन्याय की परिणति आखिरकार ऐतिहासिक न्याय ही होता है। यह बहुत संतोष की बात है कि भारत की न्याय प्रक्रिया के तहत आए फैसले से मंदिर का निर्माण संपन्न हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अर्थ में गौरवशाली हैं कि उनके कार्यकाल में इस विवाद का सौजन्यतापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका।

इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और मंत्री रहे श्री दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही श्री अशोक सिंहल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपनी संगठन क्षमता से इस आंदोलन को जनांदोलन में बदल दिया। संत रामचंद्र परमहंस, महंत अवैद्यनाथ जैसे संत इस आंदोलन से जुड़े और समूचे देश में इसे लेकर एक भावभूमि बनी। तब से लेकर आज तक सरयू नदी ने अनेक जमावड़े और कारसेवा के प्रसंग देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम फैसले के बाद जिस तरह का संयम हिंदू समाज ने दिखाया वह भी बहुत महत्त्व का विषय है। क्या ही अच्छा होता कि इस कार्य को साझी समझ से हल कर लिया जाता। किंतु राजनीतिक आग्रहों ने ऐसा होने नहीं दिया। कई बार जिदें कुछ देकर नहीं जातीं, भरोसा, सद्भाव और भाईचारे पर ग्रहण जरुर लगा देती हैं।

दुनिया के किसी देश में यह संभव नहीं है उसके आराध्य इतने लंबे समय तक मुकदमों का सामना करें। किंतु यह हुआ और सारी दुनिया ने इसे देखा। यह भारत के लोकतंत्र, उसके न्यायिक-सामाजिक मूल्यों की स्थापना का समय भी है। यह सिर्फ मंदिर नहीं है जन्मभूमि है, हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का मानस क्या रहा होगा, कहने की जरूरत नहीं है। किंतु हर भारतवासी का राम से रिश्ता है, इसमें भी कोई दो राय नहीं है। वे हमारे प्रेरणापुरुष हैं, इतिहास पुरुष हैं और उनकी लोकव्याप्ति विस्मयकारी है। ऐसा लोकनायक न सदियों में हुआ है और न होगा। लोकजीवन में, साहित्य में, इतिहास में, भूगोल में, हमारी प्रदर्शनकलाओं में उनकी उपस्थिति बताती है राम किस तरह इस देश का जीवन हैं।

राम शब्द संस्कृत की 'रम' क्रीड़ायाम धातु से बना है अर्थात हरेक मनुष्य के अंदर रमण करने वाला जो चैतन्य-स्वरूप आत्मा का प्रकाश विद्यमान है, वही राम है। राम को शील-सदाचार, मंगल-मैत्री, करुणा, क्षमा, सौंदर्य और शक्ति का पर्याय माना गया है। कोई व्यक्ति सतत साधना के द्वारा अपने संस्कारों का परिशोधन कर राम के इन तमाम सद्गुणों को अंगीकार कर लेता है, तो उसका चित्त इतना निर्मल और पारदर्शी हो जाता है कि उसे अपने अंतःकरण में राम के अस्तित्व का अहसास होने लगता है। कदाचित यही वह अवस्था है जब संत कबीर के मुख से निकला होगा।

राम मंदिर के लिए 1 हजार वर्षों तक लड़े गए युद्ध

इतिहासकार मानते हैं कि 1130 और 1150 में गहड़वाल (गहरवार) राजपूत वंश के सम्राट गोविंदचंद्र ने श्री रामजन्मभूमि स्थल पर एक विष्णु मंदिर का निर्माण कराया. 1150 में उन्होंने विष्णु हरि शिलालेख में उद्धृत पूरे क्षेत्र में लगभग एक हजार कुओं, टैंकों, विश्राम गृहों का भी निर्माण कराया. 1184 में, राजा जयचंद्र गढ़वाल (गहरवार) ने स्वर्ण शिखरों के साथ अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का पुनर्निर्माण किया और इसे और भी भव्य बना दिया.

अयोध्या में राम मंदिर के लिए संघर्ष लगभग पांच शताब्दियों तक चला, जिसमें हजारों लोगों ने अपनी जान दे दी. कई राजवंश इसके लिए लड़ते हुए समाप्त हो गए और कई योद्धा भगवान राम के जन्मस्थान की रक्षा में फना हो गए. आज हम आपको बताने जा रहे हैं वो चौंकाने वाले ऐतिहासिक तथ्य जो राम मंदिर से जुड़े हैं. कनाडा के यॉर्क यूनिवर्सिटी से साउथ ईस्ट-ह्यद्दड्डठ स्टडीज में रिसर्च स्कॉलर युगेश्वर कौशल ने बताया कि कैसे करीब एक हजार साल पहले मिले शिलालेखों में राम मंदिर के अस्तित्व का पता चलता है.

इतिहासकार मानते हैं कि 1130 और 1150 में गहड़वाल (गहरवार) राजपूत वंश के सम्राट गोविंदचंद्र ने श्री रामजन्मभूमि स्थल पर एक विष्णु मंदिर का निर्माण कराया. 1150 में उन्होंने विष्णु हरि शिलालेख में उद्धृत पूरे क्षेत्र में लगभग एक हजार कुओं, टैंकों, विश्राम गृहों का भी निर्माण कराया. भारत में अक्सर गद्दार के नाम से पुकारे जाने वाले राजा जयचंद्र गहरवार, ऐतिहासिक तौर पर धर्मपरायण और महान योद्धा थे. पृथ्वीराज रासो जैसे काव्य में कई बातें सही नहीं लिखी गई और कुछ लोगों ने नफरती वजह से उनको गद्दार कहना शुरू कर दिया. उन्होंने ही मंदिर को सबसे बड़ा रूप दिया और सोने से लाद दिया था.

इतिहासकारों के मुताबिक त्रेता के ठकुर शिलालेख में उद्धृत है कि 1184 में, राजा जयचंद्र गढ़वाल (गहरवार) ने स्वर्ण शिखरों के साथ अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का पुनर्निर्माण किया और इसे और भी भव्य बना दिया. जयचंद्र भी आक्रांताओं से लड़ते वीरगति को प्राप्त हुए. 1528-30 के बीच हंसवार के राजा रणविजय सिंह और उनकी पत्नी जयकुमारी ने उस समय के अन्य राजपूत शासकों के साथ मिलकर राम जन्मभूमि पर मीर बाकी द्वारा बाबरी मस्जिद के निर्माण का पुरजोर विरोध किया. जन्मभूमि परिसर 15 दिनों तक रणविजय सिंह के नियंत्रण में रहा, उसके बाद यह बाबरी मस्जिद का हिस्सा बन गया. राजा, उनकी पत्नी और स्वामी महेश्वरानंदजी मुगल सेना से लड़ते हुए शहीद हो गए.

JOBS JOBS JOBS

EMPLOYMENT AGENCY LOOKING

JOBS JOBS

WANTED Men & Women, Part Time and Full Time
Jobs at Factories in Toronto, Mississauga,
Brampton, Scarborough Areas, (Loading and
Unloading, Packaging, Production Lines).

LDA CONSULTING
206-900 ALNESS STREET, NORTH YORK, ON M3J 2H6
Tel : 647-494-4479 437-244-7559

Big Bakery located on Jane/Wilson hiring general labour, forklift drivers,
line operators for full-time positions.
Contact us for more information
647-494-4479 437-244-7559

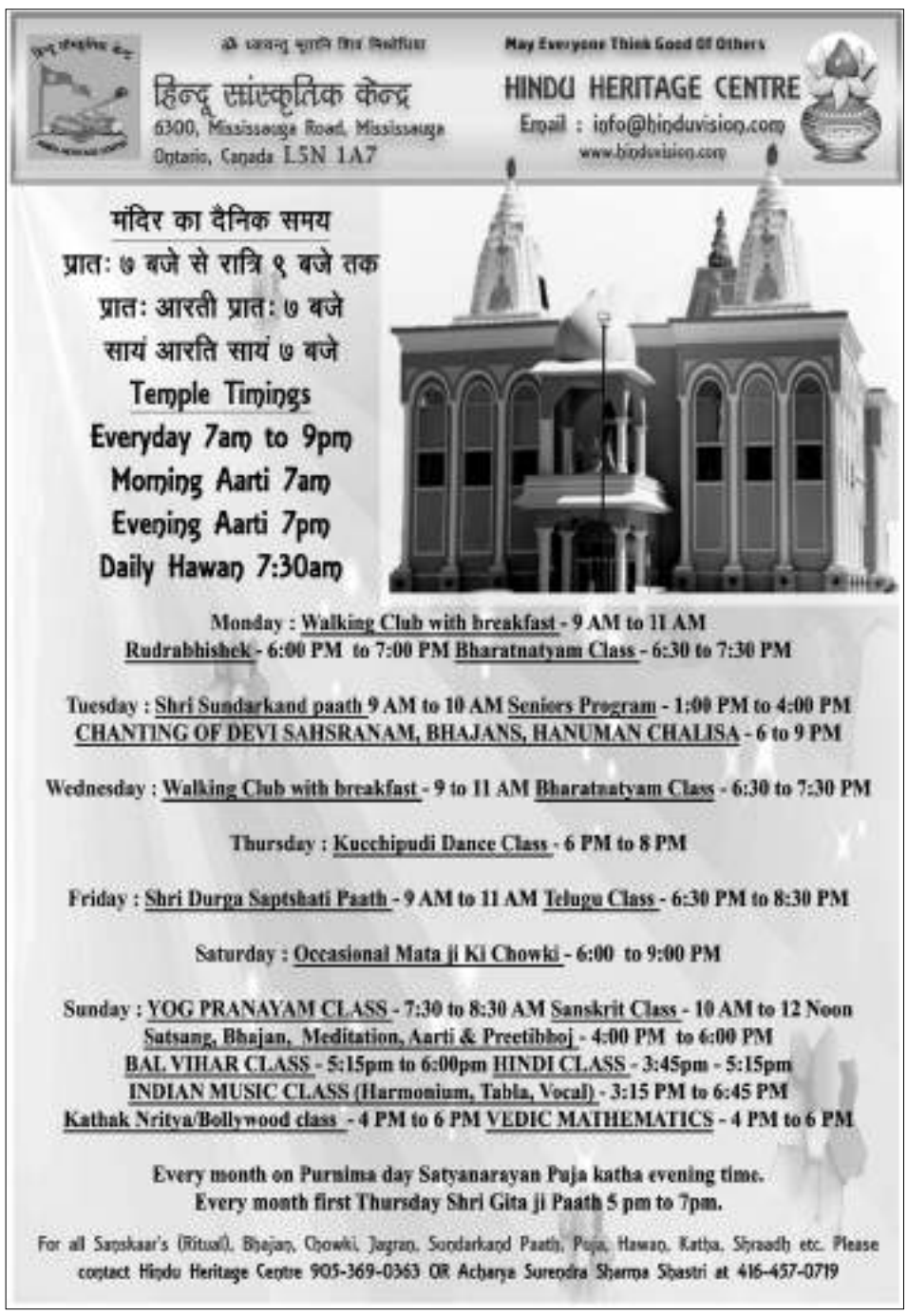

कैनेडा के सर्वश्रेष्ठ हिन्दी साप्ताहिक सामाचार पत्र

हिन्दी Abroad

में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
905–673–9929
Web : wwwhindiabroad.com

MATRIMONIAL

Male Hindu Age 32 Born and raised In India
Speaks Fluent Hindi and English,
BA Degree & Self Business Print Media & Electronic Media - Family Business is looking
Hindu & Punjabi Girl Ages 25 to 32
E-mail : **ajeetinfo2016@gmail.com**

Male Hindu 34/5.4
Professionaly qualified or well settled match from, India based business family for fair, slim, pretty, telented girl. of Mediam status, reputed hindu family.
Looking beautiful Girl,
please respond with full details.
Contact : 971832691 vikassaini@gmail.com

For Matrimonial Advertise

Contact : 905-673-9929

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में लिया बदला, ईरान कर दी बड़ी एयर स्ट्राइक

इस्लामाबाद.एजेंसी। इरान ने पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी जिससे भारत का पड़ोसी देश बौखलाया हुआ था। किसी बीच पाकिस्तान की मीडिया ने दावा किया है कि पाकिस्तान में ईरान में एयर स्ट्राइक कर आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। पाकिस्तानी मीडिया ने यह जानकारी नहीं दी है कि यह हमले कब और कहां किए गए हैं। इस कथित एयर स्ट्राइक को लेकर ईरान या पाकिस्तान ने कोई बयान जारी नहीं किया है। पाकिस्तान की मीडिया ने दावा किया है कि ईरान में बीएलए आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और बलूचिस्तान लिबरेशन फोर्स जैसी आतंकी संगठन ईरान में सक्रिय है जिसका दावा पाकिस्तान करता रहा है।

सीमा के पास 24 चीनी युद्धक विमान के नजर आने का दावा

ताइपे.एजेंसी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि खोजे गए विमानों में से 11 ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर गए थे या ताइवान के दक्षिण-पश्चिम और उत्तर (वायु रक्षा पहचान क्षेत्र) में प्रवेश कर गए थे। डेमोक्रेटिक ताइवान की अपनी सरकार, सेना और मुद्रा है लेकिन चीन इसे अपना क्षेत्र होने का दावा करता है और इसे अपने नियंत्रण में लाने के लिए बल का उपयोग कभी नहीं छोड़ा है। ताइपे के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि ताइवान के आसपास 20 से अधिक चीनी युद्धक विमानों का पता चला है, जिनमें से 11 स्व-शासित द्वीप को चीन से अलग करने वाली संवेदनशील मध्य रेखा को पार कर रहे हैं, जो सप्ताहांत के राष्ट्रपति चुनाव के बाद बल का पहला महत्वपूर्ण प्रदर्शन है।

रिपब्लिकन डिबेट हुई कैंसिल, निक्की हेली की दो टूक- केवल तभी लेंगी हिस्सा जब ट्रंप...

वाशिंगटन.एजेंसी

निक्की हेली ने कहा कि वो अगली रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की बहस में तब तक भाग नहीं लेंगी जब तक कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इसमें भाग नहीं लेते, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस गुरुवार के कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध एकमात्र उम्मीदवार हैं। हेली ने न्यू हैम्पशायर में प्रचार के दौरान जारी एक बयान में कहा कि इस अभियान में हमने पांच बड़ी बहसें की हैं। दुर्भाग्य से डोनाल्ड ट्रम्प ने उन सभी को चकमा दे दिया है। उसके पास छिपने के लिए कोई जगह नहीं बची है. मैं जो अगली बहस करूंगा वह या तो डोनाल्ड ट्रंप के साथ होगी या जो बिडेन के साथ होगी। मुझे इसकी आशा है। उनका बयान सभी महत्वपूर्ण आयोवा कॉकस के एक दिन बाद जारी किया गया था, जिसमें ट्रम्प ने हेली और डेसेंटिस दोनों पर व्यापक अंतर से जीत दर्ज की थी। आयोवा में दूसरे स्थान के लिए दोनों के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा चल रही थी, ऐसे में हेली ने अपने चुनावी तर्क को डेसेंटिस की तुलना में ट्रम्प के बारे में अधिक बताने की कोशिश की, बार-बार अपनी बात दोहराते हुए कहा कि उनकी उम्मीदवारी उस 'अराजकता' से एक बदलाव का संकेत देती है जो जीओपी के फ्रंट-रनर के पीछे है। यह कदम पिछली बहस का परिणाम भी हो सकता है जिसमें केवल हेली और डेसेंटिस शामिल थे, जिसमें हेली ने उम्मीद के मुताबिक अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था और अंततः डेसेंटिस ने उसे आयोवा में दूसरे स्थान के लिए हरा दिया। हेली ने कॉकसगोअर्स को तर्क दिया था कि उन्हें चुनने से रिपब्लिकन को नवंबर में बिडेन को हराने का बेहतर मौका मिलता है, सर्वेक्षण के आंकड़ों की ओर इशारा करते हुए कि उन्हें सैद्धांतिक आम चुनाव मैच में जीओपी क्षेत्र में सबसे बड़ी बढ़त के साथ दिखाया गया है। एक्स पर डेसेंटिस ने कहा कि हेली बहस करने से डरती है क्योंकि वह कठिन सवालों का जवाब नहीं देना चाहती है। उन्होंने उन पर ट्रम्प के उपराष्ट्रपति बनने की दौड़ का आरोप लगाया और कहा कि वह इस सप्ताह ग्रेनाइट राज्य में दो खाली मंचों पर बहस करने के लिए उत्सुक हैं।

हेली ने न्यू हैम्पशायर में प्रचार के दौरान जारी एक बयान में कहा कि इस अभियान में हमने पांच बड़ी बहसें की हैं। दुर्भाग्य से डोनाल्ड ट्रम्प ने उन सभी को चकमा दे दिया है। उसके पास छिपने के लिए कोई जगह नहीं बची है. मैं जो अगली बहस करूंगा वह या तो डोनाल्ड ट्रंप के साथ होगी या जो बिडेन के साथ होगी। मुझे इसकी आशा है।

यूक्रेन पर रूस के भीषण हमलों के कारण दिसंबर में हताहत हुए आम नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ी

संयुक्त राष्ट्र.एजेंसी

यूक्रेन में हाल में रूस के भीषण मिसाइल एवं ड्रोन हमलों के कारण हताहत हुए आम नागरिकों की संख्या में दिसंबर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और इस दौरान इन हमलों में 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है एवं करीब 500 लोग घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। यूक्रेन स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निगरानी मिशन ने बताया कि हताहत हुए आम नागरिकों की संख्या में पिछले महीने 26.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

उसने बताया कि यह संख्या नवंबर में 468 थी जो दिसंबर में बढ़कर 592 हो गई। संस्था ने कहा कि कुछ रिपोर्ट का सत्यापन होना अभी लंबित है इसलिए यह संख्या और बढ़ने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र निगरानी मिशन के प्रमुख डेनिएल बेल ने कहा, ''2023 में हताहत होने वाले आम नागरिकों की संख्या में लगातार कमी आ रही थी, लेकिन दिसंबर के अंत और जनवरी की शुरुआत में हमले बढ़ने के कारण संख्या में बढ़ोतरी हुई।'' संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि वह इन रिपोर्ट की पुष्टि कर रहा है कि यूक्रेन में 29 दिसंबर से जनवरी की शुरुआत तक किए गए रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों में 86 नागरिकों की मौत हुई है और 416 अन्य लोग घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवतावादी कार्यालय के संचालन निदेशक एडम वोसोर्नू ने पिछले बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया था कि 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से मारे गए आम नागरिकों की संख्या 10,200 से अधिक है, जिसमें 575 बच्चे भी शामिल हैं और घायलों की संख्या 19,300 से अधिक है।

इजरायल के बाद अब दोस्त रूस ने कर दिया बड़ा ऐलान

मालदीप.एजेंसी

मालदीव विवाद में इजरायल ने जिस तरह से भारत का साथ दिया उसने दुनिया को हैरान कर दिया। इजरायल ने भारत से दोस्ती निभाते हुए मालदीव की धज्जियां उड़ा दी। इजरायल ने दुनिया से कहा कि लक्षद्वीप घूमने जाइए। इजरायल ने तो यहां तक कह दिया कि लक्षद्वीप में निवेश करना चाहता है। लेकिन मालदीव विवाद के बीच भारत के एक और दोस्त रूस का भी बयान सुनने लायक है। रूस ने भारत का नाम लेकर जो कहा है वो मालदीव के रातों की नींद उड़ा सकता है। रूस ने भारत को एक बड़ा ऑफर दिया है। रूस भारत के साथ मिलकर एक एयरपोर्ट खरीदना चाहता है। ये एयरपोर्ट ऐसी जगह पर स्थित है जहां पर भारत, चीन और मालदीव दोनों को एक साथ शिकस्त दे सकता है। भारत जल्द ही रूस के साथ मिलकर एक बेहद ही रणनीतिक एयरपोर्ट खरीद सकता है। ये एयरपोर्ट श्रीलंका के मटाला शहर में स्थित है। इस एयरपोर्ट को मटाला राजपक्षे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम से जाना जाता है। सबसे दिलचस्प बात ये है कि ये एयरपोर्ट हंबनटोटा बंदरगाह से केवल 18 किलोमीटर दूर है। हंबनटोटा श्रीलंका का वो बंदरगाह है जिसपर चीन ने 99 साल तक के लिए कब्जा कर रखा है। यानी अगर भारत रूस के साथ मिलकर मटाला इंटरनेशनल एयरपोर्ट खरीद लेता है तो वो हंबनटोटा में बैठे चीन के बेहद करीब आ जाएगा।

दुनिया को पता चलने से 2 सप्ताह पहले चीनी वैज्ञानिकों ने की थी कोरोना वायरस की मैपिंग,द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में बड़ा दावा

वाशिंगटन.एजेंसी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा एक्सेस किए गए अमेरिकी कांग्रेस की जांच से संबंधित दस्तावेजों से पता चला है कि चीनी शोधकर्ताओं ने दिसंबर 2019 में बीजिंग द्वारा इसे दुनिया के सामने प्रकट करने से कम से कम दो सप्ताह पहले कोविड -19 वायरस की मैपिंग की थी। दस्तावेजों में कहा गया है कि चीनी शोधकर्ताओं ने 28 दिसंबर, 2019 को अमेरिकी सरकार द्वारा संचालित डेटाबेस में स्न्रस-ष्टश्ङ्क-2 वायरस का लगभग पूरा अनुक्रम अपलोड किया। हालांकि, चीनी अधिकारियों ने 11 जनवरी को ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ढ्ढाह्र) के साथ डेटा साझा किया। नया रहस्योद्घाटन घातक वायरस तक चीन की पहुंच के स्तर और आने वाले महीनों में लाखों लोगों की मौत का कारण बनने वाले प्रकोप को किस हद तक नियंत्रित किया जा सकता था, इसके बारे में सवाल उठता है, अगर दुनिया को इसके बारे में सिर्फ दो हफ्ते पहले ही पता चल जाता। अपनी सरकार के प्रशासनिक कदम का बचाव करते हुए, चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने यूएस डेली को बताया कि उनकी कोविड प्रतिक्रिया नीतियां ÷विज्ञान-आधारित, प्रभावी और चीन की राष्ट्रीय वास्तविकताओं के अनुरूप थीं।अधिकारी ने कहा कि चीन ने विज्ञान के आधार पर हमारी कोविड प्रतिक्रिया को और अधिक लक्षित बनाने के लिए इसे परिष्कृत करना जारी रखा है। चीनी वैज्ञानिक डॉ. लिली रेन 2019 में कोविड अनुक्रम अपलोड किया था। अंततः, डेटा को सरकारी डेटाबेस से हटा दिया गया और कभी प्रकाशित नहीं किया गया। बाद में, 12 जनवरी, 2020 को एनआईएच ने एक अलग स्रोत से प्राप्त एक ताजा कोविड वायरस प्रकाशित किया।

प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को अपनी 'रवांडा शरण योजना' को लेकर संसद में बगावत का सामना करना पड़ा

लंदन.एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को अपनी 'रवांडा शरण योजना' को लेकर संसद में मंगलवार को खुद की कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों की बगावत का समाना करना पड़ा। ब्रिटेन में शरण चाहने वालों को रवांडा भेजने की सुनक की योजना को लेकर कंजर्वेटिव पार्टी के वरिष्ठ सांसदों ने बगावती तेवर दिखाए। यह एक विवादास्पद और महंगी नीति है जिसे सुनक ने इस वर्ष चुनाव जीतने के अपने प्रयास के तहत केंद्र में रखा था। इस योजना को लागू करने के लिए उन्हें अपनी पार्टी को एकजुट करने की ज़रूरत है, जो जनमत सर्वेक्षणों में विपक्षी दल लेबर पार्टी से बहुत पीछे है। कंजर्वेटिव पार्टी का उदारवादी और गैर उदारवादी धड़ा रवांडा योजना को लेकर आमने-सामने है। सुनक को झटका देते हुए कंजर्वेटिव पार्टी के दो उपाध्यक्षों ने कहा कि वे इस सप्ताह हाउस ऑफ कॉमन्स में सरकार के अहम रवांडा सुरक्षा विधेयक को सख्त बनाने के लिए मतदान करेंगे। ली एंडरसन और ब्रेंडन क्लार्क-स्मिथ ने घोषणा की कि वे रवांडा निर्वासित करने के खिलाफ शरण चाहने वालों के लिए अपील के रास्ते बंद करने का प्रावधान करने वाले संशोधनों का समर्थन करेंगे। एक अन्य विद्रोही एवं पूर्व आव्रजन मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने कहा कि केवल 'सबसे मजबूत कार्रवाई' ही संभावित प्रवासियों के लिए 'टिकाऊ निवारक' बनेगी।

निशानेबाज विजयवीर सिद्धू ने भारत को 17वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत 12 स्वर्ण, 10 रजत और आठ कांस्य पदक से तालिका में शीर्ष पर है। उसके बाद सात स्वर्ण के साथ चीन दूसरे स्थान पर है। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सिफत कौर सामरा और आशी चौकसी ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। सिफत, आशी और ओलंपियन अंजुम मौदगिल ने इससे पहले फाइनल में प्रवेश किया। आशी ने 588 अंक से चौथे स्थान पर रहकर क्वालीफाई किया जबकि अंजुम और सिफत प्रत्येक ने 586 अंक से क्रमशः छठे और सातवें स्थान से क्वालीफाई किया था।

भारत के विजयवीर सिद्धू ने शनिवार को यहां एशिया ओलंपिक क्वालीफायर की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश को 17वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया। इस तरह वह 25 मीटर रैपिड फायर में पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाकर सीनियर साथी अनीश भानवाला के साथ शामिल हो गये। अनीश ने पिछले साल कोरिया के चांगवान में एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इस स्पर्धा का ओलंपिक कोटा हासिल किया था। पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में टीम कांस्य पदक विजेता 21 वर्ष के विजयवीर को कोटा हासिल करने के लिए पदक जीतने का इंतजार नहीं करना पड़ा। उन्होंने 577 के स्कोर से चौथे स्थान से फाइनल में क्वालीफाई करते ही कोटा हासिल कर लिया था। शनिवार को फाइनल में पहुंचने वाले छह में से चार निशानेबाजों को कोटा स्थान मिलना तय था। चंडीगढ़ के विजयवीर ने एलिमिनेशन राउंड में 28 का निशाना लगाते ही रजत पदक जीतकर शान से कोटा प्राप्त किया। वह कजाखस्तान के निकिता चिरयुकिन से पीछे रहे जिन्होंने 32 के शॉट से स्वर्ण पदक जीता।

विजयवीर ने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं। हमने शिविर में और यहां आने के बाद भी बहुत कड़ी ट्रेनिंग की। यह रेंज दिल्ली (कर्णी सिंह) की रेंज से काफी मिलती जुलती है। मैं अपने क्वालीफिकेशन स्कोर से ज्यादा खुश नहीं हूं। हम जानते हैं कि वापस आने के बाद हमें किन क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है लेकिन फाइनल में मैंने जिस तरह से शॉट लगाए उससे बहुत खुश हूं। '' उन्होंने कहा, ''मैं इसे अपने माता-पिता, परिवार और दोस्तों और अपने कोचों को समर्पित करना चाहता हूं। '' भारत के लिए रैपिड फायर पिस्टल मजबूत स्पर्धा होती है जिसमें विजय कुमार ने 2012 लंदन ओलंपिक में रजत पदक जीता था। अनीश तोक्यो ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने के मजबूत दावेदार दिख रहे थे लेकिन वह नयी दिल्ली में 2021 में आईएसएसएफ विश्व कप में ऐसा करने से चूक गये थे। अगर विजयवीर और अनीश दोनों को पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है तो रैपिड फायर निशानेबाजी में इस तरह का मौका पहली बार होगा। भारत ने अभी तक जकार्ता में चार पेरिस ओलंपिक कोटे हासिल कर लिये हैं। विजयवीर के अलावा ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा, वरूण तोमर ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और रिदम सांगवान ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पेरिस कोटा प्राप्त किया। भारत 12 स्वर्ण, 10 रजत और आठ कांस्य पदक से तालिका में शीर्ष पर है। उसके बाद सात स्वर्ण के साथ चीन दूसरे स्थान पर है। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता सिफत कौर सामरा और आशी चौकसी ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

भारत के ओलंपिक मेजबान बनने की राह हुई आसान, मैक्सिको ने वापस लिया नाम, जानें पूरी डिटेल

दरअसल, ओलंपिक 2036 के लिए भारत की मेजबानी का रास्ता साफ होता जा रहा है। अब मैक्सिको ने आधिकारिक तौर पर ओलंपिक 2036 की मेजबानी से नाम वापस ले लिया है। कड़ी प्रतिस्पर्धा का हवाला देते हुए मैक्सिको ने मेजबानी से अपना नाम वापस ले लिया है।

नई दिल्ली.एजेंसी।

ओलंपिक 2036 को लेकर भारत के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, ओलंपिक 2036 के लिए भारत की मेजबानी का रास्ता साफ होता जा रहा है। अब मैक्सिको ने आधिकारिक तौर पर ओलंपिक 2036 की मेजबानी से नाम वापस ले लिया है। कड़ी प्रतिस्पर्धा का हवाला देते हुए मैक्सिको ने मेजबानी से अपना नाम वापस ले लिया है। मंगलवार को प्रायोजकों के एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने इसकी जानकारी दी। सीओएम की अध्यक्ष मारिया जोस अल्काला ने कहा कि अब मैक्सिको अपना ध्यान युवा ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगाने पर केंद्रित करेगा, जहां उसके पास बेहतर मौका है। मैक्सिको ने शुरुआत में अक्टूबर 2022 में खेलों के इस महाकुंभ की मेजबानी करने का इरादा जताया था। पूर्व विदेश मंत्री मार्सेलो एबरार्ड ने सीओएम के साथ मिलकर 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा जताई थी।

राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले 11 खिलाड़ियों का Doping के लिए प्रतिबंध घटाया गया

नई दिल्ली.एजेंसी

पिछले साल गोवा राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले 11 खिलाड़ियों को डोपिंग आरोप तुरंत स्वीकार करने का फायदा मिला है और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने उनका प्रतिबंध घटाकर तीन साल कर दिया है। इन खिलाड़ियों में ट्रैक एवं फील्ड के तीन एथलीट कमलजीत कौर (100 मीटर और 200 मीटर), अजय कुमार (5000 मीटर और 10000 मीटर) और हरजोधवीर सिंह (5000 मीटर और 10000 मीटर) भी शामिल हैं, जिन्होंने 25 अक्टूबर से 9 नवंबर तक गोवा में राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लिया था। नाडा ने अपनी नवीनतम सूची में उन खिलाड़ियों के नाम दिए हैं जिनका प्रतिबंध घटाकर तीन साल कर दिया गया है। डोपिंग के दोषी पाए गए खिलाड़ियों पर अमूमन चार साल का प्रतिबंध लगाया जाता है। इन खिलाड़ियों में तीन भारोत्तोलक प्रियदर्शनी थुरम (मेफेन्टरमाइन), मिथलेश सोनकर (एसएआरएम एलजीडी-4033) और एक नाबालिग (मिथाइलटेस्टोस्टेरोन) भी शामिल हैं लेकिन यह पता नहीं चला है कि उन्होंने राष्ट्रीय खेलों में अपनी स्पर्धा में भाग लिया था या नहीं। राष्ट्रीय खेलों में सात भारोत्तोलक डोपिंग के दोषी पाए गए थे।

शूटिंग में लक्ष्य श्योराण ओलंपिक कोटे से चूके, ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष

पेरिस.एजेंसी

लक्ष्य श्योराण ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। लेकिन पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने से मामलू अंतर से चूक गए। श्योराण 50 शॉट के फाइनल में तीसरे स्थान पर रहे। एशियाई खेलों के सिल्वर मेडल विजेता लक्ष्य श्योराण ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। लेकिन पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने से मामलू अंतर से चूक गए। श्योराण 50 शॉट के फाइनल में तीसरे स्थान पर रहे। 15 साल की उम्र में ईरान के मोहम्मद बेरानवांड ने गोल्ड जीतकर पहला कोटा हासिल किया। जबकि चीन के गुओ युहाओ को सिल्वर मेडल के साथ दूसरा कोटा मिला। श्योराण और गुओ के बीच 40 शॉट के बाद टाई हुआ था, लेकिन शूटआफ में चीनी निशानेबाज ने बाजी मार ली।

सात्विक और चिराग की जोड़ी अपने दूसरे सुपर 1000 खिताब से एक जीत दूर

नई दिल्ली.एजेंसी

उन्होंने सही समय पर लय हासिल कर लगातार आठ अंक जुटा कर कोरिया की जोड़ी को हैरत में डालते हुए मैच जीत लिया। सात्विक और चिराग सबसे सफल भारत की पुरुष युगल जोड़ी है। इस जोड़ी ने एशियाई खेलों के बैडमिंटन में अपना और देश का पहला स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा एशियाई चैंपियनशिप और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब भी जीता है। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शनिवार को कोरिया की विश्व चैंपियन सेओ सेउंग जे और कांग मिन ह्युकडिश की जोड़ी को को सीधे गेम में हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने सत्र के अपने पहले टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दूसरे गेम में शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने इस करीबी मुकाबले का पहला गेम 21-18 से जीता।

दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी के पास छह गेम प्वाइंट लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार आठ अंक जुटा कर इस गेम को 22-20 से जीतने के साथ फाइनल का टिकट पक्का किया। सात्विक और चिराग इस तरह अपने दूसरे सुपर 1000 खिताब से केवल एक कदम दूर है। उन्होंने इस स्तर का अपना पहला खिताब पिछले साल जून में इंडोनेशियाई ओपन में जीता था। भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन में भी इसी कोरियाई जोड़ी को हराया था। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज कांग मिन और सेओ सेउंग के खिलाफ चार मैचों की भारतीय सात्विक और चिराग की जोड़ी की यह तीसरी जीत है। क्वार्टर फाइनल में एकतरफा जीत से उत्साहित भारतीय जोड़ी ने इस मुकाबले में भी 9-5 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की।

भारतीय जोड़ी ने इसके बाद शटल को दो बार कोर्ट के बाहर खेल दिया और कोरियाई की जोड़ी ने कुछ चतुराई भरी खेल से लगातार चार अंक बनाये। चिराग ने इसके बाद हैरतअंगेज शॉट खेलकर कोरिया के खिलाड़ियों को चौंका दिया। भारतीय जोड़ी एक बार फिर से चार अंक (17-13) की बढ़त बनाने में सफल रही। भारतीय जोड़ी के पास इसके बाद चार गेम प्वाइंट थे और सेओ तथा कांग की जोड़ी ने अपने रक्षण के स्तर को ऊंचा किया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी तीसरे प्रयास में अंक हासिल कर पहला गेम जीत लिया। सेओ और कांग ने दूसरे गेम में सतर्क शुरुआत करने के बाद अपना दबदबा बनाना शुरू किया। इस जोड़ी ने 9-4 और फिर कुछ शानदार रैली के दम पर 11-6 की बढ़त के साथ भारतीय जोड़ी को परेशान किया। पहले गेम में सेओ बेहतर खिलाड़ी लगे तो वही दूसरे गे में कांग ने ज्यादा प्रभावित किया।

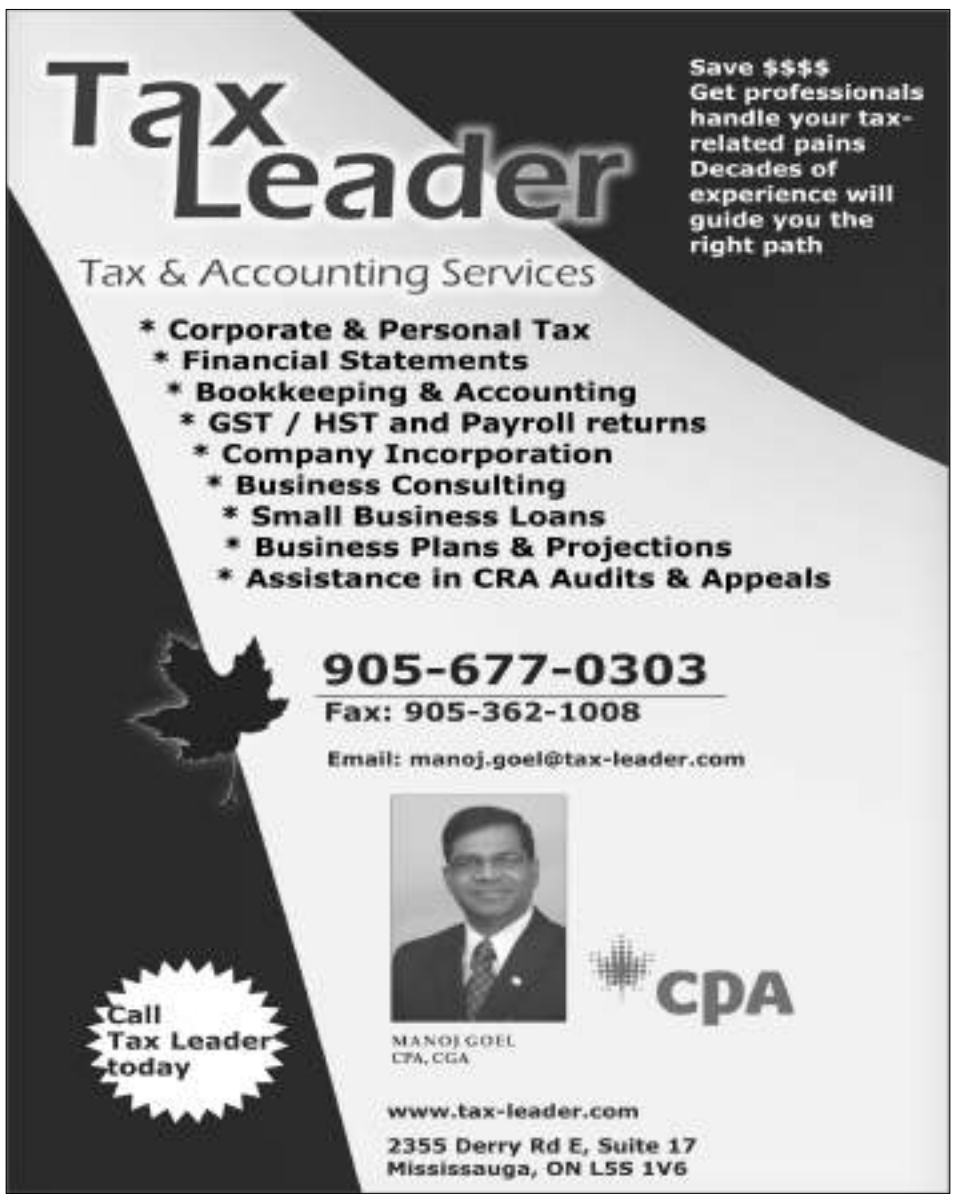

HINDU FESTIVALS 2024

For North America, Eastern Standard Time 2080-81

हिन्दू व्रत त्यौहार २०२४

विक्रमी सम्वत् २०८०-८१

उत्तरी अमेरिका के लिए ई एस टी समयानुसार

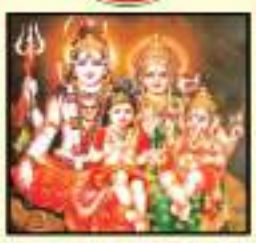

जनवरी / JANUARY

सफला एकादशी	रवि	7
प्रदोष व्रत	सोम	8
अमावस	बुध	10
विवेकानन्द जयंती	शुक्र	12
लोहड़ी	शनि	13
मकर संक्रांति	रवि	14
पुत्रदा एकादशी	रवि	21
प्रदोष व्रत	सोम	22
सत्यनारायण व्रत	बुध	24
पूर्णिमा	गुरु	25
श्री गणेश (संकट) चतुर्थी व्रत	रवि	28
पंचक	13 से 17	

खर मास – 1 से 13, लग्न – 14, 19, 20, 21, 27, 28

Safala Ekadashi	Sun	7
Pradosh Vrat	Mon	8
Amavas	Wed	10
Vivekanand Jay.	Fri	12
Lohri	Sat	13
Makar Sankranti	Sun	14
Putrada Ekadashi	Sun	21
Pradosh Vrat	Mon	22
Satyanarayan Vrat	Wed	24
Purnima	Thu	25
Ganesh (Sankat) Chaturthi Vrat	Sun	28
Panchak	13 to 17	

Khar Maas—1 to 13, Lagan—14, 19, 20, 21, 27, 28

फरवरी / FEBRUARY

पुत्र सप्तमी	गुरु	1
षटतिला एकादशी	सोम	5
प्रदोष व्रत	बुध	7
अमावस	शुक्र	9
गणेश तिल चतुर्थी	सोम	12
वसन्त पंचमी	मंगल	13
सरस्वती जयंती	मंगल	13
फाल्गुन संक्रांति	मंगल	13
रथ सप्तमी	गुरु	15
जया एकादशी	सोम	19
प्रदोष व्रत	बुध	21
सत्यनारायण व्रत	शुक्र	23
पूर्णिमा	शुक्र	23
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	मंगल	27
पंचक	09 से 13	

लग्न – 2, 4, 10, 11, 16, 18, 23, 25

Putra Saptami	Thu	1
Shattila Ekadashi	Mon	5
Pradosh Vrat	Wed	7
Amavas	Fri	9
Ganesh Til Chaturthi	Mon	12
Vasant Panchami	Tue	13
Saraswati Jayanti	Tue	13
Phalgun Sankranti	Tue	13
Rath Saptami	Thu	15
Jaya Ekadashi	Mon	19
Pradosh Vrat	Wed	21
Satyanarayan Vrat	Fri	23
Purnima	Fri	23
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Tue	27
Panchak	09 to 13	

Lagan — 2, 4, 10, 11, 16, 18, 23, 25

मार्च / MARCH

सीता अष्टमी	रवि	3
महर्षि दयानन्द जयंती	मंगल	5
विजया एकादशी	बुध	6
प्रदोष व्रत	गुरु	7
श्री महाशिवरात्रि व्रत	शुक्र	8
अमावस	शनि	9
रामकृष्ण परमहंस जयंती	सोम	11
फुलैरा दूज	सोम	11
शहीद लेखराम तृतीया	मंगल	12
(मीन संक्रांति) चैत्र संक्रांति	बुध	13
होलाष्टक प्रारम्भ	रवि	17
अन्नपूर्णा अष्टमी	रवि	17
आमलकी एकादशी	बुध	20
प्रदोष व्रत	गुरु	21
श्री सत्यनारायण व्रत, होलिका दहन	रवि	24
बसंत पूर्णिमा, होलाष्टक समाप्त	रवि	24
चैतन्य महाप्रभु जयंती	रवि	24
होली, चन्द्रग्रहण (अदृश्य)	सोम	25
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	गुरु	28
श्री शिवाजी जयंती, श्री तुकाराम जयंती	गुरु	28
शीतला सप्तमी	रवि	31
पंचक	8 से 12	

लग्न – 1, 3, 7, 8, 12 बाद में खर मास

Seeta Ashatami	Sun	3
Maharishi Dayanand Jayanti	Tue	5
Vijaya Ekadashi	Wed	6
Pradosh Vrat	Thu	7
Shri Mahashivratri Vrat	Fri	8
Amavas	Sat	9
Ramkrishan Paramhans Jay.	Mon	11
Fulera Duj	Mon	11
Shahid Lekhram Tritiya	Tue	12
(Meen Sankrant) Chaitra Sankrant	Wed	13
Holaashtak Begin	Sun	17
Annapurna Ashtmi	Sun	17
Amalki Ekadashi	Wed	20
Pradosh Vrat	Thu	21
Satyanarayan Vrat, Holika Dahan	Sun	24
Basant Purnima, Holaashtak End	Sun	24
Chaitnya Mahaprabhu Jayanti	Sun	24
Holi, Chandragrahan (Invisible)	Mon	25
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Thu	28
Sh. Shivaji Jay., Sh. Tukaram Jay.	Thu	28
Sheetla Saptami	Sun	31
Panchak	8 to 12	

Lagan — 1, 3, 7, 8, After 12 Khar Maas

अप्रैल / APRIL

शीतला अष्टमी	सोम	1
पापमोचनी एकादशी	गुरु	4
शनि प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि	शनि	6
सोमवती अमावस्या / सूर्यग्रहण	सोम	8
चैत्र नवरात्रि / संवत् २०८१ आरम्भ	मंगल	9
आर्य समाज स्थापना दिवस, गुड़ी पड़वा	मंगल	9
मत्स्य जयंती, गणगौर	बुध	10
लक्ष्मी पंचमी	शुक्र	12
मेष / वैशाख संक्रांति दान पुण्य	शनि	13
श्री दुर्गाष्टमी	सोम	15
श्री रामनवमी / नवरात्रि समाप्त	मंगल	16
धर्मराज दशमी	बुध	17
कामदा एकादशी व्रत	शुक्र	19
प्रदोष व्रत	शनि	20
श्री सत्यनारायण व्रत	सोम	22
श्री हनुमान जन्मोत्सव, पूर्णिमा	मंगल	23
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	शुक्र	26
पंचक	4 से 8	

लग्न– 13 तक खरमास, 14, 18, 19, 20, 21, 23, 26, 27

Sheetala Ashtami	Mon	1
Paapmochini Ekadashi	Thu	4
ShaniPradosh Vrat, Monthly Shivratri	Sat	6
Somvati Amavasya/Solar Eclipse	Mon	8
Chaitr Navratri/Samvat 2081 begin	Tue	9
Arya Samaj Sthapana Day/Gudi Parv	Tue	9
Matsya Jayanti/Gangaur	Wed	10
Lakshmi Panchami	Fri	12
Mesh/Vaishak Skranti Daan Punya	Sat	13
Shri Durga Ashtami	Mon	15
Shri Ram Navami/Navratri End	Tue	16
Dharamraj Dashami	Wed	17
Kamada Ekadashi	Fri	19
Pradosh Vrat	Sat	20
Shri Satyanayaran Vrat	Mon	22
Shri Hanuman Jayanti, Purnima	Tue	23
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Fri	26
Panchak	4 to 8	

Lagan — till 13 Khar Maas, 14, 18, 19, 20, 21, 23, 26, 27

मई / MAY

वरूथिनी एकादशी	शनि	4
श्री वल्लभाचार्य जयंती	शनि	4
प्रदोष व्रत	रवि	5
भौमवती अमावस	मंगल	7
श्री परशुराम जयंती	गुरु	9
अक्षय तृतीया	शुक्र	10
सूरदास / आदि गुरु शंकराचार्य जयंती	रवि	12
गंगा सप्तमी / ज्येष्ठ संक्रांति	मंगल	14
बगलामुखी जयंती	बुध	15
श्री जानकी	गुरु	16
मोहिनी एकादशी	शनि	18
प्रदोष व्रत	सोम	20
श्री नृसिंह जयंती	मंगल	21
श्री सत्यनारायण व्रत / कूर्म जयंती	बुध	22
बुद्ध पूर्णिमा	गुरु	23
नारद जयंती	गुरु	23
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	रवि	26
पंचक	2 से 6, 29 से 31	

लग्न– शुक्र अस्त, गुरु अस्त

Varuthini Ekadashi	Sat	4
Sh. Vallbhacharya Jayanti	Sat	4
Pradosh Vrat	Sun	5
Bhaumvati Amavasya	Tue	7
Shri Parshuram Jayanti	Thu	9
Akashya Tritiya	Fri	10
Surdas/Aadi Guru Shankracharya Jayanti	Sun	12
Ganga Saptami / Jyeshth Sankranti	Tue	14
Baglamukhi Jayanti	Wed	15
Shri Janaki	Thu	16
Mohini Ekadashi	Sat	18
Pradosh Vrat	Mon	20
Shri Nrisingh Jayanti	Tue	21
Shri Satyanarayan Vrat/Kurm Jayanti	Wed	22
Budh Purnima	Thu	23
Narad Jayanti	Thu	23
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Sun	26
Panchak	2 to 6 & 29 to 31	

Lagan — Shukra Ast & Guru Ast

जून / JUNE

अपरा एकादशी	रवि	2
प्रदोष व्रत	सोम	3
मासिक शिवरात्रि	मंगल	4
वट सावित्री व्रत	बुध	5
अमावस्या, शनि जयंती	गुरु	6
रम्भा तृतीया / महाराणा प्रताप जयंती	रवि	9
ज्येष्ठ संक्रांति	शुक्र	14
गंगा दशहरा	रवि	16
निर्जला एकादशी / गायत्री जयंती	सोम	17
प्रदोष व्रत	बुध	19
वट सावित्री व्रत	शुक्र	21
श्री सत्यनारायण व्रत / पूर्णिमा	शुक्र	21
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	सोम	24
पंचक	1 से 2 व 25 से 29	

लग्न– शुक्र अस्त

Apara Ekadashi	Sun	2
Pradosh Vrat	Mon	3
Monthly Shivratri	Tue	4
Vat Savitri Vrat	Wed	5
Amavaya, Shani Jay.	Thu	6
Rambha Tritiya / Maha Pratap Jay.	Sun	9
Jyeshtha Sankranti	Fri	14
Ganga Dushera	Sun	16
Nirjala Ekadashi / Gayatri Jay.	Mon	17
Pradosh Vrat	Wed	19
Vat Savitri Vrat	Fri	21
Shri Satyanayaran Vrat / Purnima	Fri	21
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Mon	24
Panchak	1 to 2 & 25 to 29	

Lagan — Shukra Ast

Inauspicious time in 2024 - Khar Maas Jan. 1 to 13, Mar. 14 to Apr. 12, Dec. 14 to 31, Shukra Ast Apr. 27 to Jul. 10, Guru Ast May 3 to Jun. 2, Holaashtak Mar. 17 to 24, Pitri Paksh Sep. 18 to Oct. 2, Bheesham Panchak Nov. 11 to 15

2024

प्रस्तुत व्रत-पर्व सूची पत्र में सभी तारीखें ईएसटी समयानुसार भास्कर पंचांग २०२४ से ली गई हैं। जिसकी विशुद्ध ज्योतिष गणित भारतीय धर्मशास्त्रों, प्राचीन ऋषिमतों के आधार पर आचार्य सुरेन्द्र शर्मा शास्त्री द्वारा जनकल्याण हेतु की गई है। गत ३३ वर्षों से यह पंचांग हिन्दू धर्मावलम्बियों का पथ प्रदर्शक बन गया है। व्रत-पर्व, ग्रहण, राशिफल, विवाहादि मुहूर्त की विस्तृत जानकारी हेतु २०२४ का भास्कर पंचांग अवश्य लें।

Indian Rishis recognised the importance of time, spread knowledge and inspired people to live happy & peaceful life. This calendar is based on **BHASKAR PANCHANG 2024** which is prepared according to Hindu Scriptures. For more details, please consult Bhaskar Panchang or contact us.

Acharya Surendra Sharma Shastri
416-457-0719
email: sshastri@hinduvision.com

With Best compliments from
HINDU HERITAGE CENTRE
6300 Mississauga Rd. Mississauga
Tel : 905-369-0363

जुलाई / JULY

योगिनी एकादशी	सोम	१
प्रदोष व्रत	मंगल	२
अमावस	शुक्र	५
आषाढ़ नवरात्रि	शनि	६
रथयात्रा पुरी-जगन्नाथ, जगदीश रथोत्सव	रवि	७
कुमार षष्ठी	गुरु	११
अट्ठाई व्रत आरम्भ	शुक्र	१२
गुप्त नवरात्रि समाप्त / आषाढ़ संक्रांति	सोम	१५
गौरी व्रत आरम्भ, देवशयनी एकादशी	बुध	१७
प्रदोष व्रत	गुरु	१८
जया पार्वती व्रत आरम्भ	शुक्र	१९
श्री सत्यनारायण व्रत	शनि	२०
गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा	रवि	२१
श्रावण सोम आरम्भ	सोम	२२
गौरी व जया पार्वती व्रत समाप्त	मंगल	२३
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	मंगल	२३
कामिका एकादशी	मंगल	३०
पंचक	२२ से २६	

लग्न– १०, १२, १३, १४, १७, १९, २१, २६, २७, २८, ३१

Yogini Ekadashi	Mon	1
Pradosh Vrat	Tue	2
Amavas	Fri	5
Aashadh Navratri	Sat	6
Rathyatra Puri-Jagannath	Sun	7
Jagdish Rath Utsav	Sun	7
Kumar Shasthi	Thu	11
Atthais Vrat Begin	Fri	12
Gupt Navratri Ends/Aashadh Sankranti	Mon	15
Gauri Vrat Begin/Devshyani Ekadashi	Wed	17
Pradosh Vrat	Thu	18
Jaya Parvati Vrat Begins	Fri	19
Shri Satyanarayan Vrat	Sat	20
Guru Purnima / Vyas Purnima	Sun	21
Shraavan Som Begins	Mon	22
Gauri & Jaya Parvati Vrat Ends	Tue	23
Ganesh Chaturthi	Tue	23
Kamika Ekadashi	Tue	30
Panchak	22 to 26	

Lagan— 10, 12, 13, 14, 17, 19, 21, 26, 27, 28, 31

अगस्त / AUGUST

प्रदोष व्रत	गुरु	1
हरियाली अमावस	रवि	4
हरियाली तीज	बुध	7
नाग पंचमी	शुक्र	9
कल्कि जयंती	शनि	10
गोस्वामी तुलसीदास जयंती	रवि	11
श्री दुर्गा अष्टमी (चिन्तपूर्णी)	सोम	12
पवित्रा एकादशी	गुरु	15
भाद्रपद संक्रांति दान पुण्य	शुक्र	16
प्रदोष व्रत	शनि	17
श्री सत्यनारायण व्रत	रवि	18
पूर्णिमा, रक्षाबन्धन	सोम	19
श्रावण सोम समाप्त	सोम	19
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	गुरु	22
श्री चन्दन षष्ठी	शनि	24
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	रवि	25
गुग्गा नवमी	मंगल	27
अजा एकादशी	गुरु	29
प्रदोष व्रत	शुक्र	30
पंचक	19 से 23	

लग्न– 4, 9, 10, 11, 15, 16, 17, 23, 25, 26, 30

Pradosh	Thu	1
Hariyali Amavas	Sun	4
Hariyali Teej	Wed	7
Naag Panchami	Fri	9
Kalki Jayanti	Sat	10
Sh. Goswami Tulsidas Jayanti	Sun	11
Durgaashtami (Chintpurni)	Mon	12
Pavitra Ekadashi	Thu	15
Bhadrapad Sankranti Daan Punya	Fri	16
Pradosh Vrat	Sat	17
Shri Satyanarayan Vrat	Sun	18
Rakshabandhan / Purnima	Mon	19
Sravan Som Ends	Mon	19
Shri Ganesh Chaturthi	Thu	22
Chandan Shashthi	Sat	24
Shri Krishna Janmashtmi	Sun	25
Guggaa Navami	Tue	27
Aja Ekadashi	Thu	29
Pradosh Vrat	Fri	30
Panchak	19 to 23	

Lagan — 4, 9, 10, 11, 15, 16, 17, 23, 25, 26, 30

सितम्बर / SEPTEMBER

कुशोत्पाटिनी अमावस	सोम	2
वराह जयंती / हरितालिका तीज	गुरु	5
विनायक चतुर्थी	शुक्र	6
महालक्ष्मी व्रत आरम्भ	मंगल	10
राधाष्टमी	बुध	11
श्री चन्द नवमी	गुरु	12
पद्मा एकादशी, वामन जयंती	शनि	14
प्रदोष व्रत	रवि	15
आश्विन संक्रांति दान पुण्य	सोम	16
अनन्त चतुर्दशी	सोम	16
पूर्णिमा / श्री सत्यनारायण व्रत	मंगल	17
पितृ पक्ष आरम्भ	बुध	18
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	शुक्र	20
महालक्ष्मी व्रत समाप्त	मंगल	24
इन्दिरा एकादशी	शुक्र	27
प्रदोष व्रत	रवि	29
पंचक	15 से 19	

लग्न– 2, 4, 7, 8, 11, 12, 14, 15, 17

Kusotpatini Amavas	Mon	2
Varah Jayanti / Haritalika Teej	Thu	5
Vinaayak Chaturthi	Fri	6
Mahalakshmi Vrat Begins	Tue	10
Radha Ashtami	Wed	11
Shri Chand Navami	Thu	12
Padama Ekadashi, Vaman Jayanti	Sat	14
Pradosh Vrat	Sun	15
Aashwin Sankranti for Daan Punya	Mon	16
Anant Chaturdashi	Mon	16
Shri Satyanarayan Vrat / Purnima	Tue	17
Pitri Paksh Begins	Wed	18
Shri Ganesh Chaturthi Vrat	Fri	20
Mahalakshmi Vrat Ends	Tue	24
Indira Ekadashi	Fri	27
Pradosh Vrat	Sun	29
Panchak	15 to 19	

Lagan— 2, 4, 7, 8, 11, 12, 14, 15, 17

अक्तूबर / OCTOBER

अमावस / सर्वपितृ श्राद्ध	बुध	2
पितृ विसर्जन	बुध	2
शारद् नवरात्रि आरम्भ	गुरु	3
श्री ललिता पंचमी	सोम	7
श्री दुर्गा अष्टमी	गुरु	10
श्री महानवमी	शुक्र	11
विजया दशमी / अपराजिता पूजन	शनि	12
पापांकुशा एकादशी	रवि	13
प्रदोष व्रत	सोम	14
कार्तिक संक्रांति, वाल्मीकि जयंती	बुध	16
शरद पूर्णिमा / सत्यनारायण व्रत	बुध	16
श्री गणेश चतुर्थी व्रत, करवा चौथ	रवि	20
अहोई अष्टमी	बुध	23
रमा एकादशी	रवि	27
प्रदोष व्रत, धन तेरस	मंगल	29
श्री हनुमान जन्मोत्सव / नरक चौदस	बुध	30
दीपावली / महालक्ष्मी पूजा / अमावस	गुरु	31
पंचक	13 से 16	

लग्न– 6, 9, 12, 16, 19, 20, 23, 26, 27, 30

Amavas / Shraadh Ends	Wed	2
Pitri Visarjan	Wed	2
Sharad Navratri Begins	Thu	3
Shri Lalita Panchami	Mon	7
Shri Durga Ashtami	Thu	10
Mahanavami	Fri	11
Vijaya Dashami / Aprajita Pujan	Sat	12
Papankusha Ekadashi	Sun	13
Pradosh Vrat	Mon	14
Kartik Sankranti / Balmiki Jayanti	Wed	16
Sharad Purnima / Shri Satyanarayan	Wed	16
Shri Ganesh Chaturthi / Krva Chauth	Sun	20
Ahoi Ashtami	Wed	23
Rama Ekadashi	Sun	27
Pradosh, Dhan Teras	Tue	29
Shri Hanuman Jayanti/Narak Chaudas	Wed	30
Diwali / Mahalakshmi Puja/Amavas	Thu	31
Panchak	13 to 16	

Lagan — 6, 9, 12, 16, 19, 20, 23, 26, 27, 30

नवम्बर / NOVEMBER

अन्नकूट, गोवर्धन पूजा (गुजराती नववर्ष)	शुक्र	1
भाई दूज	शनि	2
छठ पूजा	गुरु	7
गोपाष्टमी	शनि	9
अक्षय नवमी	रवि	10
हरि प्रबोधिनी एकादशी	सोम	11
तुलसी विवाह	मंगल	12
प्रदोष व्रत	बुध	13
वैकुण्ठ चौदस	गुरु	14
मार्गशीर्ष संक्रांति, श्री सत्यनारायण व्रत	शुक्र	15
पूर्णिमा, गुरु नानक जयंती	शुक्र	15
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	सोम	18
उत्पन्ना एकादशी	मंगल	26
प्रदोष व्रत	गुरु	28
अमावस, श्री बालाजी जयंती	शनि	30
पंचक	9 से 13	

लग्न– 2, 3, 6, 9, 10, 17, 22, 27, 28

Annkoot, Govardhan Puja	Fri	1
Bhai Dooj	Sat	2
Chhath Puja	Thu	7
Goopaashtami	Sat	9
Akshaya Navami	Sun	10
Hari Prabhodhini Ekadashi	Mon	11
Tulsi Vivah	Tue	12
Pradosh Vrat	Wed	13
Vaikunth Chaudas	Thu	14
Shri Satyanarayan Vrat	Fri	15
Margsheersh Sankranti	Fri	15
Purnima, Guru Nanak Jayanti	Fri	15
Shri Ganeesh Chaturthi Vrat	Mon	18
Utapanna Ekadashi	Tue	26
Pradosh Vrat	Thu	28
Amavas, Bala Ji Jayanti	Sat	30
Panchak	9 to 13	

Lagan — 2, 3, 6, 9, 10, 17, 22, 27, 28

दिसम्बर / DECEMBER

चम्पा षष्ठी	शुक्र	6
मित्र सप्तमी	शनि	7
मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती	बुध	11
प्रदोष व्रत	गुरु	12
श्री सत्यनारायण व्रत, पूर्णिमा, दत्तात्रेय जयंती	शनि	14
पौष संक्रांति दान पुण्य हेतु	रवि	15
श्री गणेश चतुर्थी व्रत	बुध	18
सफला एकादशी	गुरु	26
प्रदोष व्रत	शुक्र	27
अमावस	सोम	30
पंचक	6 से 10	

लग्न– 1, 2, 5, 7, 9, 14

Champa Shashthi	Fri	6
Mitra Saptami	Sat	7
Mokshada Ekadashi, Gita Jayanti	Wed	11
Pradosh Vrat	Thu	12
Shri Satyanarayan Vrat, Purnima	Sat	14
Dattatreya Jayanti	Sat	14
Paush Sankranti for Daan Punya	Sun	15
Shri Ganesh Chaurthi Vrat	Wed	18
Safala Ekadashi	Thu	26
Pradosh Vrat	Fri	27
Amavas	Mon	30
Panchak	6 to 10	

Lagan— 1, 2, 5, 7, 9, 14

ZEE TV CANADA
TorontoIndians.ca & BollyClub.ca Presents
SOCIAL OF THE YEAR
2024
MEET & GREET
CONNECTIONS
NETWORKING
GAMES & PRIZES
VENDOR DISPLAY
$10 ENTRY & CULTURAL PARTICIPATION
FOOD STALLS
VENDOR SPONSOR STALL $100
BOLLYCLUB.CA
Date : SUNDAY, 31 March, 2024
Time : 11 AM - 3 PM
Venue : Palacio Event Centre
3410 Semenyk Ct, Mississauga
E-TRANSFER
social@bollyclub.ca
CULTURAL PARTICIPATION
Ritika : 647-857-9090
REGISTRATION & SPONSORSHIP
Amit : 647-863-6520
PRESENTED BY :
125000 Members Toronto Indians.ca
www.SocialOfTheYear.com